READ INDIA

मधुलिका

हिंदी पाठ्य पुस्तक

Class VI to VIII

READ INDIA
An Imprint of Vidyalaya Prakashan
An ISO 9001 : 2008 Certified Co.
NEW DELHI

INDEX

Class : VI	03 – 44
Class : VII	45 – 84
Class : VIII	85 – 128

Sales Office :

C-24, Jwala Nagar, Transport Nagar, Meerut - 250002

Ph. : 0121 - 2400630, 8899271392

Head Office :

A-102, Chandar Vihar, Delhi - 110092

Website :

www.vidyalayaprakashan.com

हिन्दी 6

पाठ-1 : रेशमी किरण

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. सूरज की किरणें रेशम जैसी चमचमाती हुई आसमान से आई थीं।
2. किरण पत्तों पर पड़ी ओस की बूंदों पर जाकर ऐसे मुसकाई जैसे एक दीपक जलता है।
3. सवेरा होते ही सभी प्राणी व पेड़-पौधे नई स्फूर्ति से नए दिन का स्वागत करते हैं। शीतल हवा से पेड़-पौधे लहलहाने लगते हैं और पक्षी अपने घोंसलों से चहकते हुए नए दिन का प्रारंभ करते हैं।
4. आसमान में सूर्य की किरणें सोने के तारों जैसी छा गई।
5. सूर्य की किरणें रात के अंधकार को दूर कर संपूर्ण विश्व में प्रकाश फैलाती हैं। सूर्योदय के पश्चात् सभी प्राणी, जीवजंतु, पेड़-पौधे नयी उमंग और उत्साह से नए दिन की शुरूआत करते हैं। सूर्योदय मनुष्य के जीवन में उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) मीठी-मीठी खुशियाँ
2. (अ) ओस की बूँदें
3. (द) सूरज
4. (स) हवा

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

निम्न पंक्तियों में कवि कहते हैं कि प्रातः काल सूर्य की किरणें रेशम के कपड़े जैसी चमकती हुई आसमान से धरती पर बिखर जाती हैं। सूर्य की किरण नए दिन के साथ हमारे जीवन में नई स्फूर्ति और खुशियाँ लाती हैं।

भाषा बोध :

क. कविता में आए तुकांत शब्द छाँटकर लिखिए :

1.	हँसती-खिलती	मीठी-मीठी
2.	पर	कर
3.	जग	सब

ख. वाक्य बनाइए :

1. मीठी :- कोयल की बोली बहुत मीठी होती है।
2. कुछ :- रमेश ने गरीबों को कुछ कपड़े दान दिए।
3. लाल :- मीता ने अपने जन्मदिन पर लाल रंग की फ्रॉक पहनी थी।
4. नया :- गोपी ने नया स्कूटर खरीदा है।
5. ताजा :- सुबह की ताजा हवा स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती है।

ग. शब्दों को सही क्रम में रखकर सार्थक वाक्य बनाइए :

1. नभ से आई एक किरण ।
2. खुशियाँ लाई एक किरण ।
3. पड़ी ओस की थी कुछ बूँदें ।
4. नभ में छाई एक किरण ।
5. एक किरण से बदल गया जग ।

पाठ 2 बचपन की छुट्टियाँ

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. स्कूल नहीं जाने का मतलब है सारी दिनचर्या उलट-पुलट होना।
2. लेखिका के लिए उनके पिता का भय, संकोच और लिहाज अकाट्य था।
3. पिताजी की उपस्थिति में शरारत, मस्ती और चंचलता की सख्त मनाही थी।
4. बच्चों को खाने में आम और खरबूजा दिया जाता था।
5. घर में आए नन्हें अतिथियों को थियेटर में एक फिल्म दिखाने का कर्त्तव्य पिताजी द्वारा पूरा किया जाता था।
6. मनोरंजन का सबसे बड़ा और आकर्षक साधन सिनेमा था।

लिखित :

1. बचपन में छुट्टियों में लेखिका की सारी दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो

जाती थी। लेखिका की समस्या यह थी कि वह छुट्टियों में अपना समय कैसे व्यतीत करें।

2. पाठ में इन पंक्तियों के माध्यम से लेखिका ने अपने हर्ष और उल्लास का वर्णन किया है। छुट्टियाँ बिताने का कोई साधन न मिलने के कारण जब लेखिका निराश हो जाती थी, तब मौसी और चाची के बच्चों के आ जाने पर घर में उल्लास का उफान आ जाता था।

3. पुराने जमाने के 'पिताजी' डरावा देने का अचूक साधन हुआ करते थे। उस समय के अधिकांश पिता घर में अनुशासन के लिए अपने बच्चों के साथ एक दूरी बनाकर चलते थे। बच्चे भी भय और लिहाज के कारण अपने विचार प्रकट करने में संकोच करते थे। परन्तु आधुनिक समय के 'पापा' बच्चों के दोस्त के समान रहते हैं, वे चाहते हैं कि बच्चे उनसे खुलकर अपने विचार प्रकट करें।

4. दोपहर होते ही लेखिका की माँ मिट्टी का तंदूर जलाकर उस पर रोटियाँ सेंकती थी। गरम रोटियों पर शुद्ध घी लगाकर उन्हें एक बड़ी बाँस की डलिया में रख देतीं और सभी बच्चों को आम की चटनी, रायते और सब्जी के साथ परोसकर देती थी।

5. पाठ में खलनायिकाएँ मौसी और चाची को कहा गया है क्योंकि जैसे ही छुट्टियाँ खत्म होने वाली होती वे अपने बच्चों को लेखिका के घर से लेने आ जाती थीं।

6. छुट्टियों के अंतिम दिनों में एक मिला-जुला अनुभव होता है। एक ओर छुट्टियाँ जल्द ही समाप्त होने के कारण मन विह्वल होता है और दूसरी ओर विद्यालय खुलने पर अपने मित्रों, सहपाठियों और अध्यापकों से मिलने का उत्साह मन में नई उमंग भर देता है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) टेढ़ी खीर
2. (द) पिताजी का डरावा देना।
3. (अ) मिट्टी के तंदूर पर
4. (ब) छुट्टियाँ खत्म होने पर

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. असंभव
2. हिदायतें
3. अजायबघर
4. तीन घंटे
5. एहसास

भाषा बोध :

क. नीचे दिये गए शब्दों को उनके सही कॉलम में लिखिए :

हिंदी	**उर्दू**	**अंग्रेजी**
शुभमांगलिक	हिदायतें	आंटियाँ
पिताजी	नामुराद	हॉल
विधिवत्	सख्त	पापा
खलनायिकाएँ	कामयाब	स्कूल
अचूक	मनाही	
	दलील	

ख. योजक चिह्न के प्रयोग वाले शब्द :

1.	परिक्षा – परिणाम	2.	एक – दो
3.	ताल – मेल	4.	संगी – साथी
5.	जोर – शोर	6.	वाद – विवाद
7.	रूठने – मनाने	8.	टीका – टिप्पणी
9.	सराहना – आलोचना	10.	हँसी – खुशी

ग. पाठ में प्रयुक्त मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए :

1. टेढ़ी खीर : मुश्किल काम– महेश को सही रास्ते पर लाना टेढ़ी खीर है।
2. अंधकार में उजाले की किरण : उम्मीद का सहारा– परीक्षा से पहले गणित की कॉपी खो जाने पर राहुल बहुत निराश हो गया। ऐसे में जब उसके मित्र ने उसे अपनी कॉपी दी तब राहुल को अंधकार में उजाले की किरण दिखी।
3. हृदय डूबता : मन घबराना – सिनेमा घर में तेज ध्वनियों से लता का हृदय डूबने लगा।

घ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :

1.	कठिन	5.	सर्दियाँ
2.	उजाला	6.	अनुपस्थिति
3.	चूक	7.	बुढ़ापा
4.	प्रेम	8.	खुशी/उत्साह

ङ. 1. विधिवाचक वाक्य :- पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं।

2. प्रश्नवाचक वाक्य :- तुम्हारा नाम क्या है ?

3. निषेधवाचक वाक्य :- रोहन कल स्कूल नहीं जाएगा।

4. आदेशवाचक वाक्य :- बाजार से सब्जी ले आओ।

पाठ-3 भाग्य विधाता

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. बादशाह ने मंत्री से अपने लिए एक आदमी को ढूँढने के लिए कहा।
2. बादशाह ने मंत्री द्वारा लाए गए आदमी को अपने निजी कार्यालय में चपरासी की नौकरी दी।
3. कार्यालय की छोटी सी कोठरी में उस आदमी को लिफाफों का ढेर मिला जो बीते कई वर्षों में बादशाह के पास निजी पत्रों के रूप में आए थे।
4. बादशाह ने अपने सेनापति को बुलाकर आदेश दिया कि 'सभी मंत्रियों को उनके घरों से उठाकर दरबार में लेकर आओ, वे जिस अवस्था में हो उसी अवस्था में लाए जाए'।
5. कहानी के अंत में बादशाह ने खुश होकर वित्तमंत्री को अपना प्रधानमंत्री बना लिया।

लिखित :

1. बादशाह के कार्यालय में बहुत दिनों से साफ-सफाई न होने के कारण वहाँ धूल-ही-धूल थी।

2. बादशाह के निजी पत्रों में बहुत से लिफाफों में सोने-चाँदी की पच्चीकारी थी और हीरे-मोती जड़े थे। चपरासी ने कारीगर लगाकर सब कीमती सामान लिफाफों से उतरवाकर बाजार में बेच दिया। मिले हुए रुपयों से उसने कार्यालय के लिए फर्नीचर खरीदा और बाकी रुपए सरकारी खजाने में जमा कर दिए।

3. दूसरे मंत्री नए वित्तमंत्री से इसलिए परेशान हो गए क्योंकि न तो नया वित्तमंत्री बेइमानी करता था और न ही किसी को करने देता था।

4. रात के दो बजे वित्तमंत्री राज-कर के हिसाब में उलझे हुए थे। दूर के इलाकों से जो वर्ष का राज-कर आया था, उसमें पिछले वर्ष से एक पैसा कम था, तो वित्तमंत्री बार-बार देख रहे थे कि उनसे जोड़ करने में कोई भूल तो नहीं हुई।

5. वित्तमंत्री ने कहा कि 'यदि पैसा कम है और इसकी पूछताछ नहीं हुई, तो इससे अफसरों में बेइमानी और ढ़ील पैदा होगी', इसलिए उसने बादशाह का दिया हुआ पैसा वापिस कर दिया।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) मात्र पंद्रह रुपए
2. (ब) हीरे-मोती
3. (ब) वित्तमंत्री
4. (स) 'अ' व 'ब' दोनों

ग. किसने, किससे कहा ?

1. बादशाह ने मुख्यमंत्री से कहा।
2. मुख्यमंत्री ने बादशाह से कहा।
3. बादशाह ने चपरासी से कहा।
4. बादशाह ने सेनापति से।
5. वित्तमंत्री ने बादशाह से।

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1. पिताजी खाना खा रहे हैं।
2. मेरा मित्र मेरे साथ व्यायाम करता है।
3. बादशाह ने उस आदमी को अपना वित्तमंत्री बना दिया।
4. तुम्हें अध्यापक ने बुलाया है।

5. हम बहुत खुश हुए।

ख. नीचे दिए गए वाक्यों को प्रश्नवाचक वाक्यों में बदलकर लिखिए :

1. मैना ने क्या सुनी ?
2. आकाश में कौन चहचहा रहे हैं ?
3. वह कब गिर गया ?
4. राहुल क्या देखने गया है ?
5. कहाँ पर फूल खिले हैं ?

ग. निम्नलिखित वाक्यों को पूर्वकालिक क्रिया लगाकर एक वाक्य में लिखिए :

1. बादशाह ने सोचकर मुख्यमंत्री से कहा ।
2. माँ ने खाना बनाकर कपड़े धोए।
3. मैंने कहानी पढ़कर साइकिल चलाई।
4. तुम घर जाकर अपना काम करो।
5. नौकर मालिक के सामने हाथ जोड़कर रोने लगा।

पाठ-4 फूल और काँटा

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. एक ही पौधे पर फूल और काँटे दोनों उगते हैं।
2. फूल और काँटे का पालन-पोषण एक समान एक ही पौधा करता है। रात में चाँद भी उन पर एक जैसी चाँदनी डालता है। वर्षा और हवा भी फूल और काँटों पर समान रूप से अपना प्रभाव डालती हैं।
3. फूल का व्यवहार सबका मन मोहित करने वाला होता है। वह दूसरों की प्रसन्नता के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर देता है। प्रस्तुत कविता में कवि ने सज्जन व्यक्ति की तुलना फूल से की है। जिस प्रकार फूल अपना रस तितलियों और भँवरों को पिलाता है, अपनी सुगंध और रंग से नन्हीं कली को खिला देता है, उसी प्रकार सज्जन व्यक्ति भी दूसरों के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देता है।

4. काँटा सबकी आँखों में इसलिए खटकता है क्योंकि वह दुर्जन व्यक्ति की तरह सभी को दु:ख पहुँचाने में ही सुख का अनुभव करता है। काँटा कभी किसी का वसन फाड़कर, कभी तितलियों के पर कतरकर या फिर भँवरे के तन पर चुभकर कष्ट पहुँचाता है।

5. इस कविता के माध्यम से कवि ने सज्जन और दुर्जन व्यक्ति के स्वभाव की व्याख्या की है। जिस प्रकार फूल और काँटे का जन्म एक ही पौधे से होता है परंतु उनका व्यवहार अलग होता है उसी प्रकार सज्जन व दुर्जन व्यक्ति का जन्म चाहे एक ही कुल की एक जैसी परिस्थितियों में हुआ हो, उनके व्यवहार में बहुत अंतर होता है। सज्जन व्यक्ति फूल की भाँति अपने व्यवहार और कर्मों से सबका मन मोह लेता है, जबकि दुर्जन व्यक्ति के व्यवहार से हमेशा दूसरों को कष्ट ही मिलता है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) चाँदनी   2. (ब) वर्षा

3. (ब) फूल का रस   4. (द) गुण और स्वभाव के आधार पर

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

निम्न पंक्तियों में कवि ने काँटे के व्यवहार की व्याख्या की है। कवि कहते हैं कि काँटे का व्यवहार सदैव सभी को दु:ख और कष्ट पहुँचाता है। कभी किसी की उँगली में चुभ जाता तो कभी किसी के वस्त्र फाड़ देता, कभी तितलियों के पंख कतर देता तो कभी भँवरे के काले तन पर घाव कर देता।

भाषा बोध

क. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. चाँदनी : चाँद की रोशनी - चाँदनी रात में समुद्र की लहरें बहुत सुंदर प्रतीत होती है।

2. मेह : वर्षा - जुलाई अगस्त में कई स्थानों पर भारी वर्षा होती है।

3. श्याम : काला - यशोदा कृष्ण जी को श्याम-सलोना कहकर पुकारती थी।

4. अनूठा : अनोखा - गोपी और उसकी पालतू गाय का एक अनूठा रिश्ता है।

5. सुर : आवाज – संगीत सीखते समय सुर–साज का ध्यान रखना आवश्यक होता है।

6. कुल : वंश – चंद्रगुप्त मौर्य कुल के वंशज थे।

ख. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :

1.	पौधें	2.	काँटें
3.	कलियाँ	4.	हवाएँ
5.	तितलियाँ	6.	आँखें
7.	फूल	8.	उँगलियाँ

ग. कविता में आए तुकांत शब्दों को लिखिए :

1. पालता – डालता
2. बहीं – नहीं
3. वसन – तन
4. पिला – खिला

अभ्यास प्रश्न–पत्र (1)

क. रिक्त स्थान भरिए :

1.	निजी	2.	पैसा
3.	कामयाब	4.	मनोरंजन
5.	अजायबघर		

ख. सत्य/असत्य :

1.	सत्य	2.	असत्य
3.	असत्य	4.	असत्य
5.	सत्य		

ग. किसने, किससे कहा ?

1.	मुख्यमंत्री ने बादशाह से।	2.	माँ ने बच्चों से।
3.	बादशाह ने वित्तमंत्री से।	4.	माँ ने बच्चों से।
5.	वित्तमंत्री ने बादशाह से।		

घ. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) प्रधानमंत्री

2. (द) मौसी व चाची के बच्चों को ले जाने की

3. (अ) फूल का रस

4. (अ) रेशम जैसी

5. (स) मिट्‌टी के तंदूर पर

ङ. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1. निम्न पंक्तियों में कवि कहते हैं कि फूल और काँटे को सदैव एक ही परिस्थितियाँ मिलती हैं एक पौधे को उगने के लिए जैसे वर्षा दोनों पर समान रूप से बरसती हैं और हवाओं का प्रभाव भी दोनों पर समान रूप से पड़ता है फिर भी दोनों के स्वभाव में अंतर होता है। फूल सबका मन मोह लेता है और काँटा सबको कष्ट पहुँचाता है।

2. निम्न पंक्तियों में कवि कहते हैं कि सूर्य की किरणें रात के अंधकार को दूर कर संपूर्ण विश्व में प्रकाश फैलाती हैं। सभी प्राणी व पेड़-पौधे नई स्फूर्ति से नए दिन का स्वागत करते हैं।

च. उचित उपसर्ग/प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए :

1. धन-धनवान
2. वास-आवास
3. जय-पराजय
4. पुत्र-पुत्रवती
5. प्रभात-सुप्रभात

छ. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए :

1. पुरूष
2. पंडिताइन
3. युवती
4. बाघिन
5. वर

ज. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

1. हवा, समीर, वायु
2. अंधेरा, तम, तिमिर
3. अनल, पावक, अग्नि
4. प्रकाश, ज्योति, उजाला
5. दुनिया, लोक, जग

झ. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1. हम बिस्तर से उछल गए।

2. मेरा मित्र बहुत ही अच्छा आदमी है।

ञ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :

1. दु:ख
2. शत्रु
3. कम
4. खुशी

ट. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. जी कड़ा करना : कलेजे पर पत्थर रखना – सुनीता ने जी कड़ा करके अपनी बेटी को विदा किया।
2. हँसी के ठहाके लगाना : बहुत तेज या जोर से हँसना – सपना की हास्य कविता पर सबने हँसी के ठहाके लगाए।

ठ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

1. एक ही पौधे पर एक साथ फूल और काँटें दोनों उगते हैं।
2. रात के समय चाँद फूल और काँटों पर अपनी चाँदनी डालता है।
3. बादशाह ने चपरासी को पन्द्रह रूपए वेतन देना तय किया।
4. लेखिका की माँ के लिए उनके पिता का डरावा देना ब्रह्मास्त्र था।
5. रेशमी किरण आसमान से आई थी।

ड. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. पाठ – 1 : प्रश्न –3
2. पाठ – 2 : प्रश्न –3
3. पाठ – 3 : प्रश्न –4
4. पाठ – 4 : प्रश्न –4
5. बादशाह वित्तमंत्री की अपने काम के प्रति निष्ठा देखकर बहुत प्रसन्न थे। वित्तमंत्री बहुत ही ईमानदार व्यक्ति था। वह न तो खुद बेइमानी करता न ही किसी को करने देता था। इन्हीं खूबियों के कारण बादशाह ने उसे अपना प्रधानमंत्री बना लिया।

पाठ 5 : ऐसा देश है मेरा

पाठ बोध

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. विदेशी भारत की लोकपरंपराएँ, लोकगाथाएँ व लोकजीवन को अपनाकर प्रसन्न होते हैं।
2. तीज–त्यौहार के अवसर पर हाथों पर मेंहदी रचाई जाती है।

3. गली–मोहल्लों में चारपाई पर बैठे लोग सुख–दुःख साझा करते हुए अवश्य ही मिल जायेंगे।
4. विदेशों की सुख–सुविधाओं के आर्कषण में नई पीढ़ी को अपना देश पिछड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है।
5. बढ़ती जनसंख्या ने रोगी, दीन, दुःखी, निराश व चिंतित लोगों की भीड़ में बढ़ोतरी की है।

लिखित :

1. होली की लोककथा में संकेत रूप से यह बताया गया है कि सत्य की रक्षा स्वयं प्रकृति या ईश्वरीय शक्ति करती है।
2. दशरथ की प्रतिज्ञा, राम का वनगमन, शूर्पणखा का प्रतिशोध, वानरों का सहयोग एवं हनुमान की अखंड श्रद्धा–भक्ति की गाथाएँ दीपावली के त्याहौर से संबंधित हैं।
3. मध्यमवर्गीय गली–मोहल्लों में आज भी घर के सामने चारपाई और कुर्सियों पर लोगों के झुंड गप्पे मारते, ठहाका लगाते और सुख–दुःख साझा करते हुए दिखाई देते हैं।
4. भावों की जो गहराई और अनूठापन भारत में है वह अत्यन्त दुर्लभ है जो भारत के बच्चों को सहज मिल जाती है।
5. अतिथियों को देखकर खिल उठने वाले चेहरे, माता–पिता के चरण स्पर्श करते हुए बच्चे, दूसरों को रोता देख स्वयं रो देने वाली स्त्रियाँ, आशीर्वाद देते हुए माता–पिता, अपनों की मंगलकामना हेतु व्रत–उपवास करते लोग भारत की ही धरोहर हैं।
6. अंधाधुंध बढ़ती जनसंख्या, नैतिक मूल्यों की अवहेलना, स्वच्छता के प्रति लापरवाही जैसी भूल हमारी गरिमा के प्रतिकूल है। हमारी इन्हीं भूलों ने भारत की स्वर्णिम छवि धूमिल कर दी है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) 'अ' व 'ब' दोनों
2. (अ) मंगलगीतों के
3. (द) प्राकृतिक
4. (ब) सौभाग्य का चिह्न हैं।
5. (अ) खिल उठते हैं

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. सत्य

3. सत्य		4. सत्य

5. सत्य

भाषा-बोध :

क. स्त्रीलिंग व पुल्लिग शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए :

स्त्रीलिंग	**पुल्लिग**
चारपाई	मोहल्ला
कॉलोनी	झुंड
दीपावली	जीवन
होली	दशहरा
प्रतिज्ञा	

ख. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. पैर पसारना : आराम से लेटना - काम खत्म करने के बाद मजदूर पैर पसार कर सो गया।
2. सुख दुःख साझा करना : सुख-दुःख बाँटना - गली मोहल्लों में लोग आज भी सुख-दुःख साझा करते हैं।
3. दूर के ढोल सुहावने : दूर की वस्तु अच्छी दिखना - रमेश को मुम्बई पहुँच कर पता चला कि दूर के ढोल सुहावने लगते हैं।
4. ठहाके लगाना : जोर से हँसना - अमित के चुटकुलों पर सबने ठहाके लगाए।
5. आनंद का दरिया उमड़ना : बहुत खुश होना - छुट्टियों में मसूरी घूमने की बात पर बच्चों के मन में आनंद का दरिया उमड़ने लगा।
6. प्राण न्योछावर करना : जान देना - भारत के सैनिक देश की रक्षा के लिए हँसते हुए अपने प्राण न्योछावर कर देते हैं।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधक अव्ययों को रेखांकित कीजिए।

1. के बाहर		2. के मारे		3. के अंदर

4. के सामने		5. के बिना

घ. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए :

1. बालिका		2. बाप/पिता		3. पुरूष

4. नारी		5. वधु		6. बहन

पाठ 6 बलिदानी मैना

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. क्रांतिकारियों ने नाना साहब को कानपुर का शासक घोषित कर दिया था।
2. मैना नाना साहब की बेटी थी।
3. कानपुर छावनी से कुछ अंग्रेजी महिलाओं और बच्चों को पकड़कर लाया गया था।
4. पेड़ से बँधे हुए मैना सोच रही थी कि यदि उसे बाँधा न गया होता तो वह अंग्रेजों को ऐसा मजा चखाती कि वे जीवनभर याद रखते।
5. मैना ने देश की खातिर अपने प्राणों की आहुति दे दी।

लिखित :

1. सन् 1857 में नाना साहब ने कानपुर से अंग्रेजों को खदेड़ दिया था इसलिए क्रांतिकारी सैनिकों ने नाना साहब को कानपुर का शासक घोषित कर दिया था।
2. क्रांतिकारी सैनिक अंग्रेजी महिलाओं और बच्चों को मारना चाहते थे। वह चाहते थे उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार हो जैसा अंग्रेजो ने सैनिकों के परिवार के साथ किया था।
3. अंग्रेजों ने निहत्थे माधव का सिर एक ही वार में तलवार से उड़ा दिया था।
4. अंग्रेजों ने भीषण गरमी में मैना को पेड़ से बँधवा दिया। एक अंग्रेज सैनिक ने उस पर कोड़े बरसाने शुरू कर दिए। बार-बार पूछने पर भी जब अंग्रेजों को मैना से नाना साहब के बारे में कुछ न पता चला तो अंग्रेजों ने उसे जलती आग में फेंक दिया।
5. मैना को साहसी और बलिदानी वीरांगना इसलिए कहा गया क्योंकि अंग्रेजों के अत्याचार के बाद भी उसने अंग्रेजों को कुछ नहीं बताया और अंतिम समय में भी उसके चेहरे पर एक अनोखी मुस्कान थी। मैना ने देश की खातिर अपने प्राणों की आहुति दे दी।

6. वृक्षों ने अपनी झुलसी हुई पत्तियाँ और डालियाँ हिला-हिलाकर साहसी और बलिदानी मैना को श्रद्धांजलि अर्पित की।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) नाना साहब का अंगरक्षक
2. (द) बिटूर
3. (ब) भतीजी

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य   2. असत्य   3. असत्य
4. सत्य   5. सत्य

भाषा बोध :

क. नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

1. स्वाधीनता   2. कुरूप
3. कोमल   4. अक्रोधित, शांत
5. साहसी   6. सुख

ख. नीचे लिखे शब्दों के तत्सम एवं तद्भव रूपों का उचित मिलान कीजिए :

	तत्सम	तद्भव		तत्सम	तद्भव
1.	उष्ट्र	ऊँट	2.	स्वर्ण	सोना
3.	मयूर	मोर	4.	मृदा	मिट्टी
5.	अश्रु	आँसू	6.	लौह	लोहा
7.	कुम्भकार	कुम्हार	8.	दुग्ध	दूध
9.	अर्ध	आधा	10.	दधि	दही

ग. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर भेद भी लिखिए :

1.	दिल्ली	व्यक्तिवाचक संज्ञा
2.	नाना साहब	व्यक्तिवाचक संज्ञा
3.	कक्षा	जातिवाचक संज्ञा
	सुरेश	व्यक्तिवाचक संज्ञा
4.	पुस्तकालय	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	पुस्तकों	जातिवाचक संज्ञा

पाठ : 7 भक्ति पद

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. मीरा श्रीकृष्ण के रूप का वर्णन करते हुए कहती हैं कि उनके सिर पर मोर के पंखों का मुकुट है, कानों में मछली के आकार के कुंडल, माथे पर लाल तिलक और गले में वैजंती फूलों की माला है। बड़े-बड़े नयन और साँवली सूरत कृष्ण का यह रूप मनमोहक होता है।
2. मीरा ने गिरधर गोपाल, जिनके सिर पर मोर के पंखों का मुकुट है, अर्थात् श्रीकृष्ण को अपना पति माना है।
3. श्रीकृष्ण की भक्ति के लिए मीरा ने अपने राज परिवार को त्याग दिया था। मीरा ने संसारिक सुखों को छोड़कर साधु-संतों के साथ सत्संग-भजन में लीन आश्रम में अपना जीवन निर्वाह किया।
4. 'कागा से हंस होना' दुर्जन व्यक्ति से सज्जन व्यक्ति बनने का सूचक है। प्रस्तुत दोहे में कबीर कहते हैं कि यदि सच्चा गुरू मिल जाए तो कौए के समान दुर्जन मनुष्य किसी भी जाति या कुल का हो वह भी हंस के समान अच्छा बन जाता है।
5. कृष्ण जी ने मैया यशोदा से कहा कि उन्होंने माखन नहीं खाया है, वह तो सुबह होते ही गायों के पीछे वन में चले गए थे। चार पहर भटक कर शाम को वे घर लौटे हैं और जो उनके चेहरे पर मक्खन लगा है वो तो उनके ग्वाले-दोस्तों ने लगाया है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (अ) अपनी आँखों में
2. (अ) मधुर
3. (अ) साधु-संतों के
4. (ब) दयालु
5. (स) श्री कृष्ण

ग. निम्नलिखित पदों के भावार्थ लिखिए :

1. मेरे तो ....सोई।

   उपर्युक्त पंक्तियों में मीरा कहती है कि जिनके सिर पर मोर के पंखों से बना हुआ मुकुट है, वही गिरधर गोपाल मेरे पति हैं।

2. मेरे सतगुरू....... अगिनि परिजार।

   उक्त पंक्तियों में संत कबीर कहते हैं कि जिस प्रकार कोयले को

बार-बार जलाने से वह हीरे के समान निखर जाता है उसी प्रकार सच्चे गुरू का साथ पाकर अज्ञानी, अधर्मी और दुर्जन व्यक्ति भी ज्ञान, धर्म और सज्जनता के मार्ग पर चलने लगता है।

भाषा बोध :

क. नीचे दिए गए शब्दों के सामने शब्द का शुद्ध हिंदी रूप लिखिए :

माला	जिसके	छोड़/त्याग
सजी	मेरा	माँ
आग	वही	मक्खन
डाले	भटकना	मेरी
	किस	मन

ख. निम्नलिखित भावों पर एक-एक वाक्य की रचना कीजिए :

1. भक्ति : मीरा ने कृष्ण की भक्ति में सब कुछ त्याग दिया था।
2. हास्य : सुधा अपने परिवार के साथ हास्य कवि सम्मेलन में गई थी।
3. क्रोध : बंटी के परीक्षा में फेल होने पर उसके पिताजी क्रोध से आग बबूला हो गए।
4. सुखदायी : सुखदायी जीवन व्यतीत करने के लिए इन्सान को फिजूलखर्च नहीं करना चाहिए।
5. वात्सल्य : माता-पिता का हृदय अपने बच्चों के प्रति वात्सल्य से पूर्ण रहता है।
6. दयालु : राम के पिताजी बहुत दयालु व्यक्ति हैं।

पाठ 8 चंद्रगुप्त मौर्य

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. चंद्रगुप्त ने कोषाध्यक्ष को बालक को स्वर्ण-मुद्राओं की थैली देने को कहा।
2. चन्द्रगुप्त के पास आए निर्धन ब्राह्मण का नाम चाणक्य था।
3. ब्राह्मण ने चंद्रगुप्त की शिक्षा के लिए उसे राजकुल भेजने की बात कही।

4. चंद्रगुप्त के पिता को राजा नंद ने कारागार में बंद किया था।
5. राजदूत ने चंद्रगुप्त को कुशाग्रबुद्धि बालक कहा।

लिखित

1. चंद्रगुप्त के पास आए दूसरे बालक की घास-फूस की बनी झोपड़ी वर्षा ऋतु में टूट-फूट गयी थी। चंद्रगुप्त ने उसके लिए पक्के व मजबूत घर का प्रबंध करा दिया।
2. ब्राह्मण के द्वारा गाय माँगने पर चन्द्रगुप्त ने कहा कि सामने चरागाह में बहुत सी गौएँ हैं वह जितनी भी चाहे गौएँ ले सकते हैं।
3. राजदूत ने महाराज नंद को आकर संदेश दिया कि उनके महाराज ने एक पिंजरा बनवाया है जिसमें मोम से बना शेर बंद है, पिंजरे को बिना खोले शेर को बाहर निकालना है।
4. चंद्रगुप्त ने लोहे की गरम सलाखों को शेर के शरीर में चुभा दी जिससे मोम का शेर पिघलने लगता है और पिंजरा खोले बिना ही शेर बाहर निकल जाता है।
5. चंद्रगुप्त बड़ा होकर राजा चंद्रगुप्त मौर्य के नाम से पाटलिपुत्र के सिंहासन पर बैठा और चाणक्य उसके राज्य के प्रधानमंत्री बने।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) होनहार और होशियार
2. (स) राजा नंद के सेनापति
3. (ब) तक्षशिला के विश्वविद्यालय में

ग. किसने, किससे कहा ?

1. ब्राह्मण ने चंद्रगुप्त से
2. स्त्री ने चाणक्य से
3. राजदूत ने राजा नंद से
4. मंत्री ने राजा नंद से
5. चंद्रगुप्त ने राजा नंद से

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य
2. सत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. असत्य

भाषा बोध :

क. नीचे लिखे शब्दों के तत्सम शब्द लिखिए:

1. आम्र	2. कूप	3. उलूक	4. काक
5. नाम	6. दधि	7. प्रस्तर	8. अंगुष्ठ

ख. नीचे दिए गए शब्दों से शुरू होने वाले तीन-तीन शब्द लिखिए।

1. राजभवन, राजकुमार, राजमाता
2. बुद्धिमान, बुद्धिजीवि, बुद्धिमति
3. प्रधानमंत्री, प्रधानाचार्य, प्रधाननिवास
4. सभासद, सभापति, सभागृह

ग. निम्नलिखित वाक्यों में आए कर्ता और क्रिया शब्दों को छाँटकर लिखिए:

	कर्ता	क्रिया		कर्ता	क्रिया
1.	गौएँ	चर	2.	सभासद	घूमते
3.	मैं	निकाल	4.	सिंह	आ
5.	तुम	आए			

घ. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ हैं, दोनों अर्थों के अनुरूप वाक्य बनाइए :

1. कर : मंत्री ने सारी प्रजा से कर वसूल लिया।
   रीना ने अपना गृहकार्य पूरा कर लिया।
2. कुल : मदन के पास कुल दस रूपये थे।
   राम ने कुल की मर्यादा के लिए वनवास जाना स्वीकार किया।
3. सोना : बच्चों को रात में जल्दी सोना चाहिए।
   महारानी के पास बहुत सारे सोने के आभूषण हैं ।
4. बस : रामपुर की बस शाम को जाएगी।
   उमा ने कहा बहुत हो गयी सफाई, अब बस करो।
5. उत्तर : हमारा घर उत्तर दिशा में है ।
   रमेश ने परीक्षा में सभी उत्तर सही लिखे।

अभ्यास प्रश्न पत्र–II

क. रिक्त स्थान भरिए :

1. ब्राह्मण 2. प्राणों 3. मेहंदी

4. राजकुल 5. शिक्षाप्रद

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य

4. सत्य 5. असत्य

ग. किसने, किससे कहा ?

1. चाणक्य ने चंद्रगुप्त से 2. मैना ने नाना साहब से

3. नानासाहब ने सैनिकों से 4. स्त्री ने चाणक्य से

5. मैना ने अंग्रेजों से

घ. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) अपनी आँखों में 2. (अ) दूध पीने के लिए गाय

3. (द) बिटूर 4. (द) दयालु

ङ. निम्नलिखित पदों के भावार्थ लिखिए :

1. मेरे तो .... सोई।

   उपर्युक्त दोहे में मीरा कहती है कि जिनके सिर पर मोर के पंखों का मुकुट है वहीं गिरधर गोपाल मेरे पति हैं।

2. मैया मोरी .... पठायो।

   उपर्युक्त पंक्तियों में श्रीकृष्ण यशोदा माता से कह रहे हैं कि उन्होंने माखन (मक्खन) नहीं खाया है। वह तो सुबह होते ही गायों के पीछे वन में चले गए थे।

च. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ के अनुरूप वाक्य बनाइए :

(पाठ–7 भाषा बोध प्रश्न घ से लें)

छ. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. जान की बाजी लगाना : प्राणों को जोखिम में डालना – सैनिक देश की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगा देता है।

2. मान रखना : सम्मान/इज्जत रखना – मुख्य अतिथि ने समय पर उत्सव में आकर हमारा मान रख लिया ।

3. स्वयं कीजिए

ज. वचन बदलिए :

1. वधुएँ 2. कालोनियाँ
3. स्त्रियाँ 4. माताएँ
5. गायों

झ. विलोम शब्द लिखिए :

1. सुख 2. घृणा
3. विष 4. श्राप
5. वीरता

ञ. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए :

1. कक्षा - जातिवाचक संज्ञा
2. अटल विहारी वाजपेयी - व्यक्तिवाचक संज्ञा

ट. चार तत्सम तथा तद्भव शब्द लिखिए :

	तत्सम	**तद्भव**
1.	अग्नि	आग
2.	एकादश	ग्यारह
3.	कपाट	दरवाजा
4.	कटु	कड़वा

ठ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

1. लोक लाज को त्यागकर मीरा साधु संतों के समीप बैठी ।
2. बालक चंद्रगुप्त के पिता राजा नंद की कैद में थे ।
3. 'कागा से हंस होना' का अर्थ है- कौए के समान दुर्जन मनुष्य का हंस के समान सज्जन मनुष्य में बदलना।
4. बढ़ती जनसंख्या में रोगी, दीन, दु:खी, निराश व चिंतित लोगों की बढ़ोत्तरी की हैं।
5. मैना नाना साहब की पुत्री थी।

ड. स्वयं कीजिए।

पाठ 9 पूस की रात

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. हल्कू ने कंबल के लिए तीन रुपए जमा किए थे।
2. हल्कू और जबरा को सर्दी के कारण नींद नहीं आ रही थी।
3. हल्कू ने अरहर के खेत में जाकर कई पौधे उखाड़कर झाड़ू बनाया।
4. खेत में जानवरों का झुंड घुस गया था, उनकी आहट सुनकर जबरा भौंककर खेत की ओर भागा।
5. खेत की दशा से चिंतित होकर मुन्नी ने कहा कि उन्हें अब मजदूरी करके मालगुजारी भरनी पड़ेगी।

लिखित :

1. हल्कू ने तीन रुपए कंबल खरीदने के लिए जमा किए थे। यदि सहना वह रुपए ले जाता तो वह पूस के महीने की सर्द भरी रात खेत में कैसे बिताएगा, यही सोचकर हल्कू सहना को रूपए देने से कतरा रहा था।
2. मुन्नी खेती से मजदूरी को बेहतर इसलिए मानती थी क्योंकि खेत में कड़ी मेहनत करने पर भी उन्हें कुछ न बचता था । उनकी सारी मेहनत की कमाई सहना को खेत का कर देने में चली जाती थी। मजदूरी करके वे सुख से रोटी खाऐंगे साथ ही किसी की धौंस नहीं सहनी पड़ती ।
3. कुत्ते को अपने साथ चिपकाकर हल्कू को स्वर्ग जैसे सुख का अनुभव हो रहा था।
4. ठंड से बचने के लिए हल्कू ने सोचा कि पतझड़ में आम के बाग में जो पत्तियों का ढेर लगा हुआ है, उन्हें बटोरकर अलाव जलाकर आग ताप लेगा।
5. फसल को नष्ट होता जानकर भी हल्कू ने उसे बचाने का प्रयत्न इसलिए नहीं किया क्योंकि वह उस जाड़े-पाले के खेत में जाकर जानवरों के पीछे नहीं भागना चाहता था। साथ ही हल्कू ने मजदूरी करने का मन बना लिया था।

6. किसानों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जैसे : किसानों का भूमि पर अधिकार नहीं हैं। जमीनों का एक बड़ा हिस्सा, महाजनों और साहूकारों के पास होता है जिस पर छोटे किसान काम करते हैं। ऐसे में अगर फसल अच्छी नहीं होती तो किसान कर्ज में डूब जाते हैं। किसानों की एक बड़ी समस्या यह भी है कि उन्हें फसलों पर सही मूल्य नहीं मिलता। अच्छी फसल के लिए किसानों के पास अच्छे बीज नहीं होते। भूमिगत जल के गिरता स्तर भी किसानों की समस्याओं का कारण है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) रुपए	2. (अ) गाली क्यों देगा
3. (द) चिलम	4. (ब) हड्डी
5. (अ) उदास हुई	6. (स) प्रसन्न था

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. अनिश्चित दशा	2. हृदय
3. अरमान	4. कातर
5. जहर	

घ. किसने, किससे कहा ?

1. हल्कू ने मुन्नी से।	2. मुन्नी ने हल्कू से ।
3. मुन्नी ने हल्कू से।	4. मुन्नी ने हल्कू से ।
5. मुन्नी ने हल्कू से ।	6. हल्कू ने मुन्नी से ।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

1. प्रभा, ज्योति, रोशनी	2. पेड़, विटप, तरू
3. तिमिर, अंधेरा, तम	4. अग्नि, अनल, पावक
5. कष्ट, व्यथा, संताप	6. दल, पत्र, पर्ण
7. शरीर, तन, देह	8. वायु, समीर, पवन

ख. देशज शब्द :

पूस, घुड़कियाँ, - टप्पे, उखाड़, - दंदाया, - मालगुजारी

ग. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. गला तो छूटे : मुसीबत से पीछा छूटे – कर्जा चुकाने के बाद सुमित ने कहा चलो गला तो छूटा बैंक वालों से।
2. खुशामद करना : मिन्नतें करना – राजू को बहुत खुशामद करने पर एक दिन की छुट्टी मिली ।
3. आँखे तरेरना : गुस्सा दिखाना – मुन्नी ने आँखे तरेर कर हल्कू से कहा कि वह रुपए नहीं देगी ।
4. मन बहलाना : पिक्चर की टिकट नहीं मिली तो बच्चों ने पार्क जाकर ही मन बहला लिया ।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक शब्द छाँटिए :

1. ने
2. के लिए
3. से
4. के लिए
5. ने, को

पाठ 10, कुछ काम करो

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. इस कविता के रचियता 'मैथिलीशरण गुप्त' है ।
2. कवि कहते हैं कि मानव जीवन पाकर हमें निराश नहीं होना चाहिए। निराश होकर हमें अपना जीवन व्यर्थ नहीं करना चाहिए। हमें अपना जीवन अच्छे कार्यों में लगाना चाहिए क्योंकि अच्छा काम कभी निष्फल नहीं होता।
3. हम परिश्रम और साहस से अच्छे कार्य करके जग में अपना नाम कर सकते है। मनुष्य जिस भी काम में उन्नति करता है वह उसके मनोबल पर निर्भर करता है। इसलिए कविता में कवि ने मनुष्य को निराश न होने के लिए कहा है ।
4. इस पंक्ति में कवि कहना चाहता है कि मनुष्य को कार्य करते समय अपने गौरव और स्वाभिमान का भी ध्यान रखना चाहिए । मानव को कोई भी ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे वह समाज में अपना सम्मान खो दे ।

5. मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। प्रभु ने मनुष्य को दो हाथ दिए हैं जिनका उपयोग करके वह मनचाही वस्तु पा सकता है। प्रभु ने मानव को मन दिया है तो साथ विवेक भी दिया है। विकट परिस्थितियों में भी मनुष्य अपने विवेक के बल पर अलभ्य वस्तु को प्राप्त कर सकता है।

6. इस कविता से कवि हमें प्रेरणा दे रहे हैं कि–अपने मन में निराशा लाए बिना कर्म करने पर ही हम सारे संकल्पों को पूरा कर सकते हैं।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) सफलता
2. (ब) अपने तन को कुछ तो उपयोग में लाओ
3. (स) सम्मान बना रहे

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

यह जन्म .... मन को ।

उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहते हैं कि हमारा जीवन मूल्यवान है, हमें इसे व्यर्थ न करके किसी अच्छे कामों में लगाना चाहिए। मानव का जीवन पाकर हमें अपने मन को निराश नहीं करना चाहिए। अपने तन का उपयोग करो और जग में अच्छे कामों से अपना नाम करो।

भाषा बोध :

क. दिए गए शब्दों से पूर्व उपसर्ग जोड़कर शब्द बनाओ :

1. बंधन   2. अज्ञान
3. उपयुक्त   4. स्वाभिमान
5. मतदान   6. अपयश

ख. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उचित रूप लिखकर रिक्त स्थान भरिए :

2. खेल–कूदकर
3. खा–पीकर
4. सोच–समझकर
5. ले–देकर

पाठ 11 कम्प्यूटर युग

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. 'इंटरनेट सेवा' कंप्यूटर की एक अनुपम उपलब्धि है।
2. सुपर कंप्यूटर से मौसम का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है ।
3. शिक्षा के क्षेत्र में छात्र कंप्यूटर की सहायता से वांछित विषय पर उचित ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं ।
4. कंप्यूटर से इंटरनेट के द्वारा हम रेलगाड़ियों और हवाई जहाजों का आरक्षण घर बैठे कर सकते हैं।
5. चार्ल्स बेबेज को कम्प्यूटर के आविष्कार का श्रेय दिया जाता है ।

लिखित :

1. अपनी विशेषताओं के कारण कम्प्यूटर हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटर का महत्वपूर्ण योगदान है। इसकी सहायता से मनुष्य अंतरिक्ष विहार कर चुका है। कंप्यूटर के माध्यम से सूचनाओं का आदान-प्रदान पलभर में ही हो जाता है। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में भी कंप्यूटर अपनी अमूल्य सेवाएँ प्रदान करता है।
2. चिकित्सा क्षेत्र में कंप्यूटर द्वारा बीमारियों का पता लगाया जाता है। इसके द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों की जाँच की जा सकती है । दवाइयों के निर्माण में भी कंप्यूटर सक्षम है । कंप्यूटर ने 'मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शन' और 'जीनीय' नामक पद्धति का आविष्कार किया है जिसके द्वारा रोगों का पूर्व उपचार भी संभव हैं।
3. कंप्यूटर की सहायता से 'जीनीय पद्धति' को विकसित करके बच्चे के जन्म के समय ही उसके आने वाले जीवन में होने वाले रोगों की भविष्यवाणी की जा सकती है। इस प्रकार उन रोगों का पूर्ण उपचार भी संभव है ।
4. कंप्यूटर से की जाने वाली गणनाओं के लिए एक विशेष भाषा में निर्देश दिए जाते हैं, जिन्हें 'कंप्यूटर प्रोग्राम' कहा जाता है। लोटस कोबोल, पासकल, बेसिक आदि इसकी भाषाएँ हैं।

5. कंप्यूटर एक ऐसी मशीन है, जिसकी रचना मानव-मस्तिष्क द्वारा की गई है, पर वह अनेक कार्यों को मानव से जल्दी कर लेता है। कंप्यूटर में किसी भी प्रकार की गणना को पलभर में हल करने की क्षमता होती है, जो मानव के लिए असंभव है। अतः कंप्यूटर को मानव-मस्तिष्क से श्रेष्ठ माना जा सकता है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्पों पर (✓) लगाइए :

1. (ब) अंतरिक्ष में
2. (स) एक खरब
3. (ब) विषय विशेष की वेबसाइट से
4. (द) ये सभी
5. (द) ये सभी

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. असत्य

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

1. प्रति + एक
2. विधा + अर्थी
3. सम् + पूर्ण
4. सम् + वेदना
5. पद् + हति
6. निः + चय

ख. निम्नलिखित विशेषणों के लिए उचित विशेष्य लिखिए :

1. सर्वश्रेष्ठ-चित्र
2. अनुपम
3. प्रकृति
4. सुलभ
5. विकास
6. मूल्य

ग. निम्नलिखित वाक्यों को निषेधवाचक वाक्यों में बदलिए :

1. कम्प्यूटर मानव मस्तिष्क से होड़ नहीं लेता है ।
2. रजत द्वारा पिता को पत्र नहीं लिखा गया।
3. कप्तान ने उसकी चोट नहीं देखी ।
4. अब काम करना बंद मत करो ।
5. प्रधानाचार्य ने पुरस्कार नहीं बाँटे।

घ. निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाओं को रेखांकित कीजिए तथा उनका काल भी बताइए :

1.	बिताए	भूतकाल
2.	पीने	वर्तमान काल
3.	मिलता	वर्तमान काल
4.	उठेंगे	भविष्य काल
5.	उड़ने	भविष्य काल

पाठ 12, गांधी जी का पत्र

पाठ बोध :

मौखिक :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. यह पत्र महात्मा गांधी द्वारा अपने पुत्र मणिलाल गांधी को लिखा गया था ।
2. गांधी जी को हर माह एक पत्र लिखने और एक पत्र पाने का अधिकार मिला।
3. गांधी जी को डिप्टी गवर्नर से पता चला कि उनकी पत्नी का स्वास्थ्य अब सुधर रहा है ।
4. गांधी जी के अनुसार सच्ची शिक्षा चरित्र निर्माण और कर्तव्य का बोध है ।
5. अमीरी और गरीबी की तुलना में गांधी जी ने गरीबी को सुखदायी बताया है ।
6. गांधी जी ने अपने पुत्र को हिंदी, गुजराती और अंग्रेजी के चुने हुए भजनों एवं कविताओं का संग्रह तैयार करने के लिए कहा ।

लिखित :

1. गांधी जी के अनुसार केवल अक्षर ज्ञान ही सच्ची शिक्षा नहीं है। सच्ची शिक्षा तो चरित्र निर्माण और कर्तव्य का बोध है ।
2. गांधी जी ने संसार की तीन महत्वपूर्ण बातों का वर्णन अपने पत्र में किया है। ये तीन बातें हैं : अपने आप का, अपनी आत्मा का और अपने ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना।

3. गांधी जी ने अपने पुत्र को खेती से संबंधित कहा कि – 'भविष्य में खेती से ही हमें अपना पूरा जीवन निर्वाह करना है, इसलिए खेत में घास निराने और गड्ढा खोदने में अपना पूरा समय देना । सभी औजारों को सदा साफ-सुथरा और सुव्यवस्थित रखना।'

4. गांधी जी के अनुसार काम की अधिकता से घबराना नहीं चाहिए। शांत मन से और सोच समझकर किसी भी कार्य की शुरूआत करनी चाहिए ।

5. गांधी जी ने अपने पुत्र को सूर्योदय से पहले उठकर प्रार्थना करने के साथ शाम के समय भी नियमपूर्वक प्रार्थना करने की सलाह दी। उन्होंने अपने पुत्र को रविवार को श्री वेस्ट के यहाँ प्रार्थना में भी जाने को कहा ।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) दक्षिण अफ्रीका की जेल से
2. (ब) बा
3. (अ) गणित और संस्कृत
4. (द) सूर्योदय से पहले का समय

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. अधिकार 2. असंतोष 3. शिक्षा

4. सुखदायी 5. संगीत

भाषा बोध :

क. नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

1. अपूर्ण 2. अशांति
3. कृपणता 4. निराशा
5. दुखदायी 6. भूत
7. अनुपयोगी 8. अवगुण

ख. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए :

1. हर्षित 2. व्यवस्थित
3. नियमित 4. क्रोधित
5. चिंतित 6. लज्जित

ग. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए :

2. अमीरी	ई	3. मूल्यवान	वान
4. उपयोगी	ई	5. नियमितता	ता
6. गरीबी	ई		

घ. पाठ में आए निपातयुक्त वाक्यों को ढूँढकर लिखिए :

1. मुझे कुछ भी विशेष कहने का अधिकार नहीं है।
2. रामदास और देवदास को भी तुम ही संभाल रहे हो ।
3. गरीबी में ही सुख है ।
4. प्रयत्नपूर्वक एक निश्चित समय पर ही प्रार्थना करनी चाहिए ।

अभ्यास प्रश्न पत्र III

क. रिक्त स्थान भरिए :

1. प्रेम 2. क्रांति 3. बा
4. अनिश्चित 5. सक्षम

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. असत्य 5. सत्य

ग. किसने किससे कहा ?

1. गांधी जी ने अपने पुत्र से 2. हल्कू ने मुन्नी से
3. मुन्नी ने हल्कू से 4. हल्कू ने जबरा से
5. मुन्नी ने हल्कू से

घ. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) रुपए
2. (स) अपने तन को कुछ तो उपयोग में लाओ
3. (द) सूर्योदय से पहले
4. (ब) अमूल्य
5. (स) प्रसन्न था

ङ. स्वयं कीजिए

च. चार देशज और विदेशी शब्द लिखिए :

देशज शब्द	**विदेशी शब्द**
1. खिड़की	1. स्कूल
2. लोटा	2. डॉक्टर
3. चप्पल	3. हॉस्पीटल
4. थाली	4. इलाज

छ निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

1. हवा, वायु, समीर
2. अग्नि, अनल, पावक
3. शरीर, देह, काया
4. चाँद, शशि, राकेश
5. मनुष्य, इंसान, आदमी

ज. निम्नलिखित विशेषणों के लिये विशेष्य लिखिए :

1. सुंदर-लड़की 2. कोमल-फूल 3. वांछित-वस्तु

4. योग्य - व्यक्ति 5. मुश्किल-काम

झ. वाक्यों में क्रिया छाँटकर काल भी लिखिए :

1. करने-वर्तमान काल
2. लिख-वर्तमान काल
3. मिलेगा-भविष्य काल

ञ. वाक्यों में उचित स्थान पर निपात लगाकर पुनः लिखिए :

1. वह तो कल शहर छोड़कर जाने वाला था ।
2. गरीबी में भी कष्ट होते हैं ।
3. प्रधानमंत्री ने आज ही भाषण दिया ।

ट. निम्न शब्दों में से मूल रूप और प्रत्यय अलग अलग लिखिए :

1. पर्वत +ईय 2. धर्म + इक

3. नियमित + ता 4. आर्कषण + ईत

5. उदार + ता

ठ. स्वयं कीजिए । **ड. स्वयं कीजिए ।**

पाठ 13, इतने ऊँचे उठो

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. प्रस्तुत कविता में कवि कह रहे हैं कि हमें नए समाज निर्माण में अपनी नई सोच को जाति, धर्म, रंग-द्वेष आदि जैसे भेदभावों से ऊपर उठकर सभी को समानता की दृष्टि से देखना चाहिए ।
2. कवि ने सभी भेदभावों से ऊपर उठकर समाज में समानता का भाव संचित करने की बात की है।
3. कवि कहते हैं कि जिस तरह परिवर्तन सदैव होता रहता है उसी प्रकार हमें भी जीवन-मृत्यु के सभी बंधनों को तोड़कर हमेशा आगे बढ़ता रहना चाहिए ।
4. कवि कहते हैं कि यदि हम धरती को स्वर्ग बनाना चाहते हैं तो हमें अपनी कल्पनाओं को साकार करते हुए अच्छाइयों को लेकर आगे बढ़ना चाहिए । हमें अपनी सोच और भावनाएँ सदैव अच्छी रखनी चाहिए जिससे एक सुंदर समाज का निर्माण और विकास होगा।
5. 'इतने ऊँचे उठो' से कवि का आशय है कि संपूर्ण संसार के लोगों को टूटी-फूटी रूढ़ियों को तोड़कर नए प्रगतिशील विचारों को अपनाना चाहिए ।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) गगन
2. (अ) स्वर्ग
3. (स) मलय पवन

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1. इतने ऊँचे उठो .... वृष्टि से ।

   उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहते हैं कि हमें अपनी सोच गगन की भाँति ऊँची रखनी चाहिए। हमें अपनी सोच को जाति, धर्म, रंग द्वेष आदि जैसे भेदभावों से ऊपर उठकर सभी को समानता की दृष्टि से देखना चाहिए ।

2. लो अतीत .... दयोत्क है ।

   कवि कहते हैं कि हमें अपने अतीत में हुई बुरी घटनाओं को

छोड़कर केवल अच्छी बातों को ग्रहण करना चाहिए, क्योंकि ये अच्छी यादें या घटनाएँ ही हमारे भविष्य निर्माण में हमारे काम आएँगी जबकि बुरी घटनाएँ सदैव हमें पीछे की ओर खीचेंगी जिनसे हमारा विकास अवरूद्ध होगा।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

1. नभ, आसमान, व्योम
2. धरा, पृथ्वी, भूमि
3. सूर्य, दिनकर, भास्कर
4. शशि, चंद्रमा, राकेश
5. हवा, वायु, समीर

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :

1. उष्ण
2. नीचे
3. मरण
4. नरक
5. कुरूप
6. भविष्य

ग. कविता में आए विशेषण शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1. ऊँचे : वैष्णो माता का मंदिर ऊँचे पहाड़ों पर स्थित है।
2. काले-गोरे : पुराने समय में लोग काले-गोरे लोगों में भेदभाव करते थे ।
3. शीतल : उस नहर का पानी बहुत शीतल है ।
4. सुंदर : गुलाब का फूल बहुत सुंदर होता है ।

घ. नीचे दिए गए शब्दों से अनुकरणात्मक क्रियाएँ बनाइए :

1. जलाना
2. देखना
3. बनाना
4. बहाना
5. उठाना
6. जगमगाना

पाठ 14 : स्वास्थ्य और पर्यावरण

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. बात-बात में गुस्सा, चिड़चिड़ाहट आदि मस्तिष्क की कमजोरी या असंतुलन के लक्षण हैं ।

2. वनों के अभाव में वायु में ऑक्सीजन की मात्रा निरंतर घटती जा रही है।
3. वाहनों से निकलता जहरीला धुआँ मनुष्य के स्वास्थ्य को चौपट करता जा रहा है ।
4. खान–पान में लापरवाही व मिलावट ने मनुष्य को रोगों की भयावह खाई में धकेल दिया है।
5. सुख–शांति से जीवनयापन करने के लिए मनुष्य को विविध प्रकार के प्रदूषण के चक्रव्यूह को तोड़ना पड़ेगा।

लिखित :

1. शोर–शराबे वाले स्थान, भारी ट्रेफ्रिक वाली सड़क, जोर–जोर से नारे लगाती भीड़, तेज आवाज में बज रहे लाऊडस्पीकर आदि के बीच से जब हम निकलते हैं तो हम असुविधाजनक महसूस करते हैं। ये सब 'ध्वनि प्रदूषण' के कारण होता है। स्नायुतंत्र पर ध्वनि का अधिक प्रभाव पड़ता है। मानव का कान एक सीमा तक ही ध्वनि का आघात झेल सकते हैं। उससे अधिक ध्वनि मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डाल सकती है। गुस्सा, चिड़चिड़ाहट, थकान आदि मस्तिष्क की कमजोरी और असंतुलन के लक्षण हैं।
2. वृक्षों से शुद्ध हवा व फल–फूल की अनुपम भेंट प्राप्त होती है। वृक्ष अपना पूरा जीवन मौन रहकर मानव के हित में समर्पित कर देते हैं, इसलिए वृक्षों को तपस्वी कहा गया है।
3. मनुष्य स्वाद के लिए सभी भक्ष्य या अभक्ष्य पदार्थों से अपना पेट भर लेते हैं। खान–पान में लापरवाही, मिलावट व दिखावे ने मनुष्य को रोगों के समीप कर दिया है। रसायनों से संरक्षित चटनियाँ, मुरब्बे, हानिकारक मसालों की कृत्रिम सुगंधों से रचे–बसे फास्ट फूड खाने का प्रचलन निरंतर बढ़ता जा रहा है जो मनुष्य का स्वास्थ्य नष्ट कर रही हैं।
4. हमारे विचारों में आज स्वार्थ, हिंसा, लोभ एवं प्रदर्शन के कीटाणु प्रवेश कर गए हैं, जिससे हमारा पूरा जीवन प्रदूषित हो गया है। यहीं वैचारिक प्रदूषण है। व्यक्ति दूसरों को ठगने और सताने में स्वयं को शक्तिशाली समझने लगा है। वैचारिक प्रदूषण के कारण मनुष्य धन को अधिक सम्मान व सद्‌गुणों की अवहेलना करने लगा है।

5. ध्वनि-प्रदूषण को विभिन्न प्रकार से रोक सकते हैं : जैसे :

क. विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों के किनारे वृक्षों को लगाकर ध्वनि-प्रदूषण से बचा जा सकता है क्योंकि हरे पौधे ध्वनि तीव्रता कम कर सकते हैं ।

ख. प्रेशर हार्न बंद किए जाएँ, इंजन व मशीनों की मरम्मत निरंतर हो, सही तरह से ट्रेफिक का संचालन जैसे कुछ अन्य उपाय करके ध्वनि प्रदूषण को रोका जा सकता है ।

6. पर्यावरण को प्रदूषण रहित करने के लिए सर्वप्रथम वनों की कटाई रोकनी होगी। वृक्षों और पौधों के अभाव से वायु प्रदूषण को नदियों में बहाने पर रोक लगानी होगी। अनावश्यक रूप से हार्न का प्रयोग नहीं करना, जब जरूरत न हो तब इंजन बंद करना एवं नियमित रूप से गाड़ी या वाहन की जाँच करवाना आदि प्रवासों से हम प्रदूषण पर नियंत्रण पा सकते हैं।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) ध्वनि प्रदूषण
2. (स) 'अ' और 'ब' दोनों
3. (अ) ऊँचे मकान
4. (द) 'अ' व 'ब' दोनों
5. (ब) वैचारिक

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. असत्य 5. सत्य

भाषा बोध :

क. नीचे दिए शब्दों से प्रत्यय छाँटकर, उन प्रत्ययों से तीन अन्य नए शब्द बनाइए :

प्रत्यय	**नए शब्द**
ईला	रंगीला, शर्मीला, रसीला
दान	बलिदान, मतदान, वरदान
ता	बुद्धिमता, योग्यता, शालीनता

ख. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

1. आवाज, स्वर, आहट
2. पेड़, विटप, तरू
3. मानव, नर, आदमी
4. पुष्प, कुसुम, सुमन
5. हवा, पवन, सलिल
6. वन, कानन, अरण्य
7. नृप, महाराज
8. नीर, पानी, तोय
9. खाना, भोज्य, आहार

ग. शब्दों में विशेषण की उत्तरावस्था और उत्तमावस्था लिखिए :

1. कठोरतर, कठोरतम
2. वरिष्ठतर, वरिष्ठतम
3. प्राचीनतर, प्राचीनतम
4. मधुरतर, मधुरतम
5. श्रेष्ठतर, श्रेष्ठतम
6. घनिष्ठतर, घनिष्ठतम

पाठ 15 : क्रांति और शांति

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. क्रांतिकारियों को क्रांति के लिए अपने प्राणों की बाजी लगानी पड़ती है ।
2. हिटलर व मुसोलिनी विश्व के तानाशाह शासक हुए हैं।
3. धरती पर जब-जब युद्ध होते हैं, तब-तब भयंकर विनाश होते हैं।
4. महात्मा बुद्ध तथा भगवान महावीर ने धरती को करूणा और शांति का संदेश दिया ।
5. पूरे विश्व को शांति की तलाश है ।

लिखित :

1. कुछ दुष्ट लोग अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए दूसरे लोगों पर अत्याचार करते हैं और दूसरों को उनके साधनों के उपभोग से वंचित रखना चाहते हैं। उनके उस कुकृत्य को देखकर लोगों में आक्रोश बढ़ता है और वे संगठित होकर क्रांति करते हैं।
2. हिटलर व मुसोलिनी ने अपनी प्रभुता कायम रखने के लिए लाखों लोगों को मृत्यु के घाट उतार दिया था।

3. महाभारत का युद्ध टाला जा सकता था क्योंकि पाँडव हर प्रकार से शांति के इच्छुक थे, किंतु दुष्ट दुर्योधन किसी भी बात को मानने को तैयार नहीं था तो विवश होकर पांडवों को युद्ध करना ही पड़ा ।
4. नैतिक मूल्यों की उपेक्षा का अर्थ है–सत्य, त्याग, सेवा, करूणा, न्याय आदि की उपेक्षा करके लोभ, पक्षपात, क्रोध व हिंसा को अपनाना।
5. मनुष्य अपने मन की गहराइयों में सदगुणों व नैतिक विचारों जैसे सत्य, करूणा, त्याग, सेवा, न्याय आदि को अपनाकर शांति की स्थापना कर सकता है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) नि:शुल्क उपहार
2. (ब) क्रांति ही थी
3. (स) सभी को कष्ट
4. (ब) युद्ध किया
5. (अ) शांति की

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. रहने वालों
2. क्रांति
3. हिंसा
4. शांति
5. कष्ट

भाषा बोध :

क. उचित उपसर्ग जोड़कर शब्दों को परिवर्तित कीजिए :

1. साधन
2. उपवास
3. पराजय
4. सुपुत्र
5. सुप्रभात
6. कुकृत्य

ख. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए ।

1. प्राणों की बाजी लगाना : अत्यधिक साहस करना - भारत के सैनिक देश की रक्षा के लिए प्राणों की बाजी लगा देते हैं।
2. प्राण हथेली पर रखना : प्राण त्याग का भय न रखना - गौतम ने प्राण हथेली पर रखकर बच्चे को डूबने से बचाया।

3. क्रांति का बिगुल बजना : अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना – हिटलर के अत्याचारों के विरूद्ध लोगों ने क्रांति का बिगुल बजा दिया था।

4. मौत के घाट उतारना : मार देना – युद्ध में अनगिनत लोगों को कौरवों ने मौत के घाट उतार दिया ।

ग. नीचे लिखे शब्दों के विलोम लिखिए :

1. शांति	2. जीवन	3. अशांति
4. समर्थन	5. अहिंसा	6. सज्जन
7. दैत्य	8. शांति	

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से अकर्मक और सर्कमक क्रिया छाँटकर लिखिए :

1. अकर्मक क्रिया	2. अकर्मक क्रिया
3. सकर्मक क्रिया	4. सकर्मक क्रिया
5. अकर्मक क्रिया	

पाठ 16 : मनुष्य की मूर्ति

पाठ बोध

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. कवि के अनुसार मनुष्य की वाणी वेद-उपनिषदों जैसी होनी चाहिए, अर्थात् वेद-उपनिषदों को 'ज्ञान का ग्रंथ' कहा गया है। कवि के अनुसार मनुष्य के विचार, उसकी बातें सदैव ज्ञानवर्धक होनी चाहिए। मनुष्य ध्यान रखें कि उनकी बातों से किसी को कष्ट न हो। मनुष्य को सत्य और मधुर बोल ही बोलने चाहिए।

2. मूर्तिकार चाहता है कि मनुष्य अपने हाथ से भूमि जोतकर हरी-भरी फसलें उगाएँ। कवि चाहता है कि मनुष्य को अपनी कला और कौशल दिखाने के लिए अनगिनत साधन प्राप्त है, वह अपनी बुद्धि और कौशल को समाज के विकास में लगाकर दुनिया में सुख-शांति बढ़ाएँ।

3. हिंसक जंतु के पंजे नुकीले नाखूनों से जुड़े हुए होते हैं। अपने पंजों की सहायता से ही वह अपने भोजन का शिकार करता है तथा अपने शत्रुओं से स्वयं की रक्षा करता है।

4. मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा होकर और अपने हाथों का सही उपयोग कर अपना जीवन लक्ष्य प्राप्त कर सकता है, अर्थात् अपने हाथों से अच्छे कार्य करके अपनी जीविका अर्जित कर सकता है।

5. मनुष्य को भी एक सामाजिक पशु कहा गया है, परंतु मनुष्य और पशु में बहुत अंतर है। मनुष्य बोलकर अपने भावों और कष्ट को बता सकता है यद्यपि पशु ऐसा नहीं कर सकता। मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए लोगों को कष्ट पहुँचा सकता है बल्कि पशु अपने मालिक के प्रति वफादार रहता है। एक नीच मनुष्य पशु का ही रूप ले लेता है।

ख निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) स्वर्ग की
2. (स) हरी-भरी खेती
3. (स) स्वर्ग लोग को छू लेना

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :

1. रचता मुख ....हित कल्याणी ।

   उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहते हैं कि यदि उन्हें मनुष्य बनाने का अवसर मिलता तो वह ऐसा मनुष्य बनाते जिसके मुख से सदैव ज्ञानवर्धक, सत्य और दूसरों को सुख पहुँचाने वाली बातें निकले। जिसकी वाणी में कविता जैसी मिठास हो और जो सदा लोक कल्याण के बारे में विचार करें।

2. रचना कर .... शाँति बढ़ाएँ।

   कवि कहते हैं कि वह स्वर्ग की मिट्टी लाकर ऐसे हाथ रचना चाहता है जो खेत जोतकर हरी-भरी फसलें उगाएँ। मनुष्य अपने कला और कौशल को विभिन्न साधनों में लगाकर समाज के भले के लिए कार्य करें, तथा अपनी नीतियों से लोक में सुख-शांति बढ़ाएँ।

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

1. नर, मानव, मानुष
2. पृथ्वी, धरती, धरा

3. हाथ, हस्त, पाणि

ख. निम्नलिखित शब्दों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए :

1. देव + लोक तत्पुरूष समास
2. वेद + उपनिषद् द्वंद्व-समास
3. राग + रागिनी द्वंद्व-समास
4. कला + कौशल द्वंद्व-समास
5. सुख + शांति द्वंद्व-समास

ग. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए :

1. मूर्तियाँ
2. वाणियाँ
3. निधियाँ
4. बाँहें

घ. कविता में आए तुकांत शब्दों को लिखिए :

1. वाणी कल्याणी
2. जाता बनाता
3. उगाएँ बढ़ाएँ
4. उठवाता बनाता

ङ. निम्नलिखित शब्दों के लिए दो-दो विशेषण लिखिए :

1. मनुष्यता, सज्जन, दुर्जन
2. सुन्दर, सुसजित
3. हरी-भरी, सूखी
4. पशुता, हिसंक, वफादार
5. सुंदर, सलोना

अभ्यास प्रश्न पत्र – IV

क. रिक्त स्थान भरिए :

1. सीमा
2. गगन
3. मनुष्य
4. बिमारियाँ
5. विरोध

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य

4. सत्य 5. असत्य

ग. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) अंधाधुंध पेड़ों को काटना
2. (स) मलय पवन
3. (ब) शांति की
4. (स) स्वर्ग की
5. (स) ध्वनि प्रदूषण

घ. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

1. स्वयं कीजिए ।
2. खाई में धकेलना : जानबूझ कर मुसीबत में डालना – रोहन ने अपने लालच के कारण चोरी करके अपने को खाई में धकेल दिया ।
3. स्वयं कीजिए ।

ङ. निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए :

1. सृष्टि 2. द्योतक 3. गतिविधियाँ

4. गामिनी 5. क्लेश 6. क्रांति

च. उत्तरावस्था व उत्तमावस्था बनाने के लिए निम्नलिखित शब्दों में 'तर' एवं 'तम' जोड़िए :

1. लघुतर 2. प्राचीनतम 3. नवीनतम

4. मधुरतर 5. उच्चतर 6. कठोरतम

छ. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1. यह बात किसने कही ?
2. वह दौड़ रहा था ।
3. हमने काम कर लिया है।

ज. स्वयं कीजिए ।

झ. स्वयं कीजिए ।

ञ. संधि विच्छेद कीजिए :

1. भू + लोक

2. हिम +आलय

3. सूर्य + उदय

4. सदा + एव

5. फल + आहार

ट. निम्नलिखित संज्ञाओं के लिए दो-दो विशेषण शब्द लिखिए :

1. कोमल, सुंदर
2. होशियार, स्वार्थी
3. क्रूर, दयालु
4. बड़ी, ऊँची
5. स्वादिष्ट, तीखा

ठ. स्वयं कीजिए ।

ड. स्वयं कीजिए ।

हिन्दी 7

पाठ-1, उल्लास

पाठ-बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. यहाँ शैशव काल से कवयित्री का अर्थ शिशु अवस्था से है। जिस प्रकार शैशव काल में नया विकास देखा जा सकता है, उसी प्रकार प्रात:काल हमारे लिए एक नया दिन, नई उम्मीदों के साथ लाता है।
2. कवयित्री ने मानव में शिशु अवस्था में नया विकास देखा, यौवन में उल्लास देखा और संसार के संकटों और संघर्षों में आशा रूपी लताओं को बढ़ते हुए देखा। कवयित्री कहती है मानव हृदय में इच्छा, उसे पाने का उत्साह और प्रेम की भावना क्रम से देखी जा सकती है।
3. जो मनुष्य अपने मन में हमारे प्रति राग, द्वेष और घृणा की भावना रखता है वही हमारा शत्रु होता है। दुश्मन की पहचान हम दूसरे मनुष्य के मन के भावों को पहचानकर कर सकते हैं।
4. मधुर प्रेम के लेन-देन से कवयित्री को सदा प्रेम ही मिला।
5. कवयित्री की आँख से गिरे दो-चार आँसू यह प्रकट करते हैं कि दूसरों के दु:ख और पीड़ा को देखकर कवयित्री भी दु:खी हो जाती है। दु:खी लोगों के प्रति प्रेम के कारण ही उनके आँसू गिरते हैं।
6. प्रेम का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। यदि हम दूसरों के प्रति कोमलता और प्रेम का व्यवहार रखेंगे तो दूसरे भी हमारे साथ वैसा ही व्यवहार करेंगे। इससे जग में घृणा, शत्रुता, राग-द्वेष की भावना समाप्त हो जाएगी।
7. कविता के माध्यम से कवयित्री ने बताया है कि उल्लास हमारे हृदय का वह भाव है जो हमें आनंद और प्रसन्नता से भर देता है। उल्लास का मूल स्त्रोत प्रेम है जो हमारे जीवन को नया रूप देता है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) आशा रूपी लता का   2. (स) जीवन में निराशा

3. (ब) मधुर प्रेम का   4. (अ) प्रेम का समुद्र

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1. जीवन .... आई।

   कवयित्री कहती है जीवन की निराशा ने उन्हें कभी हताश या दु:खी नहीं किया। 'यह संसार झूठा है'-ऐसे भावों को उन्होंने कभी अपने मन में नहीं आने दिया क्योंकि इससे उदासीनता हृदय में घर कर लेती है।

2. मैं न .... आँसू दो चार।

   कवयित्री कहती है कि वह कभी भी जीवन के संकटों से हार कर दु:खी नहीं हुई और न वह किसी को दु:खी देखना चाहती हैं। दु:खी और पीड़ित लोगों के लिए उनके हृदय में जो प्रेम है उसी कारण उनके आँसू गिर जाते हैं।

भाषा बोध :

क. दिए गए विशेषणों के लिए उचित विशेष्य लिखिए :

1. फूल   2. वाणी

3. स्वभाव   4. व्यक्ति

5. कली

ख. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. प्रभात : सुबह – प्रभात में उठकर बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए।

2. आकांक्षा : इच्छा – मीता की आकांक्षा भरतनाटयम् नृत्य सीखने की है।

3. घृणा : नफरत – हमें किसी से घृणा नहीं करनी चाहिए।

4. उल्लास : हर्ष – गरिमा ने अपना जन्मदिन बहुत ही उल्लास से मनाया।

5. मृदुल : कोमल – यशोदा का हृदय बहुत मृदुल है।

पाठ 2 मेरे पिता प्रेमचंद

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. प्रेमचन्द सीधे-सादे बेलौस आदमी थे। उनका रूप झील के नीले पानी की तरह साफ और पारदर्शक था, यहीं उनकी सबसे बड़ी महानता थी।
2. प्रेमचंद का पहनावा बिल्कुल साधारण था। वह गाढ़े का कुरता, धोती और पैरों में भूरे रंग का जूता पहनते थे।
3. प्रेमचंद कहते थे कि मुंबई में इंसानियत नहीं है वहाँ आदमी ही आदमी को रौंदकर आगे बढ़ता है, इसलिए उन्हें मायानगरी मुंबई में रहना पसंद नहीं था।
4. लेखक को अपने पिता के साथ भोजन करने का लालच रहता था।
5. लेखक का कठोरतम दुर्भाग्य यह था कि जब वह कुछ सीखने के काबिल हुए तब उनके पिता उनसे अलग हो गए।

लिखित :

1. प्रेमचंद सीधे-सादे बैलोस और मुहब्बती आदमी थे। उनमें कोई दुरंगापन नहीं था। उनका मन पानी के समान साफ और पारदर्शक था। वह एक साधारण निम्न मध्यमवर्गीय आदमी थे।
2. प्रेमचंद का पहनावा बिल्कुल साधारण था, उन्हें यह भी नहीं मालूम था कि धोती-कुरते पर चप्पल पहनी जाती है या जूता। इसलिए अक्सर लोग उन्हें देहाती कहते थे।
3. अपने ऊपर कम से कम खर्च करना यही प्रेमचंद की जिंदगी का साधारण नियम था। उनकी जिंदगी में ऐसे कई मौके आए जब ऐशो-इशरत की सुनहरी गली उनके लिए खुली हुई थी। कुछ राजाओं ने भी सम्मान देने हेतु उन्हें अपने यहाँ रखना चाहा पर वह राजमार्ग की खुली हवा में अपना जीवन व्यतीत करना चाहते थे। इन सबसे स्पष्ट होता है कि 'प्रेमचंद को ऐशो-इशरत की भूख या हवस भी नहीं थीं'।

4. लेखक के अनुसार अगर उनमें भी दगा-फरेब की अकल होती, बहरूपिया बनने की कला होती, गिरगिट की तरह रंग बदलना आता, अभिनेता की तरह समाज के रंगमंच का उपयोग करने की कला आती, तो निश्चय ही उन्होंने भी अपने झंडे गाड़ दिए होते।
5. लेखक के पिता प्रेमचंद ने सदैव ही उनके संग दोस्त सा बरताव किया था। प्रेमचंद ने कभी लेखक को कड़े शब्द नहीं कहे। यहाँ तक कि पढ़ने के लिए भी उनके पिता ने कभी एक बात भी नहीं कही। बल्कि वह लेखक को कहते थे कि शाम को घर में मत रहा करो-खेलने कूदने के लिए जाया करो।
6. लेखक के पिता प्रेमचंद एक साथी की तरह नए लेखक को अच्छा लिखना, आगे बढ़ना सिखाते थे और मुक्त हृदय से नए लेखक की प्रशंसा करते थे। वह छोटे से छोटे लेखक से भी बराबरी की सतह पर उतरकर बात करते थे। इससे पता चलता है कि प्रेमचंद सौम्य और आदर्शवादी व्यक्ति थे। उनका हृदय करूणा से पूर्ण था। उन्हें अपने लेखक होने का जरा भी घमंड नहीं था वह सभी को समानता से देखते थे।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) बाप-बेटा
2. (ब) झील के पानी की तरह
3. (द) भूरे रंग का
4. (ब) मुंबई को

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. निम्न मध्यवर्गीय
2. साधारण
3. बेहतर
4. आदर्शवादी
5. सतह

भाषा बोधः

क. निम्नलिखित उर्दू शब्दों के हिंदी अर्थ लिखिए :

1. स्नेही
2. शिष्टाचार
3. छुटकारा
4. ठाठ-बाठ
5. अच्छा
6. कुशल-मंगल

ख. दिए गए शब्दों के दो अलग-अलग अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

1. मगर : परंतु – परीक्षा के लिए काजल ने बहुत मेहनत की मगर बीमार होने के कारण वह परीक्षा नहीं दे पाई।

   मगरमच्छ – झील के पानी में खतरनाक मगर है।

2. सोना : आभूषण बनाने का पदार्थ – पुराने समय में राजा–रानी के कोष सोने–चाँदी के आभूषणों से भरे रहते थे।

   नींद आना – हमें रात्रि में समय पर सोना चाहिए।

3. कुल : वंश – चंद्रगुप्त मौर्य वंश से थे।

   मात्रा – गरीब किसान के पास बीज खरीदने के लिए कुल सौ रूपये थे।

4. कड़ा : हाथ में पहनने वाला आभूषण – मीना को उसकी माँ ने बहुत सुन्दर कड़ा दिया।

   कठोर – प्रेमचंद ने अपने पुत्र को कभी कड़ा नहीं बोला।

ग. कोष्ठक में दिए गए योजकों की सहायता से सरल वाक्यों को मिश्रित वाक्यों में बदलिए :

1. उस आदमी की सबसे बड़ी महानता थी कि वह किसी तरह महान नहीं था।
2. दस–बीस लाख की जायदाद खड़ी कर ली होती और अखबार में उनकी भी छींक का खुलासा निकला करता।
3. इस कहानी को लोग कम पढ़ेंगे क्योंकि इसमें ज्यादा मौतें हैं।

पाठ - 3, अनमोल वाणी

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. मन को सक्षम और तल्लीन कार्यकर्ता कहा गया है जो प्रतिक्षण अपने कार्य में जुटा रहता है।
2. शिष्टाचार युक्त मधुरवाणी एक संतुलित मन का परिचय देती है।

3. मधुरवाणी का तात्पर्य है दूसरों से विनम्रतापूर्वक एवं आदरयुक्त रीति से बात करना।

4. मधुर वाणी का प्रयोग करके विश्व में मैत्री, सुख व सौहार्द का सुन्दर वातावरण तैयार किया जा सकता है।

लिखित :

1. शरीर की प्रवृत्तियों का मुख्य संचालक मनुष्य का मन है। मनुष्य का मन निर्मल है अथवा मलिन, सरल अथवा कुटिल। मन स्वयं को स्वत: ही अपने कार्य व्यवहार एवं वाणी में प्रकट कर देता है। यहीं मनुष्य के शरीर का स्वरूप है।

2. मनुष्य का वास्तविक परिचय उसके मन से होता है। शिष्टाचारयुक्त मधुर वाणी एक संतुलित मन का परिचय देती है और अहंकारपूर्ण, क्रोधयुक्त वाणी विषैले मन की सूचक है।

3. दूसरों के लिए गलत टिप्पणियाँ करना, दूसरों का मजाक बनाना, झूठ बोलना, निंदा करना यह सब वाणी के दोष हैं। इसके विपरीत यथासमय उचित और मधुर वाणी सब कार्यों को सँवार देती है। विनम्रतापूर्वक एवं आदरयुक्त रीति से बात करना ही मधुर वाणी के गुण है।

4. अच्छी वाणी का मूल स्त्रोत स्वच्छ मन है। इसे प्रशिक्षण मात्र से नहीं पाया जा सकता। यदि मन विरोध से भरा है तो शब्दों में वह अवश्य ही प्रकट होगा। इसी प्रकार यदि मन निर्मल और दोषमुक्त है तो शब्द हितकारी, सत्य और मधुर होंगे।

5. आधुनिक मनुष्य के तनावग्रस्त होने का प्रमुख कारण दूसरों के द्वारा कहे गए कठोर शब्दों की कसक है। शब्द बाण से भी अधिक भेदक और वज्र से भी अधिक घातक सिद्ध हो सकता है जो मनुष्य को मानसिक रोगी बना डालती है।

6. यदि मनुष्य अपनी अनमोल वाणी को भलीभाँति प्रयोग करना सीख ले तो विश्व में मैत्री, सुख व सौहार्द का सुन्दर वातावरण बनाया जा सकता है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) उसका मन

2. (द) केवल वाणी एवं कर्म में

3. (ब) विषैले मन की

4. (स) जब सभी अनमोल वाणी का प्रयोग करना सीख सकेंगे।

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. मुस्तैद
2. संकल्प
3. गुण
4. निर्मल
5. मानसिक

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. असत्य

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों का शब्द परिवार बनाइए :

1. सम्मानीय, सम्मानपूर्वक
2. ज्ञानवान्, ज्ञानवर्धक, ज्ञानपूर्वक
3. धनवान, धनाश्य, धनलाभ
4. शांतिवान, शांतिमय, शांतिपूर्ण
5. प्रधानमंत्री, प्रधानसभा, प्रधानाचार्य

ख. निम्नलिखित वाक्यों को उचित क्रिया-शब्दों द्वारा पूर्ण कीजिए :

1. उपजती
2. भूलता
3. मिला
4. रहता है
5. बोलता है

ग. निम्नलिखित संबंधबोधक शब्दों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए :

1. के पश्चात् : कुणाल खेलने के पश्चात् अपने घर जाएगा।
2. के समान : हमें कोयल के समान मीठी बोली बोलनी चाहिए।
3. की ओर : रमेश उत्साहित होकर स्कूल की ओर चल पड़ा।
4. के निकट : मंदिर के निकट ही महात्मा जी का आश्रम है।
5. की अपेक्षा : सीता की अपेक्षा मीता अधिक बुद्धिमान है।

पाठ - 4, मानव बनो

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. कवि ने कहा है कि मनुष्य की सबसे बड़ी भूल है अपने दु:खों को कहकर किसी से सहारा लेना।
2. कवि कहते हैं कि हमें किसी के आगे हाथ फैलाने की अपेक्षा स्वयं मेहनत करके अपने भाग्य का निर्माण करना चाहिए।
3. कवि ने किसी के आगे हाथ फैलाने और अपने दु:खों को रोने के लिए मना किया है।
4. विश्व का कण-कण हरा बनाने से कवि का तात्पर्य है विश्व में खुशहाली और सुख शांति फैलाना। विश्व में खुशहाली लाने के लिए मनुष्य को अपने दु:खों से घबराना नहीं चाहिए बल्कि उनका डटकर सामना करना चाहिए और स्वयं मेहनत करके जीवन को सुखी बनाने का प्रयास करना चाहिए।
5. 'कर दो धरा को उर्वरा' से कवि का आशय है- धरती को उपजाऊ बनाना अर्थात् यदि प्रत्येक मनुष्य स्वयं मेहनत करें और अपना भाग्य निर्माण के लिए संघर्ष करे तो यह धरती सुख-शांति और खुशहाली से भर जाएगी।
6. इस कविता के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि हमें कभी भी किसी के भरोसे नहीं रहना चाहिए। अपने जीवन को सुखी बनाने के लिए हमें दु:खों का डटकर सामना करना चाहिए और कड़ी मेहनत करके अपने भाग्य का निर्माण करना चाहिए।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) मनुष्य बनने के लिए 2. (स) धरती
3. (द) उफ-हाय करना।

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं कि दु:खों को देखकर हमें पीछे नहीं हटना चाहिए, बल्कि हमें उन मुश्किलों का दृढ़ता से सामना करना चाहिए जिससे हम अपने आस-पास का वातावरण सुख-समृद्धि से भर सकें। जिससे यह धरती भी स्वर्ग की भांति खुशहाल हो जाए।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों से तीन-तीन शब्द बनाइए :

1. न्याय, अन्य, सुकन्या
2. महत्ता, सत्ता, पत्ता
3. अच्छा, गुच्छा, इच्छा
4. द्‌वार, द्‌वारकाधीश, द्‌वारपाल
5. हृदय, सूर्योद्‌य, सर्वोदय
6. गुड्‌डा, मुड्‌डा, गुड्‌डन

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

1. दैत्य, दानव
2. बंजर
3. नफरत, घृणा
4. अविचारिता
5. दुर्भाग्य
6. नभ

ग. शब्दों को सही क्रम में लिखकर सार्थक वाक्य बनाइए :

1. प्यार करना भी भूल है।
2. किसी का आसरा नहीं लेना चाहिए।
3. मेहनत करके मानव बनो।
4. किसी के आगे हाथ नहीं फैलाओ।

पाठ 5, साए

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. महिला का पति नैरोबी के किसी अस्पताल में था।
2. जब बच्चों को पत्र के द्वारा पता चला कि उनके पिता के स्वास्थ्य में सुधार है और उनके पिता ने उनके लिए कुछ रुपए भी भेजे हैं तब बच्चों के मुरझाए मुखड़े खिल उठे।
3. अज्जू को इनाम में वजीफा मिला था।

4. नैरोबी जाते समय अज्जू के मन में गहरी उत्कंठा थी उसके पिता उसे देखकर कितने चकित होंगे।

5. जिंदगी में पूंजी लगाने का अर्थ है जीवन भर की कमाई किसी अच्छे कार्य में लगाना।

लिखित

1. पति का पत्र पढ़ने के बाद जब पत्नी को पता चला कि अनावश्यक विलंब के कारण उसके पति का रोग काबू से बाहर हो गया है, तब वह बहुत रोई।

2. नैरोबी में एक नया कारोबार शुरू हुआ था जिसमें मजदूरों की हड़ताल चल रही थी। ऐसे संकट के समय में अज्जू के पिता सब छोड़कर बेटी के विवाह पर भारत नहीं जा सकते थे।

3. अज्जू को जब पिता के घर आने की संभावना नहीं दिखी तो उसने पत्र में लिखा कि उसकी माँ बहुत बीमार रहती है और अंतिम बार उन्हें देखना चाहती हैं।

4. जब अज्जू को पिता के घर आने की संभावना नहीं दिखी तो उसने स्वयं ही अकस्मात् नैरोबी पहुँचकर अपने पिता को चौंकाने की योजना बनाई।

5. अज्जू के पिता की मृत्यु का समाचार उनके मित्र ने उनके परिवार को इसलिए नहीं दिया क्योंकि यदि अज्जू और परिवार को अपने पिता की मृत्यु के बारे में पहले पता चल जाता तो वे निराशा, हताशा और असुरक्षा की गहरी खाई में डूब जाते कि वहाँ से अंधेरे के अलावा उन्हें कुछ नहीं दिखता। अज्जू की माँ भी कब की मर गई होती और अज्जू भी वहाँ न पहुँच पाता जहाँ वह आज है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) 'अ' व 'ब' दोनों
2. (द) 'अ' व 'ब' दोनों
3. (स) मर चुके थे।
4. (ब) अज्जू के पिता के मित्र थे।

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. नैरोबी
2. मुखड़े
3. भटकने
4. चौंकाना
5. सहारे

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य	2. असत्य	3. सत्य
4. असत्य	5. सत्य	

भाषा-बोध :

क. नीचे लिखे उर्दू शब्दों के हिन्दी अर्थ लिखिए :

1. प्रथम	2. ऊँचा	3. नसीहत
4. आशा	5. पत्र	6. काम-धंधा
7. पुरस्कार	8. चिकित्सा	

ख. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

1. चिट्ठी	2. पत्नी	3. अफ्रीका
4. निश्चित	5. धूमधाम	6. कार्यक्रम

ग. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग कीजिए :

1. दारी	2. ता	3. ई
4. ईय	5. इत	6. ई
7. इक	8. ता	9. ई
10. इत		

घ. शब्दों को सही क्रम में लिखकर सार्थक वाक्य बनाइए :

1. कई कहीनों तक पत्र नहीं आया ।
2. भगवान सबका रखवाला है।
3. नाव फिर डूबती लग रही थी।
4. विवाह के सारे चित्र भी भेज दिए गए।
5. समय पाँव पर पंख बाँधकर उड़ता रहा।

पाठ 6, स्वतंत्रता संग्राम

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. सन् 1757 में अंग्रेजों ने भारत में बंगाल पर अधिकार किया।

2. ए.ओ. ह्यूम ने इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना की।
3. लोकमान्य तिलक ने घोषणा की थी कि ''स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।''
4. राजा राममोहन राय, स्वामी रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद तथा स्वामी दयानंद ने भारत में समाज सुधार का काम किया।
5. सुभाषचंद्र बोस ने 'आजाद हिंद फौज' नामक सेना का गठन किया था।

लिखित :

1. अंग्रेज भारत पर अधिकार करने के उद्देश्य से आए थे। उन्होंने भारतीय राजाओं में फूट डालो और शासन करो की नीति का सूत्रपात किया। वे भारतीयों की धन-दौलत लूटने के साथ-साथ अपने राज्यों का भी विस्तार करते रहे।
2. जब अंग्रजों ने लोकमान्य तिलक को जेल में बंद कर दिया तभी से सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की कड़ी प्रारंभ हुई। अनेक समाज सुधारकों ने भारत में स्वतंत्रता आंदोलन को तेज किया। गाँधी जी के नेतृत्व में अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरोजनी नायडू आदि स्वतंत्रता संघर्ष में जुट गए।
3. इंडियन नेशनल कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजों के प्रति भारतीयों की उग्रता को मंद करना था। इस संस्था के माध्यम से भारतीयों की छोटी-छोटी माँगे मनवाई जाती थी।
4. अंग्रेज जनरल डायर ने 13 अप्रैल, 1919 को बैसाखी के पर्व पर अमृतसर में जलियाँवाला बाग में एक निहत्थी सभा पर अंधाधुंध गोलियाँ चलवा दी। हजारों नर-नारी, बच्चे बूढ़े सब गोलियों से भून दिए गये या भाग-दौड़ में कुचलकर मर गए।
5. स्वतंत्रता संग्राम में देश की आजादी के लिए भगतसिंह और उनके साथियों ने खजाना लूटा और असेंबली में बम फेंका था। इस कारण इन पर झूठे मुकद्दमे चले और इन्हें फाँसी दी गई।
6. सुभाषचंद्र बोस के लिए गए तीन नारे प्रसिद्ध है- ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा,'' ''दिल्ली चलो'', और ''जयहिंद''।
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था-''एक क्षण आता है, जब हम पुराने से नए युग में प्रवेश

करते हैं। इस महत्वपूर्ण क्षण में भारत की सेवा में और मानवता की सेवा में अपने को समर्पित करने की शपथ लें''।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) प्लासी का युद्ध
2. (अ) मुगल सम्राट बहादुरशाह को
3. (ब) भारत छोड़ो आंदोलन
4. (द) 15 अगस्त 1947

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. धूर्तता
2. स्वतंत्र
3. लोकमान्य तिलक
4. उग्रपंथी
5. अग्रसर

भाषा बोध

क. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. शिंकजा कसना : पुलिस ने आतंकवादियों की हरकतों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।
2. प्राण फूँकना : जान डालना - अपने समीप नाव को देखकर डूबते हुए आदमी में प्राण फूँक दिए।
3. कमर टूटना : बहुत थक जाना - खेत में दिन-रात मेहनत करके गरीब किसान की कमर टूट गई।

ख. निम्नलिखित में संधि कीजिए :

1. दुर्गम
2. सद्गति
3. महोत्सव
4. निरंकुश
5. हितोपदेश

ग. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक चिन्ह छाँटकर लिखिए :

1. ने, से
2. को
3. से
4. के लिए
5. को

पाठ 7, सफाई का महत्त्व

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. रामचंद्र जी के युग में वर्षा के बाद मौसम सुंदर और वातावरण साफ हो जाता था।
2. बीमारियाँ मच्छरों से पैदा होती हैं।
3. चौधरी लंपटराय के घर के सामने बहुत बड़ा गड्ढा था ।
4. चौधरी लंपटराय के बेटे को कै-दस्त हो रहे थे।
5. मलेरिया की बीमारी मच्छरों के काटने से होती है।

लिखित :

1. प्रस्तुत पाठ में लेखक ने साफ-सफाई के महत्त्व को समझाने का प्रयास किया है। पाठ के द्वारा लेखक ने दर्शाया है कि गंदगी से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों ही प्रभावित होता है।
2. रामचंद्र जी के काल में नदियों और पोखरों का जल साफ हो जाता था। न ही कीचड़ रहती थी न ही मच्छर होते थे, जिससे कोई बीमार भी नहीं पड़ता था। इसलिए तुलसीदास जी ने कहा है कि रामचंद्र जी के समय में वर्षा के बाद मौसम सुंदर हो जाता था।
3. वर्तमान में वर्षा के बाद जगह-जगह गड्ढों में पानी भर जाता है और कीचड़ हो जाती है। लोग उन गड्ढ़ों में कूड़ा डालते हैं और फिर मच्छर पैदा होते हैं जिनसे बीमारियाँ फैलती हैं।
4. हमें अपने घरों के आस-पास कूड़ा इसलिए नहीं फेंकना चाहिए क्योंकि कूड़े पर मच्छर पैदा होते हैं जिनसे जानलेवा बीमारियाँ फैलती हैं। हमें अपने घर के आस-पास का वातावरण साफ और स्वच्छ रखना चाहिए और कूड़ा दूर जंगल में जाकर फेंकना चाहिए।
5. मच्छर बीमारियों के दूत होते हैं। बीमारियाँ उनके कंधो पर बैठकर आती हैं। मच्छर किसी से भेदभाव नहीं करते वे छोटे-बड़े, बच्चा-बूढ़ा किसी को भी हानि पहुँचा सकते हैं ।

6. गाँववालों ने जगह-जगह हुए गड्ढ़ों को भर दिया जिससे उनमें पानी न भर सके और झाड़ू और तसले से जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर को साफ कर दिया।
7. चौधरी लंपटराय के बेट को कै-दस्त हो गए थे। दादा ने उसे दवा देकर चौधरी लंपटराय की मदद की ।
8. जब चौधरी लंपटराय को ज्ञात हुआ कि उसके बेटे को मलेरिया घर के आगे बने गड्ढे के कारण हुआ है तो उन्होंने गड्ढ़ा बंद कर दिया जिससे वहाँ गंदगी और पानी न भर सके।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) दादा
2. (अ) मच्छर
3. (ब) चौधरी लंपटराय ने

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य　2. असत्य　3. असत्य
4. असत्य　5. सत्य

घ. किसने, किससे कहा?

1. दादा ने दूसरे युवक से
2. चौधरी ने युवक से
3. चौधरी ने दादा से
4. दादा ने चौधरी के बेटे से
5. चौधरी ने दादा से

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए :

1. मक्खियाँ　2. बीमारियाँ
3. नदियाँ　4. ऋतुएँ
5. गड्ढे　6. दवाईयाँ

ख. उचित सर्वनाम का प्रयोग कर रिक्त स्थान भरिए :

1. आप　2. हम

3. यह		4. उनका

5. हम/वे

ग. उचित कारक चिह्नों द्वारा रिक्त स्थान भरिए :

1. में		2. से

3. के लिए		4. को

5. से

पाठ 8, प्रियतम

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. नारद जी ने विष्णु से प्रश्न किया कि 'पृथ्वी पर उनका मुख्य और यशस्वी भक्त कौन है'?
2. विष्णु ने एक सज्जन किसान को अपना प्रियतम बताया क्योंकि वह किसान ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए अपने दायित्व को पूर्ण सर्मपण और ईमानदारी से करता था ।
3. किसान भगवान को प्रातः काल, दोपहर और शाम को रोज याद करता था।
4. विष्णु जी ने नारद जी को एक तेल का पात्र देकर कहा कि वे उस पात्र को लेकर भूमंडल की परिक्रमा करें साथ ही यह ध्यान रखें कि तेल की एक बूँद भी पात्र से न गिरें। विष्णु जी ने यह कार्य नारद जी को अपने भक्त की भक्ति और आस्था का प्रमाण देने के लिए दिया।
5. परिक्रमा करके लौटते समय नारद जी का हृदय उल्लास से भरा था क्योंकि विष्णु जी द्वारा दिया गया कार्य उन्होंने पूरा कर लिया था और अब वे उस कार्य के पीछे का रहस्य जान पाऐंगे।
6. परिक्रमा करके लौटने पर भगवान ने नारद जी से पूछा कि उन्होंने तेल का पात्र ले जाते समय कितनी बार ईश्वर का नाम लिया। इस पर नारद जी ने कहा कि उन्होंने एक बार भी ईश्वर का नाम नहीं लिया क्योंकि उनका ध्यान पूर्णतयः कार्य पर था।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए

1. (स) आपका प्रियतम कौन है?
2. (स) अपने कार्य को पूजा के समान समझता है।
3. (स) विश्व परिक्रमा करने के लिए
4. (स) जो अपने दायित्व को पूरे मन से निभाता है
5. (स) एक बार भी नहीं

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं कि जब नारद जी विश्व का पर्यटन करके देवलोक लौट रहे थे तब उनका मन उल्लास से भरा हुआ था क्योंकि अब विष्णु भगवान तेल और पात्र के पीछे का रहस्य उन्हें बताने वाले थे ।

भाषा बोध

क. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

1. नारायण, दामोदर, जर्नादन
2. पृथ्वी, धरा, धरती
3. खुशी, आनंद, आमोद
4. काम, कर्म, कंदर्प
5. ईश्वर, प्रभु, जगदीश
6. संध्या, साँझ, सूर्यास्त

ख. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग अलग करके प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए :

	उपसर्ग	शब्द	प्रत्यय	प्रत्यय जोड़कर नए शब्द
1.	अन	आवश्यक	ता	आवश्यकता
2.	स	विशेष	ता	विशेषता
3.	अ	सत्य	वादी	सत्यवादी
4.	वि	वाद	ई	वादी
5.	भू	मंडल	ई	मंडली

ग. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के लिए एक-एक विशेषण लिखिए।

1. यशस्वी
2. मेहनती
3. स्वच्छ
4. कल्याणकारी
5. सुंदर

पाठ 9, छोटी सी बचत

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. घर की आर्थिक स्थिति ठीक करने के लिए सजल की माँ ने एक कारखाने में नौकरी कर ली।
2. नन्हें सजल ने माँ के दिए हुए पैसों को भविष्य के लिए जोड़ने का सोचा।
3. मशीन में काम करते समय सजल की माँ को चोट लग गई थी।
4. चोट लगने के कारण सजल की माँ काम पर नहीं जा पाई इसलिए सजल को जेब खर्च मिलना बंद हो गया था।
5. सजल की माँ ने साहूकार से सौ रुपए उधार लिए थे जो वह लौटा नहीं पाई इसलिए साहूकार ने उसे जेल में डलवाने की बात कही थी।

लिखित :

1. सजल के हाथ से अचानक पैसे गिरकर फर्श के एक छेद में जा गिरे थे। ऐसी स्थिति में उसने सोचा कि यह पैसा जमा करने के लिए एक सुरक्षित स्थान है और वह उसी छेद में अपना जेबखर्च डालने लगा ।
2. सजल की माँ साहूकार से उधार लिए हुए सौ रुपए समय पर नहीं लौटा पाई थी, इसलिए वह चिंतित और दुःखी थी।
3. सजल की छोटी सी बचत से उसकी माँ ने साहूकार से लिया हुआ उधार चुका दिया था। इस प्रकार सजल के जमा करे हुए जेबखर्च के पैसे उसकी माँ के लिए उपयोगी साबित हुए अन्यथा साहूकार उसकी माँ को जेल में डलवा देता।
4. इस पाठ से हमें यह संदेश मिलता है कि थोड़ा-थोड़ा करके भी जोड़ी हुई रकम कभी बहुत उपयोगी सिद्ध होती है। हमें फिजूलखर्च नहीं करना चाहिए और भविष्य के लिए हमेशा कुछ रुपए जोड़ते रहना चाहिए ।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) आठ वर्ष
2. (स) फर्श के नीचे
3. (अ) माँ के लिए कपड़े खरीदना
4. (स) सौ रुपए

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1.	भूख	2.	कठिनाई	3.	पलक
4.	जेबखर्च	5.	मुश्किल		

घ. किसने, किससे कहा ?

1. साहूकार ने सजल की माँ से
2. सजल की माँ ने साहूकार से
3. साहूकार ने सजल की माँ से
4. सजल ने अपनी माँ से
5. माँ ने सजल से

भाषा बोध :

क. मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. कहर टूटना : अचानक से दु:ख आना – पिता की मृत्यु के बाद मानों सजल और उसकी माँ पर दु:खों का कहर टूट पड़ा ।
2. उल्लू बनाना : बेवकूफ बनाना – कम दामों का सामान साहूकार ने किसान को ऊँचे दामों पर बेचकर उसे उल्लू बना दिया ।
3. हाथ पाँव पसारना : आराम से सो जाना – खेलने के बाद मदन हाथ पाँव पसार कर सो गया।
4. मन रखना : किसी की इच्छा को मानना – राखी पर जल्दी आकर श्रृद्धा के भाई ने उसका मन रख लिया।

ख. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी लिखिए :

1.	बाप, तात	2.	माता, जननी
3.	सुबह, प्रात:काल	4.	यंत्र, कल
5.	मास, मासिक	6.	मदद, सहारा

ग. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :

1.	सरलता	2.	छिछली	3.	प्रसन्न
4.	देरी	5.	नकद	6.	आसान

पाठ 10, यादें

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. प्रस्तुत पाठ में 'मेरी माँ' इंदिरा गाँधी की माँ कमला नेहरू को कहा गया है।
2. लेखिका के पिता और दादा पर सत्याग्रह, स्वदेशी और खादी जैसे इंकलाबी ख्यालों का जोरदार असर पड़ा।
3. जयपुर में सख्त पर्दा था। वहाँ उन्हें डोली में बैठकर ही बाहर जाने की अनुमति थी, इसलिए वह अपने भाई के कपड़े पहनकर घूमने गई।
4. लेखिका के पिता पंडित जवाहरलाल नेहरू थे और दादा जी मोतीलाल नेहरू थे ।
5. लेखिका के घर पंडित मदन मोहन मालवीय के भतीजे संस्कृत पढ़ाने आते थे।
6. लेखिका की माँ ने अस्पताल अपने बड़े घर स्वराज्य भवन के एक हिस्से में खोला ।

लिखित :

1. कमला जी को गहने-कपड़ों का बिल्कुल शौक नहीं था। जब वह जयपुर गई तो वहाँ सख्त पर्दा था और उन्हें बाहर जाने के लिए केवल डोली में बैठकर ही जाना पड़ता।
2. कमला जी का विवाह नेहरू परिवार में हुआ था, जहाँ सत्याग्रह, स्वदेशी और खादी जैसे क्रांतिकारी ख्यालों का बहुत प्रभाव था। कमला जी का घर हमेशा मेहमानों से भरा रहता था और मेहमानदारी का अधिकतर बोझ उन पर ही था। उनके घर के दो हिस्से थे-एक तरफ अंग्रेजी तरीके के बैठने और खाने के कमरे और दूसरी तरफ देशी तरीके के। वहाँ पर्दा नहीं था ।

3. कमला जी औरतों को पर्दे से निकालने का प्रयत्न करती और उन्हें समझाती कि वे अपने अधिकारों के लिए कैसे लड़े। उन्होनें स्वराज्य भवन के एक हिस्से में एक अस्पताल खोला था। उनके देहान्त के बाद इलाहाबाद में स्त्रियों के लिए अस्पताल खोला गया ।
4. कमला जी पूजा-पाठ से बहुत चिढ़ती थी उनके अनुसार जो विचारों की उधेड़बुन में पड़े रहते हैं, उन्हें दिखावटी धर्म की जरूरत होती है, इसी कारण उन्हें मंदिर जाना भी पसंद नहीं था।
5. कमला जी की अंतिम इच्छा थी कि उनके द्वारा शुरू किया गया अस्पताल बंद न हो। उनकी इस इच्छा को पूरा करने के लिए इलाहाबाद में उनके नाम से स्त्रियों के लिए अस्पताल खोला गया।
6. कमला नेहरू को सदैव सौम्यता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति के रूप में याद किया जाता है। कमला नेहरू को दिखावा पसन्द नहीं था। वह कभी ऊँची आवाज में नहीं बोलती थी, पर उनका प्रभाव ऐसा था कि जो वह कहती थी, वही होता था। उनका मन सेवा-भाव, निडरता, भक्ति और शक्ति से परिपूर्ण था।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) खुरदरी, टाट जैसी मोटी
2. (ब) सन् 1930 में
3. (ब) घूमने फिरने का
4. (अ) 37 वर्ष की उम्र में

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. पोशाकों	2. पर्दा	3. प्रशंसा
4. समाधि	5. अस्पताल	

भाषा बोध

क. युग्म-शब्द छाँटकर लिखिए :

1. गहने-कपड़ों	2. खेलती-कूदती	3. रोने-पीटने
4. माता-पिता	5. खाना-पीना	6. बड़े-बड़े
7. दुबली-पतली	8. पूजा-पाठ	9. जैसे-जैसे
10. दिन-रात		

ख. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1. मन में हजारों तस्वीरें आती हैं ।
2. छुटपन में वह अपने भाइयों के साथ खेलती-कूदती थी।
3. रोने-पीटने से कुछ नहीं बना।
4. घर के दो हिस्से थे ।
5. हम लोग रातभर जागते रहे।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम छाँटकर भेद लिखिए :

1. हमारी – पुरूषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरूष)
2. वहाँ – निश्चयवाचक सर्वनाम
3. किसी – अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. मेरा – पुरूषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरूष)
5. उनकी – पुरूषवाचक सर्वनाम (अन्य पुरूष)

घ. विलोम शब्द लिखिए :

1. विदेशी	2. सरलता	3. सुख
4. कठोर	5. प्रारंभ	6. साथ

पाठ 11, रहीम के दोहे

पाठ बोध

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. जो अच्छे स्वभाव के मनुष्य होते हैं, उनको बुरी संगति भी बिगाड़ नहीं पाती ।
2. रहीम कहते हैं जो श्रेष्ठ और अच्छे स्वभाव के मनुष्य होते हैं उनपर बुरी संगत का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जिस प्रकार जहरीले साँप चन्दन के वृक्ष से लिपटे रहने पर भी उस पर कोई जहरीला प्रभाव नहीं डाल पाते। यहाँ पर उत्तम प्रकृति का अर्थ-अच्छा, निर्मल और मधुर मनुष्य से है।
3. रहीम कहते हैं कि दीपक एवं कुल में जन्मा कपूत दोनों का चरित्र एक समान ही होता है, आरम्भ में तो वो घर को रौशन

कर देते हैं, परंतु जैसे वे बढ़ते हैं वैसे घर में अंधकार करते जाते हैं।

4. चिता तो प्राणहीन शव का हीन करती है परंतु चिंता तो जीवित मनुष्य को ही जलाती है।

5. रहीम कहते हैं सभी का स्थान अपना-अपना होता है। सूई का काम कपड़े को सिलना है, हम उस कार्य के लिए तलवार का प्रयोग नहीं कर सकते। हमें बड़ी वस्तु देखकर छोटी वस्तु की उपयोगिता को नहीं भूलना चाहिए ।

6. जीभ को बावरी इसलिए कहा गया है क्योंकि यह जीभ ही कटु शब्द बोलकर स्वयं तो मुँह के अंदर चली जाती है और उसका प्रभाव मनुष्य के दूसरे अंगों पर पड़ता है। यह जीभ ही बिना सोचे-समझे कुछ भी कह जाती है जिससे दूसरे मनुष्य को तो कष्ट पहुँचता ही है, स्वयं पर भी उल्टा प्रभाव पड़ता है।

7. रहीम कहते हैं कि अपने मन के दुःख को मन के भीतर ही छुपा कर रखना चाहिए । क्योंकि दूसरों का दुःख सुनकर लोगों पर भले ही कुछ प्रभाव पड़ता हो पर उसे बाँटकर कम करने वाल कोई नहीं होता।

8. रहीम कहते हैं कि ऐसे मनुष्यों की अंतरात्मा मर चुकी होती है जो दूसरों के आगे हाथ फैलाते हैं या कहीं माँगते जाते हैं, और वे लोग तो पहले से ही मृतक है जो किसी दूसरे के माँगने पर साफ इन्कार कर देते हैं ।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्पों पर (✓) लगाइए :

1. (स) सुजन
2. (द) चिता के समान
3. (ब) गरीबों का भला करते हैं।
4. (अ) जल का

ग. भावार्थ लिखिए : :

1. प्र. 2 का उत्तर लिखें ।
2. प्र. 5 का उत्तर लिखें ।
3. प्र. 8 का उत्तर लिखें ।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध हिंदी रूप लिखिए :

1.	प्रकाश	2.	मित्रता	3.	तलवार
4.	जीभ	5.	खोपड़ी, सिर	6.	मछली

ख. निम्नलिखित तत्सम शब्दों के लिए तद्भव शब्द लिखिए :

1.	पुत्र	2.	दीपक	3.	साँप
4.	सफेद	5.	रात	6.	जीभ

ग. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

1.	प्रकृति	2.	मछली	3.	अहंकार
4.	उत्तम	6.	निर्जीव	6.	सज्जन

घ. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए :

1.	छोटा, कनिष्ठ	2.	मनुष्य, मानव	3.	मीन, मत्सय
4.	नीर, पानी	5.	अंधकार, तम		

पाठ 12, डॉ. होमी जहाँगीर भाभा

पाठ बोध :

मौखिक

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. डा० भाभा का जन्म 30 अक्टूबर, 1909 को मुंबई में एक पारसी परिवार में हुआ था।
2. डा० भाभा ने सीनियर केंब्रिज परीक्षा केथेड्रल हाई स्कूल से प्राप्त की।
3. डा० भाभा को ट्रिनीटी कॉलेज की ओर से गणित की उच्च्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति दी गई।
4. ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी ने उन्हें कास्मिक रे संबंधी अनुसंधान के लिए आर्थिक अनुदान दिया ।
5. सन् 1945 में डा० भाभा को 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च का निर्देशक बनाया गया ।
6. तारापुर में परमाणु बिजली घर की स्थापना की गई जिसका नाम 'भाभा संस्थान' रखा गया ।

लिखित :

1. डॉ० भाभा की शिक्षा पर प्रारंभ से ही विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने अपनी सीनियर केंब्रिज परीक्षा केथेड्रल हाई स्कूल से उत्तीर्ण की। सन् 1926 में एफ. आई. ए. और आई.एस.सी. की परिक्षाएँ भी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की । डा भाभा ने कैंब्रिज विश्वविद्यालय से बी.ए. की परिक्षा उत्तीर्ण की तथा डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित की।
2. ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी ने डा०भाभा को कास्मिक रे संबंधी अनुसंधान के लिए आर्थिक अनुदान दिया तथा उन्हें सोसाइटी का सदस्य मनोनीत किया गया। तभी से डा० भाभा अपनी वैज्ञानिक योग्यता से संसार के विशिष्ट वैज्ञानिकों में गिने जाने लगे।
3. सन् 1954 में भारत सरकार द्वारा डा० भाभा को पद्म विभूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया ।
4. डॉ० भाभा का विश्वास था कि परमाणु शक्ति का उपयोग चिकित्सा, कृषि और औद्योगिक प्रगति के लिए किया जा सकता है। भारत का प्रथम परमाणु शक्ति उत्पादन रिएक्टर 'अप्सरा' स्थापित किया गया जहाँ कृषि विकास, रोग निदान व ऊर्जा उत्पादन आदि की योजनाएँ तैयार की गई ।
5. सन् 1968 में तारापुर में भारत के प्रथम परमाणु बिजली घर की स्थापना की गई जिसका नाम डा० भाभा की स्मृति में 'भाभा संस्थान' रखा गया ।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) 30 अक्तूबर 1909 को
2. (ब) पदम विभूषण
3. (द) ये सभी
4. (ब) 24 जनवरी 1966

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. विशेषज्ञ   2. शिक्षा–दीक्षा   3. अध्यक्ष
4. शांतिपूर्ण   5. प्रथम

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य	2. सत्य	3. असत्य
4. असत्य	5. सत्य	

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित में मूल और प्रत्यय शब्द अलग-अलग लिखिए :

1. विज्ञान + इक	2. योग्य + ता	3. उत्पाद + इत
4. उद्योग + इक	5. रसायन + इक	6. उपयोग + ई

ख. वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित करके भेद बताइए :

1. सुसंस्कृत, संभ्रात – गुणवाचक विशेषण
2. उच्च, प्रतिभाशाली – गुणवाचक विशेषण
3. तीन – संख्यावाचक विशेषण
4. उन्हें – सार्वनामिक विशेषण
5. गहन, अच्छी – गुणवाचक विशेषण

घ. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य वाक्यों में बदलिए :

1. डा० भाभा अपने द्वारा विश्व में शांति की स्थापना करना चाहते थे ।
2. भाभा द्वारा 15 वर्ष की आयु में सीनियर केंब्रिज की परीक्षा उत्तीर्ण की गई ।
3. कई विश्वविद्यालयों द्वारा डा० भाभा को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई।
4. भाभा द्वारा ब्रह्मांड किरणों को खोजकर महान कार्य किया गया ।
5. सरकार द्वारा वैज्ञानिक विकास की ओर विशेष ध्यान दिया गया ।

पाठ 13, स्वतंत्रता का दीपक

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. अद्‌र्धरात्रि का दीपक प्रात: काल का उजाला ला रहा है अर्थात् वीरों के बलिदान को इस कविता में अद्‌र्धरात्रि कहा गया है और स्वतंत्रता को प्रात: काल का उजाला कहा गया है।

2. कवि कहते हैं कि किसी भी परिस्थिति में चाहें तो शांति, अशांति, युद्ध, संधि या क्रांति में आजादी का दीपक बुझना नहीं चाहिए।
3. कवि ने स्वतंत्रता के दीपक की तुलना शहीदों और देश-प्रेमियों की कठोर तपस्या, असीम त्याग और शक्ति से की है।
4. स्वतंत्रता के दीपक को देश-प्रेमियों के बलिदान का दान कहा जाता है। कवि कहते हैं अमर शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें आजादी दिलाई है जिससे यह स्वतंत्रता का दीपक प्रज्वलित हुआ है।
5. कवि ने क्षुद्र जीत-हार की तुच्छ भावना को कहा है।
6. कविता के माध्यम से कवि ने स्वतंत्रता को सदा प्रज्वलित रखने का संदेश दिया है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) अज्ञानता व बाधाओं का
2. (ब) प्राणों के समान
3. (द) दीये को
4. (द) यह दीया न बुझे
5. (स) स्वर मैत्री

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1. कवि निम्न पंक्तियों में महापुरूषों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता है। वह वीरों के संघर्ष, त्याग, बलिदान एवं योगदान को स्मरण करता है। देश की आजादी का दीपक वह हर विपरीत परिस्थिति में भी जलाए रखना चाहता है।

भाषा बोध :

क. नीचे लिखे शब्दों में विशेषण और विशेष्य अलग-अलग लिखिए :

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
घोर	अंधकार	अतीत	कल्पना
विनीत	प्रार्थना	पुनीत	भावना
अनंत	साधना	पुण्य	प्राण
स्वतंत्र	गान	तीन-चार	फूल

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :

प्रकाश	अंत
पराधीनता	भविष्य
अशांति	हार
पाप	जलना
विदेश	असमान

पाठ 14 : संघर्ष

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. पानी में अमृत वाले तत्व को वही जानता है जो धूप में खूब पसीना बहा चुका है।
2. लहरों में तैरने का जिन्हें अभ्यास होता है, वे ही मोती लेकर बाहर आते हैं।
3. महाभारत के युद्ध में पांडवों की जीत इसलिए हुई थी क्योंकि लाक्षागृह की मुश्किलों और वनवास के जोखिम ने उन्हें साहसी और पराक्रमी बना दिया था ।
4. साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि दूसरे लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं ।
5. जिंदगी में पूँजी लगाने का अर्थ – जिंदगी के संकटों का सामना करना है।

लिखित :

1. जिंदगी के असली मजे उनके लिए हैं जो मनुष्य हिम्मत नहीं हारते और विभिन्न प्रकार के संघर्ष करके सफलताओं का ताज पहनते हैं।
2. चाँदनी की ताजगी और शीतलता का आनंद वह मनुष्य लेता है जो दिनभर, धूप में थककर लौटा है और जिसका मन यह जानकर संतुष्ट है कि दिनभर का समय उसने किसी अच्छे काम में लगाया है।

3. 'त्यकतेन भुञ्जीथा' का अर्थ है जीवन का भोग त्याग के साथ करो। संयम से भोग करने पर जीवन में जो आनंद प्राप्त होता है, वह निरा भोगी बनकर भोगने से नहीं मिलता।

4. जिंदगी की दो सूरतें हैं। एक तो यह कि मनुष्य अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए असफलताओं से न घबराए और डटकर उनका सामना करें। दूसरी सूरत है कि उन लोगों का हमजोली बन जाए जो न बहुत अधिक सुख पाते है, न ही दु:ख पाने का संयोग है।

5. अर्नाल्ड बेनेट ने जिंदगी के संघर्ष के विषय में लिखा है जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी समय में जिंदगी की चुनौती को वह कबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता।

6. इस कथन में पूँजी लगाने का अर्थ है संकटों का सामना करना। हमें अपने जीवन में असफलताओं से हार न मानकर संघर्ष करते रहना चाहिए। हम जीवन में जितने संघर्ष और संकटों का सामना करेंगे उतना ही अपने लक्ष्य के समीप पहुँच जायेंगे।

7. मनुष्य को कामना का दामन छोटा नहीं करना चाहिए क्योंकि मनुष्य अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए यदि संघर्ष करेगा तो अवश्य सफलता प्राप्त करेगा।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) जो पाँव भीगने के खौफ से पानी से बचते हैं।
2. (स) हिम्मत
3. (ब) बिल्कुल निडर व बेखौफ होती है।

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. सुख, आराम
2. संयम
3. हस्तियाँ
4. संघर्ष
5. जोखिम

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. असत्य

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. शीतलता : ठंडक – गर्मी के मौसम में ठंडी हवा बहुत शीतलता प्रदान करती है।
2. संयम : धैर्य – हमें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करने के साथ संयम भी रखना चाहिए ।
3. जोखिम : खतरा – बच्चे को डूबने से बचाने के लिए यात्री ने अपनी जान जोखिम में डाल दी।
4. बेखौफ : निडर – सीमा पर सैनिक बेखौफ होकर हमारे देश की रक्षा करते हैं।
5. संघर्ष : स्पर्द्धा – संघर्ष ही जीवन है।

ख. निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए :

1. वीरता, शीतलता
2. चौकीदार, पहरेदार
3. सैनिक, दैनिक
4. दयनीय, गोपनीय

ग. निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए :

1. संभावना, सदैव
2. उपयोगी, उपदेश
3. प्रभात, प्रधान
4. अपमान, अपकार

घ. वाक्यों से अकर्मक व सकर्मक क्रिया छाँटकर लिखिए :

1. सकर्मक क्रिया
2. अकर्मक क्रिया
3. अकर्मक क्रिया
4. सकर्मक क्रिया
5. सकर्मक क्रिया

ङ. शब्दों के विलोम लिखिए :

1. दोस्त
2. निराशा
3. डरपोक
4. निम्न
5. अपार
6. अंधकार

पाठ 15 : गिल्लू

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. गमले में गिलहरी का बच्चा गिर गया था जिसे खाने के लिए

कौए गमले के आस-पास घूम रहे थे।

2. गिल्लू गिलहरी का छोटा बच्चा था।
3. लेखिका ने गिल्लू के घाव पर रूई से रक्त पोंछकर पेनिसिलिन का मरहम लगाया।
4. भूख लगने पर गिल्लू चिक्-चिक् की आवाज निकालने लगता था।
5. लेखिका के अस्वस्थ होने पर गिल्लू ने अपना प्रिय खाद्य काजू खाना कम कर दिया।

लिखित

1. लेखिका ने गिल्लू के घाव पर रूई से रक्त पोंछकर उस पर पेनिसिलिन का मरहम लगाया और रूई की पतली बत्ती दूध में भिगोकर उसके मुँह में दूध डालने का प्रयत्न किया ।
2. लेखिका का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए गिल्लू बार-बार परदे पर तेजी से चढ़ता और उतरता था।
3. लेखिका एक बड़े लिफाफे में गिल्लू को इस प्रकार रख देती थी उसके अगले दो पंजों और सिर के अतिरिक्त सारा लघु भाग लिफाफे के भीतर बंद रहता।
4. जब गिल्लू खिड़की की जाली के पास बैठकर अपनेपन से बाहर झाँकता और फिर लेखिका की ओर देखता तब लेखिका को लगा कि उसे मुक्त करना आवश्यक है।
5. लेखिका के सभी जानवरों में गिल्लू अपवाद था क्योंकि जैसे ही लेखिका खाने के कमरे में पहुँचती, गिल्लू खिड़की से निकलकर आँगन की दीवार, बरामदा पार करके मेज पर पहुँच जाता और लेखिका की थाली में से एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता रहता।
6. गर्मी से बचने के लिए गिल्लू लेखिका के पास रखी सुराही पर लिपट जाता जिससे उसे ठंडक मिलती रहती।
7. गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती। दिनभर जब गिल्लू ने न कुछ खाया न बाहर गया तब लेखिका को अनुमान हुआ कि अब गिल्लू का अंत आ गया है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) गिलहरी का बच्चा
2. (अ) नीले काँच की मोतियों जैसी
3. (ब) काजू
4. (स) दो वर्ष

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. निश्चेष्ट 2. क्रियाकलाप 3. आकर्षित

4. बसंत 5. अंत

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य

4. असत्य 5. असत्य

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित विस्मयादिबोधक शब्दों से वाक्य बनाइए :

1. छिः वहाँ कितनी गंदगी है।
2. हाय ! चोर उसका सब कुछ लूट कर ले गए।
3. आह ! कल का खेल बहुत मनोरंजक था।
4. उफ ! सीमा की कमर में गिरने से चोट आ गई ।
5. अच्छा ! तुमने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की।
6. बाप रे ! कितनी तेज वर्षा हो रही है।

ख. निम्नलिखित वाक्यों से उद्‌देश्य व विधेय छाँटकर लिखिए :

	उद्‌देश्य	विधेय
1.	दो कौए	गमले के चारों ओर खेल रहे थे ।
2.	गिलहरी का बच्चा	घोसलें से गिर पड़ा है।
3.	दूध की बूँदें	दोनों ओर लुढ़क गई।
4.	बाहर की गिलहरियाँ	खिड़की के पास आकर चिक्-चिक् करती।
5.	गिल्लू	अपने झूले से उतरकर दौड़ता

ग. पाठ में आए विशेष्यों को विशेषण सहित लिखिए :

1.	छोटा-सा	बच्चा

2. सुलभ आहार

3. नन्हें से मुँह

4. नीले काँच

5. लंबे लिफाफे

पाठ 16, गाँधी जी के जन्मदिन पर

पाठ बोध

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. गाँधी जी पुनः जन्म लेकर दुखियों और पीड़ितों को सहारा देना चाहते हैं ।
2. गाँधी जी चाहते हैं कि संसार दीन-दुखियों, पीड़ितों और शोषितों के दुःख-दर्द को समझे और उनकी सहायता करें।
3. 'हारे हुओ की खोज' से गाँधी जी का तात्पर्य है कि जो लोग जीवन में असफलताओं के कारण हार चुके हैं, वे उन्हें ढूंढकर उनका मनोबल बढ़ाएंगे तथा उन्हें जीवन में संघर्ष के साथ जीना सिखाएंगे।
4. ज्योति की मशाल का तात्पर्य यहाँ भारत देश की स्वतंत्रता से है। स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए गाँधी जी को अनेक यात्नाओं का सहना पड़ा, उन्हें अनेकों बार जेल भी जाना पड़ा, पर वे अंग्रेजों के अत्याचारों से डरे नहीं और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते रहे।
5. गाँधी जी सच्चे देशभक्त थे। उन्होंने सत्य और अहिंसा की राह पर चलकर भारत को स्वतंत्रता दिलाई। उन्होंने भारतीयों को भारत के उत्पादों से पहचान कराई। कपड़ा, नमक आदि वस्तुओं के लिए भारतीय अंग्रेजों पर निर्भर रहते थे। गाँधी जी ने खादी वस्त्रों को प्रारंभ कर और नमक आंदोलन से भारतीयों को आत्मनिर्भर बनाया ।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) लँगड़ा कर चलते लोगों को
2. (द) 'अ' और 'ब' दोनों

3. (स) आशा की किरण से

4. (ब) अंग्रेजी शासकों से

5. (ब) फिर जन्म लेने का

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :

उक्त पंक्तियों में कवि ने गाँधी जी के संघर्ष और बलिदान का उल्लेख किया है। स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए गाँधी जी ने अनेक प्रकार के अत्याचार सहे पर वह मुश्किलों से डरे नहीं बल्कि डटकर भारत की स्वतंत्रता प्राप्त के लिए लड़ते रहे।

भाषा-बोध :

क. तत्सम और तद्भव शब्द ढूँढकर लिखिए :

तत्सम	**तद्भव**
प्रार्थना	घोंटा
अनुल्लंधय	टटकी
अगन	बंदूकों
क्षत-विक्षत	भट्ठियों

ख. निम्न विशेष्य शब्दों के लिए दो-दो विशेषण लिखिए :

1. छोटा, बड़ा
2. उचटती, तरसती
3. सुखी, खुशहाल
4. महा, भव
5. राज, महा

पाठ 17 : व्यवहार कुशलता

पाठ बोध

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. विचारों के लेन-देन में यह बात निश्चित है कि जैसा व्यवहार हम दूसरों के साथ करेंगे वैसा ही व्यवहार वो हमारे साथ करेंगे।
2. यदि समाज में रहने वाले लोग एक-दूसरे से अच्छा व्यवहार करते हैं तो समाज में सुख शांति रहती है।

3. अपने साथियों के सुख दुःख में सदैव उनका साथ देना, यही अच्छे और सभ्य व्यवहार का गुण है।
4. अपने मृदु व्यवहार के कारण हमें अड़ोस-पड़ोस से भी प्रशंसा मिल सकती है।
5. ओछा और तुच्छ कार्य करने वाले लोग दूसरों की नजरों में गिर जाते हैं।

लिखित :

1. समाज में हम अपने सगे-संबंधियों, पड़ोसियों, मित्रों, परिचितों तथा बहुत से अपरिचित व्यक्तियों से मिलते हैं और उनके साथ अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।
2. सुखी व शांतिपूर्वक जीवन व्यतीत करने के लिए व्यवहार में कुशलता प्राप्त करना आवश्यक है।
3. समाज में सम्मान पाना हमारे व्यवहार पर निर्भर करता है। व्यवहार कुशलता सामाजिक जीवन में लोकप्रियता के द्वार खोल देती है, इसी से सफलता और समृद्धि प्राप्त होती है।
4. 'व्यवहार में स्पष्टवादिता जरूरी है-इस कथन से आशय है कि हम जो कार्य कर सकते हैं उसके लिए ही अपनी स्वीकृति देनी चाहिए। झूठे वादे करके हम कभी भी सम्मान नहीं पा सकते।
5. लेखक कहते हैं दूसरों से बातें करते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हम केवल काम की बात करें, व्यर्थ की बातें करके अपना और दूसरे दोनों का अमूल्य समय नष्ट होता है।
6. समय का पालन करके हम समय की निदर्यता का शिकार होने से तो बच जाते हैं साथ ही उन्नति के शिखर को भी पार कर सकते हैं। अनुशासित व्यवहार सभ्य जीवन की पहचान है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) कर्मक्षेत्र
2. (ब) मनुष्यता
3. (स) व्यवहार कुशलता
4. (द) तिरस्कार
5. (स) अनुशासित व्यवहार

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. समृद्धि 2. कुशलता 3. व्यवहार
4. अमूल्य 5. अनुशासित

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य
4. असत्य 5. असत्य

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए :

1. सफलता 2. कुशलता 3. मधुरता
4. उज्जवलित 5. उच्चतम

ख. वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए :

1. सामाजिक 2. शिष्टाचार 3. समुचित
4. अमूल्य 5. अनुशासित

ग. निम्नलिखित वाक्यों में अल्पविराम लगाइए :

1. हमारे व्यवहार में बनावटी शिष्टाचार, दिखावापन नहीं होना चाहिए।
2. सीता की खोज में राम, लक्ष्मण भटकते रहे ।
3. सूरज, चाँद, चाँदनी तथा तारे सभी सदैव हमारे साथ रहते हैं ।
4. दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन और दुर्गा पूजा हिंदुओं के धार्मिक त्यौहार है।

घ. ऐसे शब्द लिखिए जिनमें 'इक' प्रत्यय जुड़ा हो ।

1. धार्मिक 2. श्रमिक 3. पौराणिक
4. शाब्दिक 5. सैनिक 6. मानसिक

पाठ 18 : खूनी हस्ताक्षर

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. कवि उस खून को पानी और निरर्थक मानते हैं जो गुलामी के

खिलाफ खौल नहीं उठता और जिस खून में देशभक्ति की भावना नहीं है।

2. सुभाषचंद्र बोस देश की स्वतंत्रता के लिए कुर्बानी माँग रहे थे।

3. साहसी युवकों ने अपने रक्त से हस्ताक्षर किए। जब सुभाषचंद्रबोस ने यह नारा दिया। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा तब सैकड़ों साहसी लोगों ने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

4. स्वतंत्रता के लिए हमें अपना तन, मन, धन, जन, जीवन सब देश के हित के लिए समर्पित करना होगा।

5. सुभाषचंद्र बोस द्वारा खून माँगने पर सभा में उथल-पुथल मच गई। इंकलाब जिंदाबाद के नारों से पूरा वातावरण गूँज उठा और अनगिनत साहसी युवकों का स्वर गूँजने लगा कि 'हम देंगे खून' और सभी देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए तैयार दिखने लगे।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) बलिदान
2. (ब) कुर्बानी
3. (ब) खून से
4. (अ) आजादी

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1. प्र. 1 का उत्तर लिखें ।
2. आजादी .... जाता है।

   प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं कि आजादी के लिए लड़ाई पैसों से नहीं जीती जाती यह स्वतंत्रता की लड़ाई तो धरती माँ के चरणों में अपना सिर कटाकर जीती जाती है। अपने प्राणों का बलिदान देकर ही आजादी की लड़ाई जीत सकते हैं ।

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

1. पराधीनता	2. गुलामी	3. ग्रहण
4. कठिन	5. पुराना	6. डर

ख. शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. कुर्बानी : बलिदान – भारत की आजादी के लिए बहुत से महान लोगों ने अपने प्राणों की कुर्बानी दी है।
2. इतिहास : बीता हुआ समय – इतिहास में कई राजाओं ने भारत पर राज किया।
3. रक्तिम : ललिमायुक्त – प्रातःकाल का सूरज रक्तिम बहुत सुंदर प्रतीत होता है।
4. उज्जवल : अच्छा – राधा अपने उज्जवल भविष्य के लिए परीक्षा में कड़ी मेहनत कर रही है।
5. रणवीर : योद्धा – युद्ध में सैनिक रणवीरों की तरह लड़े।

अभ्यास प्रश्न पत्र - I

क. रिक्त स्थान भरिए :

1.	भूरे	2.	आदर्शवादी	3.	मानसिक
4.	सहारे	5.	नैरोबी		

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1.	सत्य	2.	सत्य	3.	सत्य
4.	सत्य	5.	असत्य		

ग. सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (अ) मर चुके थे।
2. (स) आशारूपी लता का
3. (अ) मुंबई को
4. (ब) केवल वाणी एवं कर्म से
5. (अ) मनुष्य बनने के लिए

घ. स्वयं कीजिए ।

ङ. स्वयं कीजिए ।

च. स्वयं कीजिए ।

छ. स्वयं कीजिए ।

ज. 1. के पास 2. के पश्चात् 3. के द्वारा

झ. पीछे से लें **ट. स्वयं कीजिए**

ञ. पीछे से लें **ठ. स्वयं कीजिए**

अभ्यास प्रश्न पत्र - II

क. रिक्त स्थान भरिए :

1. अग्रसर 2. 1857 3. मच्छर

4. मुश्किल 5. उल्लास

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य

4. सत्य 5. असत्य

ग. सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (अ) प्लासी का युद्ध
2. (अ) मच्छर
3. (स) आपका प्रियतम कौन है।
4. (स) फर्श के नीचे
5. (स) 15 अगस्त 1947

घ., ङ., च., छ., ज., झ., ञ., ट., ठ., ड., स्वंय कीजिए

अभ्यास प्रश्न पत्र - III

क. रिक्त स्थान भरिए :

1. पर्दा 2. हजारों 3. विशेषज्ञ

4. क्रांति 5. सुई

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. असत्य 5. सत्य

ग. सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) खुरदरी, टाट जैसी मोटी
2. (अ) 37 वर्ष की उम्र में
3. (अ) जल का
4. (स) 24 जनवरी 1966
5. (स) दीये को

घ., ङ., च., छ., ज., झ., ञ., ट., ठ., ड., स्वंय कीजिए

अभ्यास प्रश्न पत्र - IV

क. रिक्त स्थान भरिए :

1.	संयम	2.	निश्चेष्ट	3.	लंगडाते
4.	व्यवहार	5.	अमूल्य		

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1.	सत्य	2.	असत्य	3.	असत्य
4.	सत्य	5.	असत्य		

ग. सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) बिल्कुल निडर व बेखौफ होती है
2. (स) काजू
3. (स) अत्याचारियों से
4. (अ) कर्मक्षेत्र
5. (स) बलिदान

घ., ङ., च., छ., ज., झ., ञ., ट., ठ., ड., स्वंय कीजिए

हिन्दी 8

पाठ 1 : भारतवर्ष

पाठ-बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. भारतवर्ष में हिमालय के समान मनोहर पर्वत तथा गंगा जैसी पवित्र नदियाँ हैं। इसलिए इस देश को प्रकृति का लीला-स्थल कहा गया है।
2. भारत देश संसार का सबसे पुराना देश है। कवि ने भारत देश को वृद्ध और संसार का सिरताज प्रमाणित किया है।
3. भारत के निवासियों को आर्य अर्थात् ऋषिगण, आचार्य, गुरू कहा गया है। भारतवासी सभ्यता, विधा और कला-कौशल के आचार्य माने जाते हैं।
4. कवि के अनुसार यह देश विधा, कला कौशल और सभ्यता में संसार का शिरोमणि था और वर्तमान समय में इन्हीं बातों का सोचनीय अभाव हो गया है। जो आर्य जाति कभी संपूर्ण संसार को शिक्षा देती थी उनकी पीढ़ी अवनति की ओर बढ़ रही है।
5. भारतवर्ष के लोगों का उद्भव ऋषिगणों और आचार्यों से माना गया है। ऋषिगण जहाँ यज्ञ और हवन करते थे वहीं से भारतवर्ष की उत्पत्ति हुई है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (ब) भारत
2. (स) पुण्य लीला स्थल
3. (अ) आर्य

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1. हाँ, वृद्ध .... और है ?

   प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं कि भारत संसार का सबसे पुराना देश है। भारतवर्ष प्राकृतिक सौंदर्य के साथ नैतिकता के क्षेत्र में भी अतुलनीय है इसलिए कवि भारत को संसार का सिरताज कहते हैं।

2. यह पुण्यभूमि.................... आचार्य है।

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने भारत को वह पुण्यभूमि कहा है जहाँ आर्य अर्थात् ऋषिगण निवास करते थे जो संपूर्ण संसार को शिक्षा देते थे। कवि कहते हैं कि यहाँ के निवासी विधा, कला-कौशल, सभ्यता के गुरू हैं।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित के लिए दो-दो पर्यायवाची लिखिए :

1. पहाड़, पर्वत
2. संसार, दुनिया
3. गुरू, अध्यापक
4. यज्ञ, हवन

ख. कविता से छाँटकर नीचे दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए:

1. भारतवर्ष
2. विस्तार
3. आचार्य
4. डोलती

ग. कविता से अनुप्रास अलंकार के उदाहरण दीजिए :

1. 'हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही **सं**सार का **सि**रमौर है'
2. विद्या **क**ला-**कौ**शल्य सबसे जो प्रथम आचार्य हैं,
3. **शु**भ **शां**तिमय **शो**भा यहाँ भव बंधनों को खोलती।

पाठ 2 : कठोर शिक्षा

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. चारों भाई हुनरमंद व पढ़े-लिखे थे।
2. चारों भाई अपनी पुरानी खानदानी इज्जत को बनाए रखने के लिए नौकरी या काम-धंधा नहीं कर पा रहे थे।
3. कुंजाडिन फलियाँ खरीदने आती थी।
4. मेहमान ने सहिजन के पेड़ को जड़ से काट दिया था, इसलिए वह अंधेरे में ही चला गया।
5. पेड़ कटने पर भाइयों ने नौकरी और काम-धंधा करना शुरू कर दिया।

लिखित :

1. चारों भाइयों की धन-दौलत व जायदाद बरबाद हो गई थी। बीबी-बच्चों का जेवर भी उन्होंने बेच दिया था। अपनी खानदानी इज्जत को बनाए रखने के लिए वह नौकरी या काम-धंधा नहीं कर पाते थे इसलिए एक समय आया कि उनको खाने-पीने के लाले पड़ गए।
2. घर के पास बगीचे में एक सहिजन का पेड़ था। चारों भाई देर रात उस पेड़ की फलियाँ कुंजडिन को बेच देते थे। उन्हीं पैसों से उनके परिवार का गुजारा चलता था।
3. मेहमान के साथ भोजन न करने के लिए बड़े भाई ने कहा कि उसका सोमवार का व्रत है, दूसरे भाई ने पेट दर्द का बहाना बनाया, और तीसरे भाई ने अपने दोस्त के यहाँ दावत में जाने का बहाना बनाया।
4. मेहमान ने देखा कि किस प्रकार खानदानी इज्जत के लिए चारों भाई एक पेड़ के भरोसे अपना गुजारा कर रहे हैं। यदि वह पेड़ न रहे तो सभी भाई मेहनत करके रोजी-रोटी कमाएँगे, यही सोचकर मेहमान ने पेड़ काट दिया।
5. बगीचे में सहिजन का कटा हुआ पेड़ देखकर सभी परिवारजनों को ऐसा लगा जैसे घर का सहारा देने वाला बुजुर्ग चला गया हो, इसलिए परिवार में मातम फैल गया।
6. चारों भाइयों की बस्ती में अच्छी इज्जत थी। अपने खानदान और अपनी ईमानदारी के लिए वह काफी मशहूर थे। इसी कारण उन्हें नौकरी मिल गई।
7. चारों भाई यह अच्छी तरह समझ गए थे कि मेहमान ने बगीचे का पेड़ गिराकर उनकी गिरी हुई किस्मत को ऊँचा उठाया था और पेड़ काटने के पीछे मेहमान की नेकनीयती थी, इसलिए मेहमान के दोबारा आने पर भाइयों ने उसकी खातिरदारी की।
8. मेहमान ने पेड़ काटकर बिल्कुल सही किया क्योंकि चारों भाई हुनरमंद और पढ़े-लिखे होने के बाद भी बनावटी इज्जत के लिए एक मामूली पेड़ के भरोसे अपना गुजारा कर रहे थे। पेड़ कटने

के बाद ही चारों भाइयों ने नौकरी और काम-धंधा शुरू किया जिससे उनकी घर की हालत अच्छी हो गई।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) बीवी-बच्चों के जेवर
2. (ब) सहिजन की फलियाँ
3. (द) 'ब' व 'स' दोनों

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. सत्य

घ. किसने, किससे कहा ?

1. बड़े भाई ने मेहमान से
2. कुंजाड़िन ने बड़े भाई से
3. बड़े भाई ने कुंजाडिन से
4. बुढ़िया ने भाइयों से
5. भाइयों ने मेहमान से

भाषा बोध :

क. 1. कई दिनों तक भोजन न मिलना
2. कायर
3. पुश्तैनी
4. गुण की पहचान करने वाला
5. फायदा
6. आलस्य

ख. अनेक शब्दों के लिए एक-शब्द लिखिए :

1. दूरदर्शी
2. हुनरमंद
3. कद्रदाँ
4. फाकाकशी
5. आलसी

ग. निम्नलिखित में अकर्मक और समर्कक क्रिया छाँटकर लिखिए :

1. सकर्मक क्रिया
2. अकर्मक क्रिया
3. सकर्मक क्रिया
4. अकर्मक क्रिया
5. सकर्मक क्रिया

घ. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए :

1. सम्मान
2. निर्धन

3. सज्जन   4. प्रोढ़

5. अहंकार   6. उन्नति

पाठ 3 : मेरी मौत पर

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. लेखक इस बात को दुर्भाग्य मानता है कि वह इतवार के दिन मरा था।
2. लेखक की पत्नी को उसकी जेब से तीस पैसे और बैंक पासबुक मिली।
3. लेखक ने हैडमास्टर से सौ रुपए उधार ले रखे थे, इसलिए लेखक के मर जाने पर हैडमास्टर खूब रोए।
4. तीसरे आदमी से लेखक को ट्यूशन के पैसे लेने थे। लेखक के मर जाने पर अब उसे पैसे देने नहीं पड़ेंगें इसलिए वह खुश था।
5. एक प्रशिक्षित अध्यापक को नियुक्त करके विद्यालय में लेखक की क्षतिपूर्ति की गई।

लिखित

1. लेखक की मृत्यु पर मौहल्ले के लोगों ने उनकी पत्नी को समझाया कि 'मरने वाले के पीछे नहीं रोते। अभी तुम्हारी उम्र ही कितनी है'।
2. लेखक के शव को कंधा देने वाला पहला आदमी उनका धोबी था। लेखक के शव को देखकर वह बोला कि उसे लेखक हमेशा याद रहेगा क्योंकि उनका एक कुर्ता धोने में एक बट्टी साबुन लगता था और उनका उजला कफन देखकर उसे बहुत रोना आ रहा है।
3. लेखक की मृत्यु इतवार के दिन हुई थी जिस कारण सभी की छुट्टी बेकार हो गई थी, इसलिए स्कूल मास्टर लेखक को मन ही मन गालियाँ दे रहा था।

4. लेखक के जनाजे के पीछे एक जुलूस था, जिसमें सौ-डेढ़ सौ विद्यार्थी थे, जिन्हें हैडमास्टर ने एकस्ट्रा क्लास के लिए बुलाया था। अपने पीछे इतनी लंबी भीड़ देखकर लेखक को अपना जनाजा राजनैतिक जनाजे से कम नहीं लगा।
5. विद्यालय में हुई शोकसभा में हैडमास्टर ने दु:ख प्रकट करते हुए कहा कि भगवान ने उनके बीच में से एक ऐसे शिक्षक को उठा लिया जिनका जीवन स्कूल विद्यार्थी और नई पीढ़ी के विकास के लिए आवश्यक था और इस क्षति की भरपाई असंभव है।
6. एक दैनिक समाचार पत्र में लेखक की मृत्यु का समाचार इस प्रकार छपा था-''पिछले रविवार को हृदय गति रूक जाने से श्री 'ब' महोदय का देहावसान हो गया। उनकी शवयात्रा में विद्यार्थी की संख्या अधिक थी, वे अपने पीछे पाँच रूपए का प्रोविडेंट फंड और एक सुन्दर पत्नी छोड़ गए हैं।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) एक दिन की छुट्टी बेकार हो गई
2. (द) पाँच रूपए चालीस पैसे
3. (द) 'ब' व 'स' दोनों
4. (द) 'अ' व 'स' दोनों

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. दुर्भाग्य
2. पासबुक
3. सवा रूपए
4. नेताओं
5. आत्मा

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. असत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. असत्य

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित उर्दू शब्दों के शुद्ध हिंदी रूप लिखिए :

1. मजबूरन
2. अरथी

3. मृत्यु पर शव को ढकने वाला कपड़ा   4. आदत

5. आस-पड़ोस, कालोनी   6. सहन

ख. निम्नलिखित शब्दों को छाँटकर लिखिए :

तत्सम	**तद्भव**	**देशज**	**विदेशी**
विद्यालय	इतवार	साबुन	एकस्ट्रा
दुर्भाग्य	जुलूस	कमीज	बैंक
उम्र	राशन	छुट्टी	पासबुक
विद्यार्थी	समाचार-पत्र		फुलपैंट
शिक्षक	श्मशान		हैडमास्टर
क्षति	शोक		थ्री टायर
संस्कार	साँस		प्रोविडेंट फंड
			स्कूल

ग. निम्नलिखित वर्णों को मिलाकर शब्द लिखिए :

1. छुट्टी   2. दहाड़
3. मौत   4. ब्याज
5. परमात्मा

घ. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए :

1. एक दिन की छुट्टी बेकार हो जाएगी।
2. मेरी पत्नी मेरी जेबें टटोल रही है।
3. शहर में मरने वालों की संख्या बहुत अधिक थी।
4. उसका उजला कफन देखकर मुझे भी रोना आ रहा था।
5. वह मेरी लाश से लिपट-लिपटकर रोएगा।

पाठ 4 : मेरा नया बचपन

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. कवयित्री बचपन में निश्चित और निडर होकर खेलती थी। जब भी वह रोने और मचलने लगती तब उनकी माँ उन्हें पुचकार कर

शांत कर देती थी। इन्हीं मीठी और प्यारी यादों के कारण कवयित्री को अपना बचपन बार-बार याद आता है।

2. बचपन में निश्चित होकर खेलना-कूदना, खाना-पीना, निडर होकर आजादी से घूमना-फिरना, निस्वार्थ और पवित्र मन से सबसे मिलना, बचपन का यही बेजोड़ आनंद कवयित्री को भुलाए नहीं भूलता।

3. बचपन बहुत ही भोला-भाला, प्यारा, सरल और सुलझा हुआ होता है। बचपन में किसी के प्रति राग-द्वेष, ईर्ष्या या स्वार्थ की भावना नहीं होती। मन की इसी पवित्रता के कारण बचपन को निष्पाप कहा गया है।

4. कवयित्री में नया बचपन उनकी बेटी के रूप में आया। जब कवयित्री की बेटी ने अपनी मीठी और तोतली आवाज में उन्हें मिट्टी खाने को कहा तब वह जिस बचपन को बरसों से खोज रही थी उन्हें अपनी बेटी के रूप में मिल गया।

5. अपने नए बचपन में कवयित्री अपनी बेटी के साथ खेलती, उसके साथ तुतलाकर बोलती और स्वयं भी बच्चा बन जाती।

6. कविता को पढ़कर हमारा मन भी भावविभोर हो गया क्योंकि बाल्यावस्था के अतुलित आनंद के अनुभव से कोई भी अछूता नहीं रह पाता है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) बचपन की   2. (द) आनंद

3. (द) प्रफुल्लित हुआ   4. (द) अपने बचपन की

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1. आ जा ....विश्रांति।

   प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री अपने बचपन को याद कर रही है। वह चाहती है कि उनके बचपन का सुख-चैन फिर से लौट आए जिसकी पवित्रता से उनके मन की बैचेनी और पीड़ा शांत हो जाए।

2. मैं बचपन ....कुटिया मेरी।

उक्त पंक्तियों में कवयित्री कहती हैं कि जब वह अपने बचपन को याद कर रही थीं तभी उनकी छोटी सी बेटी की मीठी आवाज से उनका छोटा-सा घर गूँज उठा।

भाषा बोध

क. कविता के आधार पर निम्नलिखित पंक्तियों में उपयुक्त विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए :

1. माँ ओ ! कहकर बुला रही थी,
   मिट्टी खाकर आई थी,
   कुछ मुँह में, कुछ लिए हाथ में,
   मुझे खिलाने आई थी।
2. मैंने पूछा-यह क्या लाई ?
   बोल उठी वह-माँ काओ,
   हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से,
   मैंने कहा- तुम ही खाओ।

ख. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग व प्रत्यय अलग कीजिए :

शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय
बचपन	-	पन
खेलना	-	ना
निर्भय	नि	-
अतुलित	अ	-
प्राकृत	प्रा	-
विश्रांति	वि	-
संताप	सम्	-
प्रफुल्लित	-	इत
सरलता	-	ता
खुशी	-	ई

ग. संधि-विच्छेद कीजिए :

1. आ + नंद   2. निर + मल

3. निर + भय 4. स्व + छंद

5. सम् + ताप

पाठ 5 : शुद्ध पर्यावरण

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. पर्यावरण का अर्थ है–हमारे चारों ओर भौतिक वस्तुओं का फैलाव।
2. नाइट्रोजन और ऑक्सीजन।
3. अशुद्ध वायु में साँस लेने से हम फेफड़ों की अनेक बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं। जैसे:–दमा, तपेदिक, केंसर आदि।
4. अशुद्ध जल के सेवन से हैजा, पेचिश तथा पेट की अनेक बीमारियाँ हो सकती हैं।
5. जब लोग कूड़ा–करकट इधर–उधर फेंक देते हैं तो इससे भूमि प्रदूषित होती है।

लिखित

1. हमारे चारों ओर वायु का आवरण, भूमि, पानी पेड़–पौधे, सूर्य का ताप एवं किरणें यह सभी वस्तुएँ पर्यावरण में आती हैं।
2. प्रातःकाल में लोग बाग–बगीचे में सैर करने जाते हैं क्योंकि बाग–बगीचों की वायु शुद्ध होती है और अच्छे स्वास्थ्य के लिये वायु का शुद्ध होना अति आवश्यक है।
3. अशुद्ध वायु में कार्बन–डाई–ऑक्साइड, धूल के कण तथा विषैले पदार्थों के कण अधिक पाए जाते हैं।
4. यदि वायु में ऑक्सीजन की मात्रा कम होगी तो वह रक्त को ठीक ढंग से शुद्ध नहीं कर पाएगी जिससे हम फेफड़ों की अनेक बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं।
5. कल कारखानों की चिमनियों से निकलता धुँआ, सड़कों पर चलने वाले वाहनों से निकलता हुआ धुँआ तथा गंदगी के कारण उनसे निकलने वाले विषैले तत्वों से वायु प्रदूषित हो जाती है।

6. पेड़-पौधें कार्बन-डाई-ऑक्साइड गैस को ग्रहण करके ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। पीपल व नीम के वृक्ष तथा तुलसी का पौधा वायु को शुद्ध करने में बहुत सहायक है।
7. नदी में तथा नदी के किनारे नहाना, जानवरों को नहलाना, कपड़े धोना तथा उसमें गंदगी प्रवाहित करना जल को अशुद्ध बनाता है। जब जल में कूड़ा-करकट, कल-कारखानों से निकले विषैले रसायन मिल जाते हैं तब भी जल प्रदूषित हो जाता है।
8. वाहनों, कल-कारखानों, मशीनों, लाउडस्पीकरों, रेलों, हवाईजहाज आदि के शोर ध्वनि प्रदूषण के कारण है। ध्वनि प्रदूषण के कारण सिर दर्द, चिड़चिड़ापन तथा बैचेनी अनुभव होती है जिसके कारण हृदय, श्वास, रक्तचाप आदि रोग हो जाते हैं।
9. पर्यावरण को शुद्ध एवं स्वच्छ रखने के लिए हमारा कर्तव्य बनता है कि हम अपने घरों का कूड़ा-करकट कूड़ेदान में ही फेंकें तथा आस-पास के स्थानों, सड़कों तथा सार्वजनिक स्थानों को साफ रखें। इसके साथ ही अधिक वृक्ष लगाएँ और पहले से लगे हुए वृक्षों को हानि न पहुँचाए।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) हमारे स्वास्थ्य से
2. (स) ऑक्सीजन
3. (ब) पीपल
4. (अ) गंगा एवं यमुना
5. (ब) पेड़-पौधे

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. शुद्ध
2. नाइट्रोजन
3. अभाव
4. ध्वनि
5. कीटाणु

भाषा-बोध

क. निम्नलिखित भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. अनल : आग - मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए वृक्षों को भी अनल लगा देता है।

   अनिल : वायु - प्रातःकाल की अनिल शुद्ध होती है।

2. आदि : आरम्भ – आदिकाल से ही मनुष्य प्रकृति के नियमों का उल्लंघन करता आया है।

आदी : आदत होना – सचिन रोज़ सुबह देर से उठने का आदी हो गया है।

3. अपकार : बुरा कार्य – सेठ ने सीताराम का खेत छीनकर उस पर बहुत अपकार किया।

उपकार : सहायता करना – मीनू ने समय पर अस्पताल में पैसे भरकर राजू पर उपकार किया।

4. नीर : पानी – हमें सदा स्वच्छ नीर पीना चाहिए और उसे व्यर्थ नहीं करना चाहिए।

नीड़ : घोंसला – पीपल के पेड़ पर गौरया का नीड़ है।

ख. विलोम शब्द लिखिए :

1. लाभदायक	2. अशुद्ध
3. प्रातःकाल	4. अपार
5. अमृत	6. वैयक्तिक

ग. उचित कारक चिह्नों का प्रयोग कर रिक्त स्थान भरिए :

1. का	2. के लिए
3. के	4. पर
5. में	

घ. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए :

1. प् + अ + र् + य् + आ + व् + अ + र् + अ + ण्
2. व् + आ + य् + उ
3. र् + अ + क् + अ + त् + अ
4. प् + र् + अ + द् + ऊ + ष् + इ + त् + अ
5. भ् + ओ + ज् + अ + न् + अ
6. व् + य् + अ + क् + त् + इ

पाठ 6 : उद्यमी नर

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. प्रकृति के भीतर छिपे खजाने को मनुष्य कठोर परिश्रम करके प्राप्त कर सकता है।
2. कवि कहते है कि मनुष्य अपना भाग्य निर्माण केवल पुरूषार्थ और कठोर परिश्रम से ही कर सकता है। मनुष्य संघर्षों से लड़कर अपने बाहुबल से ही अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता है।
3. कवि कहते हैं कि प्रकृति किसी मनुष्य के भाग्य के आगे नहीं झुकती है। वह हमेशा परिश्रमी प्राणी के परिश्रम से हारती है। परिश्रमी और पुरूषार्थी मनुष्य ही अपने मेहनत के बल पर प्रकृति में छिपे अपार धन को खोज निकालते हैं।
4. संसार में केवल आलसी लोग ही भाग्य पर निर्भर रहते हैं। जो लोग अकर्मण्य होते हैं वहीं हमेशा भाग्य-दुर्भाग्य की बातें करके दूसरे मनुष्य का सहारा लेते हैं।
5. कवि के अनुसार मेहनती मनुष्य अपने श्रम के जल से धन उपजाता है और एक आलसी मनुष्य अपने पाप कर्म द्वारा धन संचित करता है। आलसी मनुष्य अपने भाग्यवाद के छल से अन्य मनुष्य का शोषण करता है और पाप कर्म का लाभ उठाता है।
6. प्रकृति केवल उधमी और पुरूषार्थी मनुष्य के परिश्रम के आगे झुकती हैं। कवि के अनुसार जितनी भी प्राकृतिक धन-संपदा है उस पर सबसे पहला अधिकार कठोर परिश्रम करने वाले मनुष्य का है।
7. प्रस्तुत कविता में कवि ने श्रम का महत्व बताया है। इस कविता से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि यदि हम सुखमयी जीवन चाहते हैं तो हमें कठोर परिश्रम करना होगा तभी हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर पायेंगे।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) श्रम का 2. (ब) भुजबल से

3. (स) श्रम किया है।

ग. निम्नलिखित पंक्तियों के भावार्थ लिखिए :

1. इतना कुछ ....नारी–नर।

   कवि कहते हैं कि प्रकृति में वैभव और सुख का अपार खजाना छिपा है जो मेहनती मनुष्य अपने कठोर परिश्रम से प्राप्त कर सकता है और सुखी जीवन व्यतीत कर सकता है।

2. नर समाज .... नभ–तल है।

   कवि का मानना है कि नर समाज अर्थात् सभी मनुष्यों का भाग्य एक है। सभी की उन्नति मानव समाज का लक्ष्य है। परंतु प्रकृति को झुकाना केवल मेहनत और पुरुषार्थ के बल पर ही संभव है। परिश्रमी मनुष्य के आगे तो आकाश और पाताल भी झुक जाते हैं।

भाषा बोध :

क निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए :

1. उपकार	2. विनम्र
3. विशेष	4. अपमान
5. प्रचलित	6. विवाद

ख. निम्नलिखित शब्दों के तीन–तीन पर्यायवाची लिखिए :

1. मनुष्य, मानव, आदमी
2. पृथ्वी, धरा, भूमि
3. भगवान, जगदीश, विधाता
4. जल, नीर, वारि
5. पृथ्वी, धरा, भूमि
6. आकाश, गगन, आसमान

ग. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

1. भाग्यवाद	2. विनीत
3. प्रकृति	4. सर्वज्ञ
5. मनुष्य	6. सम्मुख

घ. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. भाग : हिस्सा - समीर ने सेब को दो भाग में बाँट दिया।

   शामिल होना - मीना ने विद्यालय के खेल-कूद की प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम आई।

2. अंक : संख्या - रीतू ने परिक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए।

   गोद - होलिका ने प्रहलाद को अपनी अंक (गोद) में बैठाकर जलाने का प्रयास किया था।

3. अर्थ : मतलब - कमल को कविता की कुछ पंक्तियों का अर्थ समझ नहीं आया था।

   आर्थिक - सोहन की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह स्कूल की फीस नहीं भर पाया।

पाठ 7 : क्या निराश हुआ जाए

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. समाचार पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं।
2. लेखक के अनुसार समाज में ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं।
3. आज भी समाज में मनुष्य की सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य (गुण) बने हुए हैं।
4. समाचार पत्रों में जो भ्रष्टाचार के प्रति आक्रोश है, वह यह साबित करता है कि जो गलत तरीके से धन या मान संग्रह करते हैं, हम समाज में उन तत्वों की प्रतिष्ठा कम करना चाहते हैं।
5. जिन बातों में जहाँ हमने धोखा खाया है या हमारे साथ विश्वासघात हुआ है, हमें ऐसी बातों का हिसाब नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे हमारा जीवन कष्टकर हो जाएगा।

लिखित :

1. आरोप-प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है कि देश में कोई भी ईमानदार आदमी नहीं रह गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। जो जितने ऊँचे पद पर है, उसे उतना ही दोषी पाया जाता है।
2. हमारे देश के महान मनीषियों ने महान संस्कृति-सभ्य भारतवर्ष का सपना देखा था। आर्य और द्रविड़, हिंदू और मुसलमान, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलन-भूमि 'मानव-महासमुद्र' मनीषियों के सपनों का भारत था।
3. वर्तमान स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था हिलने लगी है। ईमानदारी और सच्चाई से मेहनत करके जीविका चलाने वाले लोग पिस रहे हैं तथा झूठ और धोखा देकर रोजगार करने वाले लोग फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है:-इससे यह स्पष्ट होता है कि सच्चाई केवल डरपोक और मजबूर मनुष्यों के हिस्से में ही है।
4. हमारे देश में दरिद्रजनों की हीन अवस्था को दूर करने के लिए कुछ ऐसे कायदे-कानून बनाए गए हैं जो कृषि, उद्योग, वाणिज्य, शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति को अधिक उन्नत और सुचारू बनाने के लक्ष्य से प्रेरित हैं।
5. लेखक अपनी रेल यात्रा और बस यात्रा का वर्णन करते हुए यह बताना चाहता है कि दुनिया से सच्चाई और ईमानदारी अभी भी लुप्त नहीं हुई है। अभी भी मानव में मनुष्यता शेष हैं आज भी लोग दूसरों का दु:ख और पीड़ा को देखकर दया-माया की भावना से सहायता करते हैं।
6. लेखक के अनुसार कविवर रविंद्रनाथ ठाकुर ने अपने एक गीत में भगवान से प्रार्थना की थी कि प्रभु उन्हें ऐसी शक्ति दें कि यदि जीवन में उन्हें केवल नुकसान और धोखा ही मिले तब भी वह प्रभु पर संदेह न करें।
7. लेखक के अनुसार मनुष्य की बनाई विधियाँ गलत नतीजे पर पहुँच रही हैं तो इन्हें बदलना होगा।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) झूठ तथा फरेब का रोजगार कर रहे हैं
2. (अ) भौतिक वस्तुओं के संग्रह को
3. (स) धर्मभीरू हैं
4. (ब) आशा की

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. ईमानदार
2. फरेब
3. उपेक्षा
4. धर्म
5. महान

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. सत्य

भाषा बोध :

क. संधि विच्छेद कीजिए :

1. सम् + देह
2. सम् + ग्रह
3. सम् + यम
4. सम् + तोष
5. सदा + ऐव
6. सम् + भव

ख. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द :

1. निरीह
2. परिश्रमी, श्रमजीवी
3. गंतव्य
4. आध्यात्मिकता
5. निर्जन
6. धर्मभीरू

ग. द्वंद्व समास के दस उदाहरण लिखिए :

1. संस्कृति-सभ्य
2. भोले-भाले
3. लोभ-मोह
4. काम-क्रोध
5. मार-पीट
6. डेढ़-दो
7. बस-कंडक्टर
8. भूख-प्यास
9. सुख-दुःख
10. सीधा-सादा

घ. निम्नलिखित सरल वाक्यों को मिश्र वाक्यों में बदलकर लिखिए :

1. दुनिया में ईमानदार लोग है, उनकी संख्या कम नहीं है।
2. जो ऊँचे पद के लोग हैं, उनमें ही ज्यादा दोष पाए जाते हैं।
3. जो लोग धर्मभीरू होते हैं, वह कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते।
4. कुछ घटनाएँ ऐसी हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता।
5. जो गलत विधियाँ मनुष्य ने बनाई हैं, उन्हें बदलना होगा।

पाठ 8 : गौरेया

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. कवि ने अपना घोंसला (घर) कच्ची मिट्टी, तिनके घास और पत्तों से बनाया।
2. कवि गौरैया की सुंदरता का वर्णन करते हुए कहते हैं कि गौरैया की आँखें नीलम के रत्न के समान नीली हैं, उसके पंख सोने जैसे सुंदर हैं और उसके अंग में बिजली जैसी स्फूर्ति है।
3. गौरया कभी मटके की गरदन पर बैठकर तो कभी कपड़े टाँगने की रस्सी पर बैठकर चहक रही है।
4. गौरैया कवि के आँगन में कभी मटके पर तो कभी मुंडेर पर फुदक-फुदक कर चहक रही है। वह एक क्षण भी एक स्थान पर नहीं बैठती, उसके इसी चंचल स्वभाव को देखकर कवि उसे स्थिर होकर बैठने के लिए कहते हैं।
5. गौरया एक स्थान पर स्थिर होकर नहीं बैठती, उसके इसी चंचल और शरारती स्वभाव के कारण गौरया की माँ को उसे पालने में कठिनाई आई होगी।
6. गौरया कभी वायु की लहरों पर तो कभी पेड़ के पत्तों पर घूमती फिर रही है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) आँगन में 2. (अ) नीलम जैसी

3. (स) अपनी बहन 4. (अ) वायु की लहरों पर

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1. प्यारे मटमैले ....फर-फर।

कवि कहते हैं कि उनके मिट्टी के आँगन में एक गौरया फुदक रही है जिसकी आँखें नीलम जैसी हैं और जिसके पंख सोने के समान सुंदर हैं। बिजली सी स्फूर्ति लिए वह इधर-उधर फुदक रही है।

2. सूक्ष्म ....मर-मर।

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं कि छोटी-छोटी हवा की लहरों पर गौरेया विचरण कर रही है। हवा के प्रभाव से जब पेड़ के पत्ते हिलते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है मानों कर-कर की आवाज से कवि को बुला रहे हो।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित विशेष्यों के लिए उचित विशेषण लिखिए :

	विशेष्य	विशेषण
1.	गौरया	चंचल, छोटी
2.	आँखे	बड़ी, सुंदर
3.	लहरें	ऊँची, तीव्र
4.	नैया	मजबूत, छोटी
5.	दीवारें	कच्ची, ऊँची

ख. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए।

1. नयन, चक्षु, नेत्र 2. जननी, माता, अम्बा

3. नीर, जल, वारि 4. हवा, समीर, पवन

5. विहग, खग, परिंदा

ग. कविता की उन पंक्तियों को लिखिए जहाँ उपमा अलंकार का प्रयोग हुआ है।

1. सोने से सुंदर पर

2. अंग-अंग में बिजली-सी भर

पाठ 9 : कबीर के दोहे

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. कबीरदास जी ने समय का महत्व बताते हुए कहा है कि हमें आलस्य के कारण अपने काम कल पर नहीं छोड़ने चाहिए। जो काम आज करना है उसे अभी कर लेना चाहिए क्योंकि पता नहीं कब जीवन समाप्त हो जाए फिर हम कुछ भी नहीं कर पाऐंगे।
2. हमें अहंकार का त्याग कर दूसरों से विनम्रता से बोलना चाहिए। हमारी वाणी और वचन सुनने वाले के मन को सुख देने वाले होने चाहिए।
3. कबीरदास जी कहते हैं कि इस जगत में सत्य के मार्ग पर चलने से बड़ी कोई तपस्या नहीं हैं और ना ही झूठ बोलने से बड़ा कोई पाप है जिसके हृदय में सत्य का निवास होता है उसके हृदय में साक्षात् परमेश्वर का वास होता है।
4. गुरू और ईश्वर दोनों में पहले गुरू के चरण छूने चाहिए क्योंकि गुरू की शिक्षा और आर्शीवाद से ईश्वर के दर्शन प्राप्त हुए।
5. मिट्‌टी कुम्हार से कह रही है कि आज तू मुझे पैरों से कुचल रहा है पर एक दिन ऐसा आएगा कि तू इसी मिट्‌टी में मिल जाएगा अर्थात् मृत्यु के पश्चात् शरीर का मोल मिट्‌टी के समान हो जाता है।
6. कबीर कहते हैं कि जिस प्रकार अधिक वर्षा या अधिक धूप अच्छी नहीं होती उसी प्रकार न तो अधिक बोलना अच्छा है और न ही जरूरत से ज्यादा चुप रहना। अधिक बोलने पर लोग आपसे कतराने लगते हैं और आप अपना सम्मान खो देते हैं। अधिक चुप रहने से लोग आपको घमण्डी या मूर्ख समझने लगते हैं।
7. दूसरों की तरक्की देखकर हमें ललचाना नहीं चाहिए, न ही ईर्ष्या और जलन का भाव रखना चाहिए। हमारे पास जो है उसी में संतुष्ट होना चाहिए।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) शांति मिले
2. (अ) झूठ बोलने को
3. (अ) सत्य
4. (अ) मिट्टी से
5. (ब) ललचाना नहीं चाहिए

ग. निम्नलिखित दोहों के भावार्थ लिखिए :

1. पोथी ....होय।।

   बड़ी-बड़ी पुस्तकें पढ़कर संसार में सभी मनुष्य विद्वान नहीं बन सकते। कबीर मानते है यदि कोई प्रेम या प्यार के ढाई अक्षर का वास्तविक रूप पहचान लें वही सच्चा ज्ञानी होगा।

2. साँच बराबर.................................हिरदै आप।

   कबीर दास जी कहते हैं इस जगत में सत्य के मार्ग पर चलने से बड़ी कोई तपस्या नहीं है और ना ही झूठ बोलने से बड़ा कोई पाप है। जिसके हृदय में सत्य का निवास होता है उसके हृदय में ईश्वर का वास होता है।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध हिंदी रूप लिखिए :

1. पढ़
2. अक्षर
3. दूसरों
4. दोनों
5. मुझे
6. किसके

ख. निम्नलिखित शब्दों के लिए तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

1. शिक्षक, आचार्य, अध्यापक
2. जल, नीर, वारि
3. दिवस, वार, वासर
4. पैर, पग, पद

ग. निम्नलिखित साधारण वाक्यों को उदाहरण के अनुसार निषेधात्मक वाक्यों में बदलकर लिखिए ।

1. वह परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाया।
2. चुप रहना ठीक नहीं है।
3. आज वर्षा नहीं होगी।
4. हमारी वाणी में मधुरता नहीं होनी चाहिए।
5. हमें रूठे मित्रों को नहीं मनाना चाहिए।

पाठ 10 : कमजोर को सबक

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. यूलिया बच्चों की गवर्नेस थी।
2. लेखक के अनुसार यूलिया की तनख्वाह चालीस रूबल प्रति माह तय हुई थी।
3. नये साल के समारोह में यूलिया से चाय की प्लेट और प्याली टूट गई थी।
4. यूलिया अपनी तनख्वाह के मिले हुए ग्यारह रूबल रखने के लिए अपनी जेब टटोल रही थी।
5. इस संसार में दब्बू और डरपोक लोगों के लिए कोई जगह नहीं है।

लिखित :

1. लेखक ने यूलिया को उसकी तनख्वाह का हिसाब करने के लिए पढ़ने के कमरे में बुलाया था।
2. लेखक ने नौ इतवार और तीन छुट्टियों के साथ एक दिन की आधी छुट्टी के रूबल हिसाब में काटे।
3. लेखक ने यूलिया को बताया कि उसकी लापरवाही के कारण कोल्या पेड़ पर चढ़ गया था और वहाँ खरोंच लगने से उसकी जैकेट फट गई थी। दूसरी बार नौकरानी ने तान्या के नए जूते चुरा लिए थे।
4. पाठ के अनुसार लेखक ने अंत में यूलिया को ग्यारह रूबल का हिसाब बताया। लेखक ने इस हिसाब में यूलिया की इतवार की छुट्टी के साथ तीन दिन की छुट्टियों के पैसे, नए साल के समारोह पर यूलिया से टूटे हुए प्लेट और प्याली के पैसे ओर उसकी लापरवाही के कारण जो जैकेट और जूतों का नुकसान हुआ इन सब चीजों के लिए उसकी तनख्वाह काटी।
5. यूलिया ने इससे पहले जहाँ–जहाँ काम किया था, उन लोगों ने

उसे एक पैसा भी नहीं दिया था। लेखक ने उसे ग्यारह रूबल दिए थे इसलिए यूलिया ने लेखक को धन्यवाद दिया।

6. यूलिया जानती थी कि लेखक ने उसे धोखा देकर ठग लिया है, फिर भी यूलिया ने लेखक को धन्यवाद कहा। यूलिया ने अपने साथ हुए अन्याय का विरोध नहीं किया इसलिए लेखक को गुस्सा आया।
7. अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हमें कठोर, निर्भय और हृदयहीन संसार से लड़ना होगा।
8. हमें अन्याय को नहीं सहना चाहिए। हमें अपने अधिकार के लिए अन्याय का विरोध करना चाहिए। कमजोर, दब्बू और डरपोक लोगों के लिए इस संसार में कोई जगह नहीं है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (अ) चालीस रूबल
2. (ब) बारह नागे
3. (स) सिर्फ तीन रूबल
4. (द) उसको सबक सिखाने के लिए

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य
2. असत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. सत्य

घ. किसने, किससे कहा ?

1. लेखक ने यूलिया से
2. यूलिया ने लेखक से
3. लेखक ने यूलिया से

भाषा बोध :

क निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए :

1. तीस - संख्यावाचक विशेषण
2. पीला - गुणवाचक विशेषण
3. धीमा - गुणवाचक विशेषण
4. कठोर, निर्भय, हृदयहीन - गुणवाचक विशेषण

ख. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए वाक्य भेद के अनुसार बदलिए :

1. मैंने डायरी में सब नोट नहीं कर रखा है।
2. मेरी बीवी ने तुम्हें कब छुट्टी दी थी ?
3. अरे ! उसके मुँह से एक शब्द भी नहीं निकला।
4. शायद वे लोग मुझे कुछ पैसे दे दें ।
5. अन्याय का विरोध करो।

ग. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. आग बबूला होना : गुस्सा होना – राजू के परीक्षा में कम अंक आने पर उसके पिताजी आग बबूला हो गए।
2. चेहरा पीला पड़ना : डर जाना – पुलिस को देखकर चोरों का चेहरा पीला पड़ गया।
3. अँगूठा दिखाना : बेवकूफ बनाना – उधार दिए पैसे वापस माँगने पर चंदन ने रमेश को अँगूठा दिखा दिया।

पाठ 11 : डा० राजेंद्र प्रसाद

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. राजेन्द्र बाबू की वेशभूषा देहातियों जैसी थी।
2. लेखिका ने राजेंद्र बाबू को पहली बार पटना के रेलवे स्टेशन पर देखा था।
3. लेखिका को राजेन्द्र बाबू के संपर्क में आने का अवसर सन् 1937 में मिला था जब वे महिला विद्यापीठ महाविद्यालय के भवन का शिलान्यास करने प्रयाग आए थे।
4. डा० राजेन्द्र प्रसाद की पत्नी ने लेखिका को सूप लाने का आदेश इसलिए दिया क्योंकि फटकने के लिए सिरकी के सूप बहुत अच्छे होते हैं।
5. लेखिका के अनुसार, 'हमारा उपवास अन्य दिनों के भोजन की अपेक्षा अधिक व्ययसाध्य हो जाता है क्योंकि हम भाँति-भाँति के फल, मेवे, मिष्ठान आदि एकत्र कर लेते हैं।

लिखित :

1. डा० राजेन्द्र प्रसाद के बाल काले घने पर छोटे कटे हुए थे, चौड़ा मुख और माथा घनी भृकुटियों के बीच बड़ी-बड़ी आँखे, भारी नाक, चौड़ी ठुड्डी, सुडौल होंठ गेहुआँ वर्ण और बड़ी-बड़ी मूँछें। उनकी कद काठी अनायास ही आकर्षित कर लेती थी।
2. लेखिका ने जब राजेन्द्र बाबू को पहली बार देखा तो उनकी वेशभूषा की ग्रामीणता देखकर ऐसा लगा मानो वे किसी हड़बड़ी में कपड़े पहनकर आए हैं। डॉ० प्रसाद ने खादी की मोटी धोती पहनी थी और कोट का ऊपर का भाग बटन टूट जाने के कारण खुला हुआ था। उनके मौजे भी जूतों पर उतर आए थे और मिट्टी की परत के कारण जूतों के रंग का पता नहीं चल पा रहा था।
3. डा० राजेन्द्र प्रसाद आकृति तथा वेशभूषा से सामान्य भारतीय या भारतीय कृषक का ही प्रतिनिधित्व करते थे। इसलिए पहली बार देखने पर हर किसी को लगता था कि उन्हें पहले भी कहीं देखा है।
4. राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद ने उनसे कहा कि दिल्ली और राष्ट्रपति भवन उनका नहीं है। उनकी पोतियाँ जिस प्रकार रहती आई हैं उसी प्रकार रहेंगी। 'अहंकार से उनकी पोतियों का दिमाग खराब न हो जाए' डा० प्रसाद ने बस इसी बात का ध्यान रखने के लिए लेखिका से कहा।
5. डा० प्रसाद की सहधर्मिणी स्वयं भोजन बनाकर सामान्य भारतीय गृहिणी के समान पति, परिवार तथा परिजनों को खिलाने के उपरांत स्वयं भोजन ग्रहण करती थी।
6. लेखिका को आज भी वह संध्या नहीं भूलती, जब उन्होंने डा० राजेन्द्र प्रसाद को सामान्य आसन पर बैठकर, दिनभर के उपवास के उपरांत उबले आलू खाकर परायण करते देखा था।
7. जीवन मूल्यों की परख रखने वाली दृष्टि के कारण डा० प्रसाद को देशरत्न की उपाधि मिली।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्पों पर (✓) लगाइए :

1. (स) पटना
2. (ब) भारतीय कृषक का

3. (स) खादी के कपड़े

4. (द) उनके मन की सरल स्वच्छता के कारण

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. सज्जन 2. ग्रामीणता
3. सीमित 4. निमंत्रण
5. फलाहार

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. सत्य
3. असत्य 4. असत्य
5. असत्य

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

1. शीत + अवकाश 2. राज + इन्द्र
3. छात्र + आवास 4. सत् + जन
5. व्य + अवस्था 6. निर + देश

ख. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

1. दृष्टि 2. संपर्क
3. विद्या 4. सहधर्मिणी
5. सामान्य 6. अध्ययन

ग. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए :

1. विशेषता 2. ग्रामीणता
3. नागरिकता 4. विचित्रता
5. स्वतंत्रता 6. आवश्यकता

घ. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए :

1. छात्रों के लिए आवास
2. संग के लिए साथी
3. पढ़ने के लिए शाला
4. राज्य का कुमार
5. प्रदेश (बाहर) से आने वाले वासी
6. साफ किया हुआ स्वच्छ

पाठ 12 हरी-हरी दूब पर

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. मनुष्य का समय सदा एक जैसा नहीं रहता। जीवन में सुख-दु:ख हरी घास पर ओस की बूंदों के समान होता है। जिस प्रकार रात में घास पर पड़ी ओस की बूँदे सवेरा होने पर नहीं दिखती उसी प्रकार ऐसी खुशियाँ जो हमेशा हमारे साथ हों वो न कभी थी और न ही कहीं हैं।
2. लाल सूर्य से कवि का अर्थ उगता हुआ सूरज से है। कवि कहते हैं कि जब अश्विन के महीने में सूर्य प्रात:काल प्रकृति की गोद से उगता है तो उनके बगीचा का प्रत्येक पत्ता जगमगाने लगता है और ओस की बूँदे सूर्य के ताप से भाप बनकर उड़ जाती हैं।
3. प्रस्तुत पंक्ति में कवि कहते हैं कि जिस प्रकार ओस की बूंदे एक सत्य हैं चाहे वो पल भर की हों उसी प्रकार जीवन की खुशियाँ भी एक सत्य हैं चाहे वो कुछ ही दिन की हो। कवि कहते हैं कि खुशियाँ कल नहीं मिलेगी इसके लिए हमें उदास नहीं होना चाहिए और खुशी के हर एक क्षण को उत्साह से जीना चाहिए।
4. कवि के अनुसार क्षणिक जीवन का अर्थ है कुछ क्षण की खुशियाँ। कवि कहते हैं कि चाहे खुशियाँ कुछ ही पल के लिए हमारे पास हो हमें उन्हें पूर्ण रूप से जीना चाहिए क्योंकि यह क्षणिक खुशियाँ हमारे मन में नई उम्मीदें और जीने का उत्साह जगाती हैं।
5. ओस की बूँदे केवल सर्दी के मौसम में ही धरती पर गिरती हैं। हर मौसम में सूर्य भी उगेगा, धूप भी खिलेगी पर ओस की बूँदें केवल आश्विन के महीने में ही रात्रि में आसमान से गिरती हैं।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) हरी हरी दूब पर
2. (स) पूरब
3. (ब) भाप
4. (अ) ओस को

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1. प्र० 1 का उत्तर लिखें ।
2. प्र० 5 का उत्तर लिखें।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित विशेष्यों के लिए उचित विशेषण लिखिए :

1. हरी
2. गर्म
3. हरा–भरा
4. छोटी
5. कोमल
6. सुहावना

ख. उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए :

1. क्षणिक
2. चरित्रवान
3. प्राकृतिक
4. स्वभाविक
5. वास्तविक
6. मुखिया

ग. निम्नलिखित शब्दों में संधि–विच्छेद कीजिए :

1. नमः + ते
2. सूर्य + उदय
3. सदा + एव
4. सम् + पूर्ण
5. नमः + कार
6. पो + इत्र

पाठ 13 : बाढ़ की सीख

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. सुकिया ने बिसेसर को बताया कि–''बाढ़ आ रही है।''
2. बिसेसर के दादाजी का नाम प्रयाग सहनी था।
3. बिसेसर को अपने बचपन की याद आ रही थी कि किस प्रकार उसके दादा जी ने उसे जाल की मरम्मत करना और नया जाल बनाना सिखाया था।
4. बिसेसर को उसके दादा जी ने नाव के बारे में बताया था कि किस लकड़ी की नाव अच्छी होती है और यदि नाव भँवर में पड़ जाए तो उसे कैसे निकालना चाहिए।
5. इस साल तीन हाथ ऊँची जितनी पानी की दीवार जैसी दौड़ती हुई

बाढ़ आई ।

6. बिसेसर के दादा ने मरते समय कहा था कि रिलीफ भीख के समान होती है और वह रिलीफ पर आश्रित न होकर अपनी कुदाल और जाल-पतवार से मेहनत करें।
7. सुकिया की हँसुली हाथ में लेते ही बिसेसर की आँखें इसलिए छलछला गई क्योंकि पहली बार उसे अपनी बीवी का गहना बंधक रखना पड़ रहा था।

लिखित :

1. बिसेसर का गाँव बीच चौर में था। वह बाढ़ बचपन से देखता आया था, उसके दादा जी ने उसे बाढ़ के साथ खेलना सिखलाया था इसलिए बाढ़ उसके लिए कोई नई चीज नहीं थी।
2. बिसेसर के दादा जी ने उसे खेल-खेल में जाल की मरम्मत करना, नया जाल बनाना, जाल का धागा कैसा होना चाहिए उसे कैसे संभालना और फेंकना चाहिए यही सब सिखलाया था।
3. चौर के बीच में नाव पहुँचते ही बिसेसर के दादा जी पतवार चलाना छोड़ देते थे, वह नाव को स्थिर कर देते और उसकी माँगी पर जाल लेकर खड़े हो जाते थे।
4. बिससेर को कभी अनाज नहीं खरीदना पड़ा क्योंकि बाढ़ के कारण नई मिट्टी खेतों में डल जाती थी जिसमें धान की फसल अच्छी होती थी।
5. गाँव की बाढ़ ऐसे आई थी मानो जंगल का बाघ उछलता-कूदता, गरजता हुआ आ रहा हो। बाढ़ का पानी तीन हाथ ऊँचा था ऐसा लगता था जैसे पानी की दीवार दौड़ती हुई आ रही हो। बाढ़ के पानी ने मेढ़ों, बाँधों को तोड़ दिया था। हर घर एक टापू सा प्रतीत हो रहा था ।
6. बाढ़ के बाद बिसेसर ने कुदाल से घर के दरवाजे की कीचड़ को साफ कर दिया। सारी सड़ी-गली चीजों को बटोरकर एक खड्डे में डाल दिया और जगह-जगह पड़ी हुई गंदगी को साफ कर दिया। दो दिन में उसका घर फिर से चमकने लगा।
7. बिसेसर के दादा जी ने अंतिम समय में उसे कहा था कि रिलीफ भीख के समान होती है। दूसरों से मदद माँगने के स्थान पर

परिश्रम करना चाहिए इसलिए बिसेसर ने रिलीफ नहीं ली।

8. बिसेसर ने खेतों की क्षतिपूर्ति करने के लिए मेढ़ों को दुरूस्त किया, गड्ढ़ों को भर दिया उसने निश्चय किया कि वह फिर से परिश्रम करके धान रोपेगा।
9. गाँव में हवाई जहाज से नेता, अफसर और इंजीनियर आ रहे थे यह देखने कि बाढ़ के कारण हुई क्षति से लोगों की रक्षा और बचाव कैसे किया जाए।
10. बिसेसर एक किसान था। वह अपने परिश्रम और लगन से खेतों में अनाज उगाता था। उसका काम खेतों में धान रोप कर अपने परिवार का गुजारा करना था इसलिए उसने कहा कि 'हवा में मत देख हमारा काम जमीन देखना है'।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) बाढ़
2. (ब) देवी-देवता
3. (ब) गोवर्धन
4. (द) 'अ' और 'ब' दोनों

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य
2. सत्य
3. सत्य
4. सत्य
5. असत्य

घ. किसने, किससे कहा ?

1. सुकिया ने बिसेसर से
2. दादा जी ने बिसेसर से
3. सुकिया ने बिसेसर से
4. बिसेसर ने सुकिया से
5. दादा जी ने बिसेसर से

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम लगाइये :

1. बाढ़ आती है, बाढ़ जाती है ।
2. नेता आ रहे हैं, अफसर आ रहे हैं, इंजीनियर आ रहे हैं, सभी देखते फिरते हैं।

3. बाढ़ नहीं आई, मछली कहाँ से आएगी ?
4. बिसेसर कहाँ-कहाँ दौड़े, क्या-क्या बचाए ?
5. अरे ! कलछी तो घर में ही छूट गई।

ख. वाक्यों में से मुख्य तथा सहायक क्रिया लिखिए :

1. उठना और देखना
2. खेलना और आना
3. खरीदना और पड़ना
4. घुसना और जाना
5. हँसना और बोलना

ग. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए :

1. चौर - तल - दादा जी बीच चोर में पतवार चलाना छोड़ देते हैं।
   चोर - रमेश के घर रात में चोर घुस आए थे।
2. गुर - इंदिरा गाँधी जी में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुर थे।
   गुड - गुड़ खाना सेहत के लिए लाभदायक होता है।
3. पड़ - बिसेसर को कभी भी अनाज खरीदना पड़ सकता था।
   पढ़ - पढ़ना - रीमा मन लगाकर पढ़ रही है।
4. धान - अनाज - बाढ़ के बाद नई मिट्टी के कारण धान बहुत जल्दी बढ़ता है।
   धन - सेठ के पास लोगों से लूटा हुआ बहुत धन था।

घ. निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों से दो-दो शब्द बनाइए :

1. क्या, क्यारी
2. न्याय, अन्य
3. ज्योति, ज्योतिष
4. श्याम, श्यामल
5. प्यारा, प्यास

पाठ 14 : प्रतिशोध

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. कुछ विद्यार्थी अपनी शिक्षा का समापन कर आश्रम से विदा ले रहे थे उसी संबध में विशेष समारोह था।
2. द्रुपद पांचाल राज्य का राजकुमार था और द्रोण एक ब्राह्मण-पुत्र था। वे दोनों विद्यार्थी थे।

3. द्रोणाचार्य ने अपने धनुर्विधा के कौशल से बालकों की गेंद कुएँ से बाहर निकाल दी।
4. द्रोणाचार्य की कुरूसेना ने गुरू की आज्ञा अनुसार पांचाल की ओर प्रस्थान किया। वहाँ अर्जुन के गांडीव से हुई बाण वर्षा से विवश द्रुपद बंदी बना लिए गए ।

लिखित :

1. समारोह में मंडप के मध्य में ऊँचे आसन पर गुरूदेव विराजमान थे। ईश्वर की प्रार्थना के साथ समारोह प्रारंभ किया गया। गुरूदेव ने सभी शिष्यों को 'सत्य वद, धर्म चर' वाला सूत्रोपदेश दिया और सबके मंगलमय जीवन की कामना की। अंत में शिष्यों ने गुरूचरणों से विदा ली।
2. एक दिन जब दूध के नाम पर चावल का घोल बनाकर माँ रोते हुए नन्हें अश्वत्थामा को बहला रही थी, यह देख गुरू द्रोणाचार्य का धैर्य का बाँध टूट गया।
3. द्रोण द्वारा एक गाय कि माँग करने पर द्रुपद ने अहंकारी स्वर में कहा कि "मित्रता समान स्तर के व्यक्तियों में होती है। एक राजा और रंक में कैसी मैत्री ?"
4. पितामाह की पारखी नजरों ने देख लिया था कि द्रोणाचार्य राजकुमारों को अस्त्र-शस्त्र संचालन की उच्च शिक्षा दे सकते हैं क्योंकि द्रोण ने धनुर्विधा के कौशल से बालकों की गेंद कुएँ से बाहर निकाली थी।
5. द्रोणाचार्य ने गुरूदक्षिणा में शिष्यों से पांचाल नरेश द्रुपद को बंदी बनाकर लाने की माँग की।
6. आचार्य द्रोण ने अपने शिष्यों द्वारा राजा द्रुपद को बंदी बनाकर उसके राज्य पर अधिकार कर लिया। फिर उन्होंने द्रुपद से कहा कि "मैं अपने राज्य का आधा भाग तुम्हें दे रहा हूँ जिससे तुम मेरी मित्रता के योग्य बन सको।"

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (ब) भावनामय — 2. (स) द्रोण

3. (ब) द्रोण ने — 4. (ब) द्रोणाचार्य को

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. आश्रम 2. आचार्य

3. गुरूदेव 4. पितामह

5. पूरे

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. असत्य 5. असत्य 6. सत्य

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए :

1. सभ्यता 2. सौम्यता 3. शून्यता

4. ऊँचाई 5. कुशलता 6. मित्रता

ख. वाक्यों में प्रयुक्त कारक चिह्न को चुनिए तथा कारक चिह्न का नाम बताइए :

1. से - करण 2. को - कर्म 3. ने - कर्ता कारक

4. के लिए - अपादान कारक

ग. संधि कीजिए :

1. संलग्न 2. दुर्बल 3. विद्यार्थी

4. हरिश्चंद्र 5. अहंकार 6. प्रौढ़

पाठ 15 : सूरदास के पद

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. कृष्ण अपनी माँ से कह रहे हैं कि उन्होंने मक्खन नहीं खाया है वह तो वन में गायों को चराने गये थे और चार पहर बाद शाम को घर लौटे हैं।
2. कृष्ण अपनी माँ को मक्खन न खाने के तर्क देते हुए कहते हैं कि वह तो एक छोटे से बालक है उनका हाथ तो मक्खन की टोकरी तक ही नहीं पहुँचता तो वह मक्खन कैसे खा सकते हैं। कृष्ण अपने मुख पर लगे मक्खन के लिए कहते हैं कि उनके ग्वाले दोस्तों ने बलपूर्वक यह मक्खन उनके मुख पर लगा दिया है।

3. कृष्ण ने अपनी माँ को भोली इसलिए कहा है क्योंकि वह सबकी बातों पर आसानी से विश्वास कर लेती है।

4. कृष्ण गेंद से अपने मित्रों के संग खेल रहे थे। एक मित्र गेंद फेंकता था और दूसरे मित्र गेंद को रोकते थे।

5. अपने मित्रों के साथ गेंद खेलते हुए कृष्ण अपने पास गेंद छिपा लेते हैं। इस तरह अपने मित्रों को सताने में उन्हें बहुत आनंद आता है।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) कृष्ण 2. (ब) भोली हैं

3. (ब) मित्रों के संग 4. (ब) यमुना किनारे

ग. निम्नलिखित पदों के भावार्थ लिखिए :

1. मैया मोरी ....आयो।

प्रस्तुत पंक्तियों में कृष्ण अपनी माँ से कह रहे हैं कि उन्होंने मक्खन नहीं खाया है। वह तो सुबह होते ही गायों को चराने वन में ले गये थे और चार पहर बाद शाम को घर लौटे हैं।

2. मार परस्पर ....जाहिं।

सूरदास जी कहते हैं कि खेल-खेल में कृष्ण गेंद को अपने पास छिपा लेते हैं और गेंद को ढूँढने के बहाने से सभी मित्रों को यमुना के तट पर ले जाते हैं।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखो :

1. माँ, माता, जननी
2. मित्र, दोस्त, सखा
3. किनारा, तट
4. प्रातः, सुबह, सवेरा
5. शाम, सूर्यास्त, संध्या

ख. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए :

1. म् + आ + ख् + अ् + न + अ्
2. म् + अ + ध + उ + ब् + अ + न् + अ
3. म् + आ + त् + आ

4. ग् + व + आ + ल् + अ्

5. ज् + अ + म + उ + न + आ

6. स + ऊ + र् + अ

ग. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. बरबस – बलपूर्वक : श्याम के मित्रों ने उन्हें बरबस मक्खन खिला दिया।
2. भोरी – भोली : यशोदा बहुत भोली हैं।
3. स्याम – कृष्ण/काला : कृष्ण के साँवले रंग के कारण उन्हें सब श्याम भी बुलाते हैं।
4. आनंद – खुश होना : मित्रों के साथ खेलने में चंदन को बहुत आनंद आता है।
5. पहर – समय : चारों पहर बीत जाने पर किसान खेती करके घर को लौटा।

घ. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध हिंदी रूप लिखिए :

1. मेरी	2. गाय	3. आया
4. जरूर/अवश्य	5. गेंद	6. पास
7. मारना	8. उपाय	

पाठ 16 : वृक्ष की जीवन गाथा

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

1. पत्तियों के बीच बीज में से अंकुर बाहर निकलता है।
2. पौधे अपना भोजन तरल द्रव्य या वायु से ग्रहण करते हैं।
3. हमारे श्वास बाहर निकालने पर विषाक्त वायु बाहर निकलती है उसे अंगारक वायु कहते हैं।
4. बीज को पेड़-पौधो की संतान कहा गया है।
5. मधुमक्खियाँ एक फूल से पराग-कण दूसरे फूल पर ले जाती हैं।
6. फूल अपने शरीर का रस पिलाकर बीजों का पोषण करता है।

लिखित

1. वर्षा के बाद धीरे-धीरे बीज फूटता है और उसमें से अंकुर निकलता है जैसे कोई शिशु अपना नन्हा सा सिर उठाकर दुनिया को देख रहा हो।
2. पेड़-पौधे अपनी जड़ों द्वारा मिट्टी से रसपान करते हैं। वह अपना भोजन तरल द्रव्य और वायु से ग्रहण करते हैं। पत्तों में अनगिनत छोटे-छोटे छिद्र होते हैं जिनसे वह हवा से भोजन प्राप्त करते हैं।
3. पेड़ के पत्तों पर जब सूर्य का प्रकाश पड़ता है तब पत्ते सूर्य ऊर्जा के सहारे 'अंगारक' वायु से अंगार नि:शेष कर डालते हैं और यही अंगार पेड़-पौधों के शरीर में प्रवेश करके उसका संवर्धन करते हैं। प्रकाश न मिलने पर पेड़-पौधे जीवित नहीं रह सकते।
4. पेड़ की सुंदरता फूलों से बढ़ती है। पेड़ बीज की सुरक्षा के लिए फूलों की पंखुड़ियों से बना एक छोटा सा घर तैयार करता है। लेखक ने बीज को पेड़ की संतान कहा है और इन बीजों पर स्नेह निछावर होते ही फूल खिलखिला उठते हैं और पेड़ों की सुंदरता बढ़ाते हैं।
5. मधुमक्खी व तितली फूलों में संचित शहद का मधुपान करती है। मधुमक्खियाँ एक फूल से परागकण दूसरे फूल पर ले जाती है। पराग कण के बिना बीज बन नहीं सकता। इससे हम कह सकते हैं कि मधुमक्खी व तितली की पेड़-पौधों के साथ घनिष्ठता है।
6. मनुष्यों और अन्य जीव जंतुओं को जीने के लिए ऑक्सीजन गैस की आवश्यकता होती है जिसे पेड़-पौधे प्रदान करते हैं। मनुष्य और जीव जंतु विषाक्त वायु जिसे अंगारक वायु कहते हैं श्वास के द्वारा बाहर निकालते हैं और ऑक्सीजन गैस ग्रहण करते हैं। पेड़-पौधों पर हम फल और अनाज के लिए भी निर्भर रहते हैं।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) जड़ें
2. (ब) नलों द्वारा
3. (स) प्रकाश
4. (स) प्रफुल्लित होते हैं।

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. बीज 2. रसपान 3. पानी

4. प्रकाश 5. बीज

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य

4. असत्य 5. सत्य

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए :

1. प्रकाश, प्रवास 2. अनजान, अनबन

3. विकास, विवाद 4. उपकार, उपद्रव

5. कुमार, कुसंगति

ख. क्रिया के उचित रूप द्वारा वाक्य पूर्ण कीजिए :

1. आया 2. देखो 3. होते

4. आओ 5. जाते हैं

ग. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिन्ह लगाइए :

1. सोए मत रहो, उठ जाओ।
2. क्या आपने अंकुर को फूटते देखा है ?
3. फूल की तरह सुंदर चीज और क्या है ?
4. छोटी-छोटी डालियाँ ताल-ताल पर नाच उठती थीं।
5. स्नेह सिक्त वाणी में पुकार सकते हैं, ''कहाँ हो मेरे बंधु''?

घ. निम्नलिखित पुनरूक्त शब्दों के वाक्य बनाइए :

1. आहिस्ता-आहिस्ता- बीज आहिस्ता-आहिस्ता से टूट रहा था और उसमें से अंकुर निकल रहा था।
2. छोटी-छोटी- हमें छोटी-छोटी बातों से परेशान नहीं होना चाहिए।
3. तरह-तरह- मुगल गार्डन में तरह-तरह के फूल खिलते हैं।
4. एक-एक- सभी विद्यार्थी एक-एक करके अपना परीक्षा परिणाम लेने गए।
5. थर-थर- पुलिस को देखकर चोर थर-थर काँपने लगा।

पाठ 17 : पश्चाताप

पाठ बोध

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. जगत सिंह सैलानी, आवारा घुमक्कड़ युवक था।
2. जगत सिंह के पिता का नाम ठाकुर भगतसिंह था। वह कस्बे के डाकखाने में मुंशी थे।
3. जगत सिंह अपने शौक पूरे करने के लिए दिनरात रुपये चुराने की ताक में रहता था।
4. जगत सिंह के पिता पर गबन का मुकदमा दायर हो गया क्योंकि जगत सिंह ने अपने पिता की जेब से बीमा रजिस्ट्री चुरा ली थी।
5. जगत सिंह के घर से आए पत्र में लिखा था कि उसके दादा को गबन के अभियोग में पाँच वर्ष की सजा हो गई और उसकी माँ मरणासन्न है।
6. भगतसिंह जेल के दरवाजे से बाहर निकलकर जमीन पर बैठ गया क्योंकि उसे लगा कि उसके घर में अब कोई नहीं है जो उसे ले जाए। वह अब कहाँ जाएगा यही सोचकर वह बैठ गया।

लिखित :

1. सवार घोड़े के पीछे ताली बजाना, इक्कों को पीछे से पकड़कर अपनी ओर खींचना, बुड्ढ़ों की चाल की नकल करना, ये सब जगत सिंह के मनोरंजन के विषय थे।
2. भगत सिंह को दूसरे गाँवों में भाजी-साग, उपले ईंधन मुफ्त मिल जाते थे, इन्हीं इरादों से वह अपने गाँव में आए थे पर उनके इरादें यहाँ पूरे न हुए ।
3. बिल्ली के भागों छींका टूटने का अर्थ है जैसा व्यक्ति चाहे, वैसा ही हो जाना। जगत सिंह अपने शौक पूरे करने के लिए दिन-रात रुपए चुराने की ताक में रहता था। जब उसे एक दिन अपने पिता की जेब से बीमा रजिस्ट्री का लिफाफा मिला तो मानों बिल्ली के भाग छींका टूट गया।
4. जब जगत सिंह ने लिफाफा फाड़ा तो उसमें नोट देखकर उसकी

दशा उस शिकारी जैसी हो गई जो चिड़ियों का शिकार करने जाए और अनजाने में किसी आदमी को निशाना लगा दें। उसका मन पश्चाताप, लज्जा और दुख से ग्रसित था।

5. जगतसिंह ने अपने घर के लिए लिखे गए पत्र में अपने अपराधों के लिए क्षमा मांगी। उसने लिखा कि वह अपनी भूलों के लिए सच्चे हृदय से लज्जित है और वह विश्वास दिलाता है कि भविष्य में कुछ अच्छा कार्य करके दिखाएगा।

6. जगत सिंह का साहस कठिन अवस्थाओं में और भी बढ़ जाता था। रेजिमेंट में उसकी विरूदावली के किस्से मशहूर थे। उसने जर्मनों की मैग्जीन में आग लगाई थी, अपने अफसर को मशीनगनों की मार से बचाया था और एक मातहत सिपाही को कंधे पर लेकर निकल आया था। उसकी इसी हिम्मत के लिए कहा गया कि कैप्टन जगत सिंह जैसा योद्धा रेजिमेंट में नहीं है।

7. जगत सिंह की चोरी करने के कारण ही उसके पिता को गबन के आरोप में पाँच वर्ष की सजा हुई थी। इसी पश्चाताप के कारण वह रोता हुआ अपने पिता के पैरों पर गिर पड़ा।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (द) 'अ' व 'स' दोनों
2. (ब) लज्जा और ग्लानि के कारण
3. (द) ये सभी
4. (स) उससे प्यार से बात की।

ग. रिक्त स्थान भरिए :

1. मजा
2. जगत सिंह
3. गबन
4. वेतन
5. रिहाई

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. सत्य
3. सत्य
4. सत्य
5. असत्य

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध हिंदी अर्थ लिखिए :

1. समुद्र
2. माझी
3. बड़ा साहब
4. कार्य विशेष के लिए
5. कार्यालय
6. नियत काल

ख. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. एक पंथ दो काज - कम मेहनत में दो काम करना- हम सुनील की शादी में मुम्बई जाएँगे और साथ ही घूम भी आऐंगे इससे एक पंथ दो काज हो जाएँगे।
2. आम के आम गुठलियों के दाम- दोहरा लाभ- भीखू ने अपनी जमीन दुगुने दामों में बेच दी इसे कहते हैं आम के आम गुठलियों के दाम ।
3. दूध का जला छाछ को फूंक मारकर पीता है- किसी काम में हानि होने पर दूसरा काम डर- डरके करना- एक बार चोट लगने पर रोहित अब तो साइकिल भी धीरे-धीरे चलाता है।
4. बिल्ली के भाग्य छींका टूटना- इच्छित वस्तु पाना- शुभम की अचानक लाटरी निकलने पर ऐसा लगा मानो बिल्ली के भाग्य छींका टूट गया।
5. अपना मारे छांव में डाले- हमें सोच समझ कर वोट डालना चाहिए अन्यथा वही बात हो जाएगी अपना मारे छांव में डाले, दूसरा मारे धूप में डाले।

ग. निम्नलिखित अव्ययों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए :

1. या- सीमा या मीता में से कोई एक विवाह में जाएगा।
2. कि- रामू ने मोहन से कहा कि 'तुम बाजार चले जाओ मुझे आने में देर लगेगी।
3. तो- अगर वो पढ़ाई नहीं करेगा तो परीक्षा में फेल हो जाएगा।
4. और- रोहन और सोहन दोनों ही बहुत शरारती हैं।
5. ही- मीना के निकलते ही सुमित घर आ गया।

पाठ 18 : साहसी भारतीय महिलाएँ

पाठ बोध :

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक :

1. इंदिरा जी का जन्म 19 नवंबर 1917 को हुआ था।
2. इंदिरा जी के द्वारा बनाई गई वानर सेना का उद्‌देश्य था देश की स्वतंत्रता हेतु लड़ने का दृढ़ संकल्प।
3. सरोजनी नायडू उत्तर प्रदेश की राज्यपाल बनी।
4. अमृता प्रीतम ने स्त्री को मुक्त अभिव्यक्ति के लिए जीवनभर संघर्ष किया।
5. अमृता प्रीतम ने अपनी आत्मकथा 'रसीदी टिकट' नाम से लिखी।

लिखित :

1. इंदिरा जी द्वारा बचपन में ही वानर सेना को संगठित किया जाना उनका देश की स्वतंत्रता हेतु लड़ने के दृढ़ निश्चय को दर्शाता है। उनकी इसी भावना ने उन्हें स्वतंत्र भारत की प्रधानमंत्री पद तक पहुँचाया।
2. इंदिरा गाँधी ने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान भारत के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए, बैंकों का राष्ट्रीकरण, शोषितों व पीड़ितों का उत्थान, बंग्लादेश को स्वतंत्रता दिलाना, बीस सूत्री कार्यक्रम चलाना आदि।
3. काव्य और राजनीति दोनों ही तत्व सरोजनी नायडू के व्यक्तित्व में बड़ी सुंदरता से मिले हुए थे। उन्होंने 'गोल सम्मेलन में भाग लिया। समाजसेवा, साहित्य कार्यों से उन्होंने भारतीय महिलाओं का गौरव बढ़ाया।
4. अमृता प्रीतम ने अपने लेखन के माध्यम से स्त्रियों को भी पुरूषों के समक्ष अधिकार दिलाने की जबरदस्त वकालत की है। उनके लेखन के माध्यम से विश्वभर में भारतीय स्त्रियों की विद्‌वता व स्वतंत्र मौलिक चिंतन का प्रचार-प्रसार हुआ है।
5. अमृता प्रीतम की प्रमुख रचनाओं में 'कड़ी धूप का सफर',

'दस्तावेज', 'तेरहवाँ सूरज', 'दिल्ली की गलियाँ', 'कागज के केनवास' आदि हैं।

6. अमृता प्रीतम ने कटु आलोचना के भय से कभी भी अपने लेखन को प्रभावित नहीं होने दिया। उनका मानना था कि प्रत्येक मनुष्य को अपनी विचारधारा के अनुरूप जीने का अधिकार मिलना चाहिए।

ख. निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) लगाइए :

1. (स) वानर सेना
2. (द) इंदिरा गांधी को
3. (स) काव्य और राजनीति
4. (ब) सरोजनी नायडू को
5. (अ) हिंदी व पंजाबी की

ग. सत्य या असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य
4. असत्य 5. सत्य

घ. रिक्त स्थान भरिए :

1. लक्ष्मी 2. 1917 3. तत्परता
4. बेबाक 5. मनोनीत

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए :

1. काश ! आज इंदिरा जी जीवित होती।
2. क्या स्त्री को अभिव्यक्ति व स्वतंत्र चिंतन का कोई अधिकार नहीं?
3. जब अंग्रेजों ने अत्याचार किये, तब भारतीयों ने उनका विरोध किया।
4. हे भगवान ! आज कितनी ठंड है।

ख. दिए गए रिक्त स्थानों में उचित कारक चिह्न भरिए :

की में

का	का
को	की
का	के

ग. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

1. नेतृत्व : मार्गदर्शन – गाँधी के नेतृत्व में भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।
2. उत्थान : उठाना या उन्नति करना – गरीबों के उत्थान के लिए इंदिरा गांधी ने कई आंदोलन शुरू किए।
3. सुदृढ़ : मजबूत – भारत को स्वतंत्रता दिलाने का इंदिरा जी का सुदृढ़ निश्चय था।
4. तत्परता : निपुणता – सुबह उठकर ज्योति तत्परता से सारा काम कर लेती है।
5. मनोनीत : चुना जाना – अमृता प्रीतम को राज्यसभा की सदस्या मनोनीत किया गया था।
6. अनुपम : सर्वोत्तम – कृष्ण की अनुपम छवि ने सबका मन मोह लिया था।